शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 291 | गुवाहाटी | रविवार, 21 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

नकली सोना एवं नकली नोट के कारोबार में शामिल पांच गिरफ्तार पेज 3

हिरोशिमा में हुई मोदी-बाइडन मुलाकात, मोदी के पास आकर गले मिले बाइडन पेज 4

मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश का हो रहा चतुर्दिक विकास : स्वतंत्रदेव पेज 5

सचिन पायलट की जन संघर्ष यात्रा से कांग्रेस का कोई लेना-देना नहीं : रंधावा पेज 8

जोनमणि मामला : राज्य सरकार ने सीबीआई को सौंपी जांच

अपराध और भ्रष्टाचार में लिप्त पुलिसकर्मियों को डीजीपी ने चेताया

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार ने सब इंस्पेक्टर जोनमनि राभा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है। इस घटना में दो जिलों के सभी अधिकारियों के तबादले भी कर दिए गए हैं। यह जानकारी शनिवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने दी है। असम पुलिस मुख्यालय पर एक संवाददाता सम्मेलन में डीजीपी जीपी सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कि गत 16 तारीख को आधी रात को एक खबर मिली कि जोनमनि राभा की मौत हो गई है। प्रारंभिक जांच के आधार पर मामला सीआईडी को सौंप दिया गया था। सीआईडी ने तीन दिन तक मामले की जांच पड़ताल की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की थी और उन्हें घटना की समूची जानकारी दी गई थी। इसके बाद इस हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि इस घटना के संबंध में हमारे पास चार केस हैं। एक मामला नगांव पुलिस स्टेशन में, एक लखीमपुर पुलिस स्टेशन में और दो जखलाबंधा पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए हैं। मैंने सीबीआई से पूरे मामले की जांच कराने का अनुरोध किया। ऐसे में सभी चारों मामलों की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मुख्यमंत्री के परामर्श से इन दोनों जिलों (नगांव-लखीमपुर) के सभी पुलिस

अधिकारियों के तबादले करने का निर्णय लिया गया है। दोनों जिलों के पुलिस अधीक्षकों का तबादला कर दिया गया है। वहीं हादसा वाले थानों के थानाध्यक्षों से सीआईडी की टीम लगाकार पूछताछ कर रही है। डीजीपी सिंह ने कहा कि सीआईडी की जांच को लेकर हमें कोई संदेह नहीं, लेकिन जनभावना और निष्पक्षता के लिए यह फैसला लिया गया कि मामले की जांच सीबीआई को सौंपा जाए। दूसरा कारण यह है कि हमारा एक अधिकारी मारा गया है, इसलिए इसकी जांच किसी तटस्थ एजेंसी से कराने की जरूरत है। हमें उम्मीद है कि सीआईडी पारदर्शी और उचित जांच करेगी। उधर, डीजीपी जीपी सिंह ने भी आगामी 30 दिन के अंदर राज्य से नकली सोने के कारोबार को पूरी तरह से नष्ट करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस मुख्यालय आपराधिक गतिविधियों में शामिल किसी भी सुरक्षाकर्मी के खिलाफ बेहद सख्त कार्रवाई करेगा। -शेष पृष्ठ दो पर

सरकारी स्कूलों में जींस, टी-शर्ट बैन, शिक्षकों के लिए लागू किया जाएगा ड्रेस कोड

गुवाहाटी। असम सरकार ने शनिवार को राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लिए एक ड्रेस कोड लाने की अधिसूचना जारी की और जींस एवं लेगिंग पर प्रतिबंध लगा दिया। राज्य सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग ने पुरुष और महिला दोनों शिक्षकों को स्कूलों में टी-शर्ट, जींस, लेगिंग आदि नहीं पहनने को कहा है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि एक शिक्षक से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए

सभी प्रकार की शालीनता का उदाहरण बनने की अपेक्षा की जाती है, इसलिए एक ड्रेस कोड का पालन करना आवश्यक हो गया है। अधिसूचना में कहा गया कि शिक्षण संस्थानों के कुछ शिक्षकों को अपनी पसंद के कपड़े पहनते हुए पाया गया हैं जो कभी-कभी जनता को बड़े पैमाने पर स्वीकार्य नहीं लगती है। इसलिए एक ड्रेस कोड का पालन करना आवश्यक हो गया है जो कार्यस्थल पर मर्यादा, शालीनता, व्यावसायिकता -शेष पृष्ठ दो पर

दो हजार रुपए की नोटबंदी को लेकर खड़गे ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

बेंगलुरु। रिजर्व बैंक की ओर से 2000 के नोट बंद करने के फैसले पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर सीधा निशाना साधा है। खड़गे ने कहा कि यह जनता को परेशान करने वाली एक और नोटबंदी है। एआईसीसी अध्यक्ष खड़गे ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि मोदी ने एक और नया आदेश जारी किया है। जब भी वह जापान जाते हैं, तो वे *नोट बंदी* अधिसूचना जारी करेंगे और जाएंगे। जब वह पिछली बार जापान गए थे तो उन्होंने 1,000 रुपए के नोट बंद कर दिए थे। इस बार जब वह गए हैं -शेष पृष्ठ दो पर

वायुसेना ने मिग-21 फाइटर के पूरे बेड़े की उड़ान पर लगाई रोक

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने मिग -21 लड़ाकू विमानों के पूरे बेड़े को तब तक के लिए रोक दिया है जब तक कि इस महीने की शुरुआत में राजस्थान में दुर्घटना के कारणों की जांच पूरी नहीं हो जाती है। 8 मई को एक गांव में सूरतगढ़ हवाई अड्डे से मिग -21 बाइसन विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से तीन लोगों की मौत हो गई थी। वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों ने बताया कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती और दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल जाता, तब तक मिग-21 के बेड़े को रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना में

केवल तीन मिग -21 स्क्वाड्रन काम कर रहे हैं और उन सभी को 2025 की शुरुआत में चरणबद्ध तरीके से हटा दिया जाएगा। राजस्थान के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हुआ फाइटर -शेष पृष्ठ दो पर

क्वाड देशों का बिना नाम लिए पाकिस्तान को दिया कड़ा संदेश

टोक्यो। जापान के हिरोशिमा में आज क्वाड देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक हुई। इस बैठक में भारत समेत क्वाड के सभी देशों ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना उसे कड़ा संदेश दिया। क्वाड देशों ने बैठक में सीमा पार आतंकवाद और हिंसा की निंदा की। क्वाड राष्ट्राध्यक्षों ने कहा कि हम सीमा पार से चलने वाली आतंकी गतिविधियों और हिंसक उग्रवाद की निंदा करते हैं। सभी देशों ने एक सुर में कहा कि आतंक के -शेष पृष्ठ दो पर

रूस-यूक्रेन युद्ध : पीएम मोदी ने जेलेंस्की को दिया भरोसा, कहा-

मुझसे जो कुछ बनेगा मैं करूंगा

टोक्यो। जापान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अलग-अलग राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात कर रहे हैं। इस दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदोमीर जेलेंस्की से मुलाकात की है। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से मुलाकात की है। मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन में छात्र वहां फंसे हुए थे उनके लौटने को लेकर और वहां जो प्रयास किए गए थे उसकी

तारीफ की। उसके साथ ही यूक्रेन के दर्द की चर्चा कर हर मुमकिन प्रयास का भरोसा भी दिया। इसके अलावा निजी तौर पर भी प्रधानमंत्री मोदी ने जेलेंस्की को भरोसा दिया कि वो स्वयं भी अपने प्रयास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। पीएम मोदी की एक और विदेश मंत्री एस जयशंकर तो दूसरी तरफ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल बैठे नजर आए। पीएम मोदी ने साफ कहा कि मैं इसे राजनीति और अर्थव्यवस्था का मुद्दा नहीं मानता। मेरे लिए ये मानवता का मुद्दा है। मानवीय मूल्यों का मामला है। पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध की पीड़ा क्या होती है ये आप हम सब से ज्यादा जानते हैं। लेकिन पिछले साल जब हमारे बच्चे यूक्रेन से वापस आए तब उन्होंने परिस्थितियों का जो वर्णन किया। उसमें मैं आपकी वेदना और यूक्रेन के नागरिकों की वेदना को भलि-भांति समझ पाता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इसके समाधान के लिए भारत और निजी रूप से मैं स्वयं भी, -शेष पृष्ठ दो पर

भतीजे को पूछताछ के लिए बुलाया तो आग बबूला हुई ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा पूछताछ के लिए बुलाए जाने की पृष्ठभूमि में कहा है केंद्र के *एजेंसी-राज* ने राज्य का शासन चलाने के उनके काम को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। उन्होंने वाम सरकार को हटाकर 2011 में पहली बार राज्य में तृणमूल कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने की वर्षगांठ के मौके पर सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी। ममता ने ट्वीट किया कि केंद्र में एक निरंकुश सरकार के एजेंसी-राज ने हमारे काम को चुनौतीपूर्ण बना दिया है, लेकिन देशभर में लाखों लोग हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 में आज ही के दिन हम 34 साल तक शासन करने वाली सरकार को हटाकर सत्ता में आए थे और पश्चिम बंगाल में *मां, माटी, मानुष* सरकार बनाई थी। ममता के ट्वीट से एक घंटे पहले तृणमूल कांग्रेस नेता और -शेष पृष्ठ दो पर

समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण का केंद्र बिंदु बनेगा एनएसीपी : शाह

खंभालिया/अहमदाबाद (हि.स.)। देवभूमि द्वारका आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने समुद्री सीमा की सुरक्षा में बढ़ोतरी करते ओखा में राष्ट्रीय तटीय पुलिस अकादमी (एनएसीपी) का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि समुद्री सुरक्षा में सेवारत जवानों के प्रशिक्षण के लिए यह एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान बनेगा। ओखा के समीप मोजप में बीएसएफ की ओर से आयोजित इस समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री ने कच्छ जिले के जखौ तट पर स्थित बीएसएफ की 05 कोस्टल आउटपोस्ट,

सरक्रीक क्षेत्र में लखपतवारी स्थित एक ओपी टावर का ई-उद्घाटन भी किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : दवाओं की हो रही किल्लत सब्जी-फलों के दाम दोगुने से ज्यादा

इंफाल। इस महीने की शुरुआत में मणिपुर में हिंसा भड़कने के बाद राज्य की स्थिति काफी खराब हो गई है। हिंसा में लाखों लोग तबाह हो गए। अपनी और अपने परिवार की जान बचाने के लिए लोगों को अपने घर से भागना पड़ा। इस तरह लाखों की तादाद में लोग इधर से उधर भटक गए। 55 से अधिक लोगों की हिंसा में मौत हो गई

जबकि सैंकड़ों घायल हो गए। लाखों लोगों को राहत शिविर में पहुंचाया गया। हिंसा के कई दिनों के बाद भी राज्य में हालात कुछ ठीक नहीं है। आलम यह है कि वहां दवाओं की किल्लत हो गई है। यह किल्लत आने वाले समय में और बढ़ सकती हैं। मणिपुर केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन ने इस बात की जानकारी दी है। एमसीडीए ने कहा कि राज्य लाइफ सेविंग ड्रग्स और अन्य दवाओं की कमी का सामना -शेष पृष्ठ दो पर

सिद्धारमैया सीएम और शिवकुमार ने ली डिप्टी सीएम की शपथ

बेंगलुरू। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धरमैया ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। सिद्धरमैया के साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने भी शपथ ग्रहण की, जो राज्य सरकार में उप मुख्यमंत्री होंगे। वहीं, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष जी परमेश्वर, एम बी पाटिल, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन कार्जुन खरगे के पुत्र प्रियंक खरगे, वरिष्ठ नेता के एच मुनियप्पा, के जे जॉर्ज, सतीश जार्कीहोली, रामालिंगा रेड्डी और बी जेड जमीर अहमद खान ने मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने स्थानीय श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सिद्धरमैया, शिवकुमार और अन्य नेताओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ समारोह विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में आयोजित हुआ। कांग्रेस ने इस समारोह के

माध्यम से विपक्षी एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया। शपथ समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कांग्रेस के कई अन्य वरिष्ठ -शेष पृष्ठ दो पर

एक्शन में सिद्धा, पहली कैबिनेट में 5 गारंटियों को लागू करने का दिया आदेश

बेंगलुरू। कर्नाटक में सीएम पद की शपथ लेते ही मुख्यमंत्री सिद्धारमैया एक्शन मोड में आ गए हैं। उन्होंने शपथ लेने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में उन पांच गारंटियों (वादों) को लागू करने के आदेश जारी किए हैं, जिनका चुनाव से पहले पार्टी ने वादा किया था। इन पांच गारंटियों में गृह ज्योति, गृह लक्ष्मी, अन्न भाग्य, युवा निधि, उचित प्रयाण शामिल हैं। पहली कैबिनेट -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में कैद 22 पाकिस्तानी को किया गया रिहा

अटारी। भारत सरकार ने अपनी सजा पूरी कर चुके 22 पाकिस्तानी कैदियों को उनके देश वापस भेज दिया है। अधिकारियों ने बताया कि उन सभी

पाकिस्तानियों को अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते वापस भेजा गया है। अधिकारियों ने ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने शुक्रवार को 22 पाकिस्तानी कैदियों को रिहा कर उन्हें सीमा की संयुक्त जांच चौकी (जेसीपी) पर पाकिस्तानी रेंजर्स को सौंप दिया। अधिकारियों ने बताया कि यह सभी आपातकालीन यात्रा प्रमाणपत्र मिलने के बाद पाकिस्तान वापस जा सके। दरअसल, दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग द्वारा -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
किसी भी कार्य में पल भर का भी विलंब न करें।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

2024 में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा भारत : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंद प्रशांत क्षेत्र (इंडो-पैसिफिक) के सुरक्षा संवाद मंच क्वाड की अगली शिखर वार्ता (वर्ष 2024) की मेजबानी करने की पेशकश की है। प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के शहर हिरोशिमा में शनिवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस के साथ क्वाड शिखर वार्ता में भाग लिया। उन्होंने कहा कि क्वाड वैश्विक भलाई, मानव कल्याण, शांति और समृद्धि के लिए प्रयास करने पर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

वैज्ञानिकों ने भारत में 55 डिग्री तापमान होने की जताई आशंका

कानपुर (हि.स.)। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन ग्रुप के तहत प्रमुख जलवायु वैज्ञानिकों की अंतर्राष्ट्रीय टीम द्वारा किए गए रैपिड एट्रिब्यूशन एनालिसिस के अनुसार भारत में 30 गुना लू के थपेड़े चल सकते हैं। यही नहीं कुछ सालों में ही तापमान 55 डिग्री सेल्सियस पहुंचने की आशंका जताई है। इस पर चंद्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस एन सुनील पाण्डेय का कहना है कि अर्बन प्लानिंग में पैसिव एवं एक्टिव कूलिंग विधियों के अपनाने से बढ़ते तापमान पर कुछ हद तक रोक लगाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि देश के कई हिस्सों में इन दिनों गर्मी से लोग बेहाल हैं। राजधानी दिल्ली, कानपुर मण्डल समेत उत्तर भारत के कई शहरों में गर्मी से राहत दिलाने के लिए पंखे, कूलर फेल हो रहे हैं और बिना एसी के तो एक पल गुजारना मुश्किल हो रहा है। यह हाल तब है, जब इन दिनों तापमान 40 से 44 डिग्री तक पहुंच रहा है। ऐसे में जरा सोचिए कि तब क्या स्थिति होगी, जब पारा 48 से 55 के बीच होगा। देश में लू के थपेड़े 30 गुना अधिक होंगे। जिस तरह से कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन हो रहा है और यह बढ़ता जा रहा है। इससे आशंका ये जताई जा रही है कि आने वाले वर्षों में राजधानी दिल्ली, कानपुर, लखनऊ समेत कई शहरों का औसत तापमान अभी की तुलना में 7 से 8 डिग्री और बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में हमें अर्बन प्लानिंग में पैसिव एवं एक्टिव कूलिंग विधियों को अपनाने पर तेजी लाना चाहिये। इसके अलावा अर्बन प्लानिंग के दौरान घरों को कुछ इस तरह डिजाइन किया जाये कि उनके भीतर का तापमान नियंत्रित रह सके। जिससे एसी और दूसरे कूलिंग डिवाइस में होने वाली ऊर्जा की खपत कम होगी। डॉ पांडेय के मुताबिक दुनिया भर में जीवाश्म ईंधन की खपत कम करने पर जोर दिया जा रहा है। वह कहते हैं कि जिस तरह कार्बन फुटप्रिंट कम करने को लेकर अमीर और विकासशील देशों में समन्वय का अभाव है, वह संकट को जटिल बना सकता है। ग्रीन मोबेलिटी अर्थात गैर जीवाश्म ईंधन आधारित यातायात को प्रोत्साहित किया जा रहा है, लेकिन यह ट्रांजिशन भारत जैसे विकासशील देश के लिए चुनौतीपूर्ण है। बांग्लादेश और पर्यटन की इकोनॉमी पर केंद्रित थाईलैंड या दूसरे किसी देश की तुलना न्यायसंगत नहीं होगी। डा0 पांडेय कहते हैं कि जिस समय यह रिपोर्ट जारी हुई है, ऐसे समय में जी-7 की बैठकें जापान में हो रही हैं। इन देशों के पास 45 फीसदी कारोबार है। धरती को गरम करने में इनकी हिस्सेदारी लगभग 60 फीसदी से ऊपर है। लेकिन जी-7 देश जब ग्रीन इकोनॉमी के लिए जरूरी टेक्नोलॉजी और फाइनेंस की बात आती है तो वह मुंह छिपाते नजर आते हैं। भारत जी-7 देशों में आमंत्रित सदस्य के रूप में भाग ले रहा है। ऐसे में भारत को पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को ठीक वैसी ही मान्यता दिलाने के लिए आगे आना चाहिए, जैसे योग और मिलेट्स को लेकर प्रयास किए गए है। यहां तक की जी-20 के मौजूदा आयोजन के मुख्य प्रस्ताव में लाइफ मिशन भारत की ओर से बड़ी देने के रूप में स्थापित होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन ग्रुप के तहत प्रमुख जलवायु वैज्ञानिकों की अंतर्राष्ट्रीय टीम ने रैपिड एट्रिब्यूशन एनालिसिस किया।

उम्मीद एक बेहतर कल की विषय पर कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा उम्मीद एक बेहतर कल की विषय पर पंचम कार्यशाला का आयोजन अध्यक्ष मंजू भंसाली की अध्यक्षता में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव महाविद्यालय विद्यापीठ में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ किया गया। तेरापंथ महिला मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री सुशीला मालू ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में विद्या कुंडलियां ने अनुशासन के महत्व को बड़े अच्छे ढंग से बताया एवं जीवन में अनुशासन को अपनाने के लिए प्रेरणा दी। कमल चंद्र कटकी हेल्थ एडुकेशन एंड रिचार्ज महापुरुष श्रीमंत शकरदेव के डायरेक्टर ने महिला मंडल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया उन्होंने कहा महिला मंडल से वे कई सालों से जुड़े हुए हैं। अध्यक्ष मंजू भंसाली एवं मंत्री सुशीला मालू का फुलाम गमछा से स्वागत किया गया। तथा अपने महाविद्यालय एवं कक्षाओं के बारे में हमें जानकारी दी। सचिव सुशीला मालू ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस आशय की जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री श्वेता सिंघी ने दी

धुबड़ी में प्रतिबंधित ब्रॉयलर ले जा रही पिकअप जब्त

धुबड़ी (हिंस)। असम में अन्य राज्यों से ब्रॉयलर मुर्गी लाने पर प्रतिबंध के बाद भी पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों से आएदिन तस्करी हो रही है। पुलिस ने शनिवार रात पश्चिम बंगाल से असम में ब्रॉयलर मुर्गी लेकर आए एक बोलेरो पिकअप वाहन को जब्त कर लिया। गौरीपुर पुलिस ने शनिवार की रात गौरीपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर चेकिंग के दौरान अवैध रूप से ब्रॉयलर मुर्गी लेकर जा रहे बोलेरो पिकअप वैन को पकड़ लिया है।

पद्दोन्नति पर चक्राधिकारी लीना कुमारी पावे को दी गई विदाई

रंगिया (विभास)। तिनसुकिया जिला की अतिरिक्त उपायुक्त के पद पर पदोन्नत होने के बाद रंगिया की चक्राधिकारी लीना कुमारी पावे को आज रंगिया महकमा प्रशासन की ओर से विदाई एवं बधाई दी गई। उन्हें विदाई देने के लिए शनिवार को रंगिया के महकमाधिपति कार्यालय के सभागार में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। रंगिया के महकमाधिपति दिपन बर्मन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में महकमाधिपति कार्यालय के सभी अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे। जिन्होंने रंगिया महकमा में श्रीमती पावे के विगत कामकाज की भारी प्रशंसा की साथ महकमा में उनके सानिध्य को स्मरण करते हुए सभी भावुक नजर आए। उल्लेखनीय है कि अपने कार्यकाल के दौरान श्रीमती पावे महकमा के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों सहित रंगिया बासियों के बीच व्यापक प्रशंसा की पात्र रही। बैठक में श्रीमती पावे ने भी अधिकारियों और कर्मचारियों की सहयोगिता को याद करते हुए सभी को धन्यवाद दिया।

डिब्रूगढ़ में खुला पहला ओला इलेक्ट्रिक एक्सपीरियंस सेंटर

डिब्रूगढ़। भारत की प्रमुख इलेक्ट्रिक वैहिकल कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने आज देश के कोने-कोने में अपने डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर सेंटर्स के विस्तार की रणनीति के तहत कई अन्य शहरों के साथ डिब्रूगढ़ में अपना पहला एक्सपीरियंस सेंटर लांच करने की घोषणा की। यह नया लांच किया गया एक्सपीरियंस सेंटर कुमारानिचिगा, गोहेन टकेला गांव में असम ट्रंक रोड पर स्थित है। ओला भारत में अपने फिजिकल फुटप्रिंट्स का विस्तार करने के लिए बड़े कदम उठा रहा है। इन नए टचप्वाईंट्स के साथ कंपनी ने श्रीनगर में 500 वां एक्सपीरियंस सेंटर खोलकर नया कीर्तिमान बना लिया है। ओला एक्सपीरियंस सेंटर्स को ग्राहकों को सभी सेवाएं एक ही छत के नीचे देने के लिए डिजाईन किया गया है। यहां ग्राहक एस1 और एस1 प्रो स्कूटर्स की टेस्ट राईड ले सकते हैं, खरीद की पूरी प्रक्रिया में एक्सपर्ट मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। यहां ग्राहक ओला ऐप से खरीद प्रक्रिया पूरी करने से पहले फाईनेंसिंग के विकल्पों की विस्तृत जानकारी पा सकते हैं। ये एक्सपीरियंस सेंटर ओला स्कूटर की पोस्ट सेल केयर एवं मेंटेनेंस के लिए भी वन-स्टॉप डेस्टिनेशन हैं। ओला अब अपने 2,50,000 ग्राहकों के समुदाय से केवल 20 किलोमीटर दूर है, और उन्हें अपनी सर्विस की सभी जरूरतों एवं हर आवश्यकता के लिए आसानी से उपलब्ध सहायता प्रदान करता है। ओला ने हाल ही में भिन्न-भिन्न रेंज की जरूरतों वाले ग्राहकों को सेवाएं देने के लिए अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। वर्तमान में ओला छः मॉडल उपलब्ध करा रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

जोनमणि मामला : राज्य...

किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि कि हम नकली सोने और जाली नोटों पर नकेल कस रहे हैं। बीते कल से लेकर कुल 71 लोगों को गिरफ्तार एवं 6.60 लाख रुपए जब्त किए गए हैं। नकली सोना और नकली करेंसी के कारोबार को आगामी 30 दिनों के भीतर समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा है कि तीन वर्ष से अधिक समय तक एक जिले में कोई भी पुलिसकर्मी नहीं रह सकता है। ऐसे सभी लोगों का तबादला किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि युवा महिला एसआई जोनमनि राभा की 16 मई की मध्य रात्रि एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी। प्रथमदृष्टया बताया गया कि राभा की कार एक ट्रक से टकरा गयी थी। जांच अधिकारियों ने बकायदा इसका एक वीडियो बनाकर सर्कुलेट किया था। बाद में घटना की जांच को लेकर जब सवाल उठने लगे। हालांकि, अभी तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस मामले में कई पैसों के लालची पुलिस अधिकारियों के शामिल होने की चर्चाएं हैं।

सरकारी स्कूलों में ...

और उद्देश्य की गंभीरता को दर्शाता हो। विभाग ने शिक्षकों को यह भी निर्देश दिया कि पुरुष और महिला दोनों शिक्षकों को साफ-सुथरे, शालीन और सभ्य रंगों के कपड़े पहनाए जाएं, जो आकर्षक न दिखें। कैजुअल और पार्टी परिधानों से सख्ती से बचना चाहिए। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव नारायण कुअंर द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, स्कूल शिक्षा विभाग में सरकार सभी शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों के लिए निम्नलिखित ड्रेस कोड निर्धारित करती है। पुरुष शिक्षकों को केवल उचित औपचारिक पोशाक (औपचारिक शर्ट-पैंट और आकस्मिक पोशाक जैसे टी-शर्ट, जींस आदि) में ही अपनी ड्यूटी पर उपस्थित होना चाहिए और महिला शिक्षकों को शालीन सलवार सूट/साड़ी/पहनकर ड्यूटी करनी चाहिए, न कि टी-शर्ट, जींस, लेगिंग आदि कैजुअल परिधान में। इसमें आगे कहा गया कि उपरोक्त आदेश का सभी संबंधितों द्वारा निष्ठापूर्वक अनुपालन किया जाएगा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने कहा कि असम सरकार सभी सरकारी स्कूलों के लिए एक स्कूल रूल बुक शुरू करने जा रही है, जिसमें व्यापक बातें हैं कि स्कूल को कैसे प्रबंधित किया जाए और कक्षाएं कैसे संचालित की जाएं। डॉ रनोज पेगू ने कहा अधिसूचना में कहा गया हैं कि शिक्षकों को शालीनता से, ठीक से कपड़े पहनने चाहिए और उन्हें औपचारिक पोशाक पहननी चाहिए। छात्रों के लिए हमारे पास वर्दी है इसलिए, शिक्षकों को औपचारिक पोशाक पहनकर स्कूल आना चाहिए।

दो हजार रुपए की...

तो उन्होंने 2,000 रुपए के नोट बंदी की। कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में सिद्धारमैया और उनके मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह के बाद सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह (पीएम) नहीं जानते कि इससे देश को फायदा होगा या नुकसान होगा। मोदी जो नोटबंदी कर रहे हैं, एक बार फिर किया है। वह लोगों को परेशान कर रहे हैं। 2000 के नोट के बंद किए गए सर्कुलेशन को लेकर जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट करते हुए कहा कि आपने पहली नोटबंदी से अर्थव्यवस्था को एक गहरा जख्म दिया था। जिससे पूरा असंगठित क्षेत्र तबाह हो गया, एमएसएमई ठप हो गए और करोड़ों रोजगार गए! अब 2000 के नोट वाली दूसरी नोटबंदी क्या ये गलत निर्णय के ऊपर पर्देदारी है? एक निष्पक्ष जांच से ही कारनामों की सच्चाई सामने आएगी। बीते शुक्रवार को रिजर्व बैंक ने अचानक इस बात की घोषणा कर दी कि 2,000 रुपए के नोटों को चलन से वापस लिया जाएगा। हालांकि, जनता को 30 सितंबर तक ऐसे नोटों को खातों में जमा करने या बैंकों में बदलने का समय दिया गया है। हालांकि, इससे पहले नवंबर 2016 में अचानक हुई नोटबंदी के समय 500 रुपए और 1,000 रुपए के पुराने नोटों को रातों रात अमान्य कर दिया गया था, लेकिन इस बार 2,000 रुपए के नोट 30 सितंबर तक वैध रहेंगे। भाजपा पर राहुल गांधी के *नफरत* वाले बयान को दोहराते हुए खड़गे ने कहा कि यहां हमारी सरकार प्यार की सरकार है, जो सबको साथ लेकर चलेगी। कर्नाटक में नवगठित कांग्रेस सरकार को *प्यार की सरकार* बताते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि चुनाव से पहले लोगों से किए गए सभी पांच वादे लागू किए जाएंगे। खड़गे ने कहा कि हम अपने किए गए सभी वादों को पूरा करेंगे। हम भाजपा की तरह कुछ नहीं कहेंगे और कुछ करेंगे, हम अपनी बात पर चलेंगे। हम सभी पांचों वादों को लागू करेंगे। कांग्रेस ने गारंटियों को लागू करने का वादा किया है। सभी घरों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली, हर परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपए मासिक सहायता, बीपीएल कार्ड धारकों के परिवार में प्रत्येक सदस्य के लिए 10 किलो चावल मुफ्त, स्नातक युवाओं के लिए हर महीने 3,000 रुपए और डिप्लोमा धारकों के लिए 1,500 रुपए (दोनों 18-25 आयु वर्ग में) दो साल तक के लिए और सार्वजनिक परिवहन बसों (शक्ति) में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का राज्य में सत्ता संभालने के पहले दिन से ही लागू कर दी जाएगी।

वायुसेना ने मिग-21..

जेट एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था जब यह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पायलट को मामूली चोटें आईं, जिसके बाद दुर्घटना के सही कारण की जांच के लिए जांच शुरू की गई। आईएएफ के पास 31 लड़ाकू विमान स्क्वाड्रन हैं, जिनमें तीन मिग -21 बाइसन संस्करण शामिल हैं। मिग-21 को 1960 के दशक में आईएएफ में शामिल किया गया था और फाइटर के 800 वेरिएंट सेवा में हैं। मिग-21 की दुर्घटना हाल के दिनों में चिंता का कारण रही है क्योंकि उनमें से कई दुर्घटनाओं का शिकार हुए हैं। आईएएफ उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान के साथ एलसीए मार्क 1ए और एलसीए मार्क 2 सहित स्वदेशी विमानों को शामिल करने पर भी विचार कर रहा है।

क्वाड देशों का बिना...

खिलाफ हम एक दूसरे का सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। क्वाड राष्ट्राध्यक्षों ने कहा कि हम आतंकवाद जैसे खतरों को रोकने और उनका पता लगाने के लिए अपने भागीदारों के साथ मिलकर काम करेंगे। हम सीमा पार से हो रही आतंकी गतिविधियों का जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। क्वाड के सभी देश आतंकी हमलों की जवाबदेही भी तय करेंगे। क्वाड राष्ट्राध्यक्षों ने मुंबई 26/11 और पठानकोट जैसे बड़े हमलों समेत भारत में हुए सभी आतंकवादी हमलों की निंदा की। सभी ने कहा कि इसी साल मार्च 2023 में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक हुई। इस दौरान आतंकवाद के खिलाफ नए कार्य समूह की घोषणा की गई। अब इसके माध्यम से हम सभी अपने सहयोग को और मजबूत करेंगे।

मुझसे जो कुछ ...

हमसे जो कुछ भी हो सकता है वो हम अवश्य करेंगे। भारत लगातार शांति की बात करता रहा है और प्रधानमंत्री मोदी ने आज भी यही बात दोहराई है। पिछले साल अप्रैल महीने में रूस ने विशेष सैन्य अभियान का नाम देते हुए यूक्रेन पर हमला कर दिया था। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद से पीएम मोदी और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की ये पहली मुलाकात है। रूस के साथ जंग की शुरुआत के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कई बार प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर युद्ध रुकवाने के लिए हस्तक्षेप करने की अपील की थी। अगर अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के चीफ बिल बनर्स की माने तो ये पीएम मोदी ही थे जिनकी वजह से परमाणु युद्ध टल गया। सीआईए चीफ ने कहा भी था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का रूस के फैसलों पर असर रहा है। उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के मौके पर पीएम मोदी ने पुतिन से कहा था कि मैं जानता हूं कि आज का युग युद्ध का नहीं है। संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युल मैक्रों ने पीएम मोदी के रूस को दिए गए बयान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। पश्चिमी देशों के बीच तनाव का जो वक्त है वो किसी भी लिहाज से भारत के लिए भी ठीक नहीं है। रूस और यूक्रेन के बीच तनाव के बाद भारत भी सारी स्थिति पर फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। ये संकट के समीकरण बनाने और बिगाड़ने की ताकत रखता है। भारत की स्थिति संवेदनशील है। भारत कोई भी कदम उठाता है तो उसके खुद के हित भी प्रभावित हो सकते हैं। अगर रूस की आलोचना करता है तो भारत पुराने, जांचे-परखे मित्र को अलग-थलग कर देगा। ऐसी स्थिति में रूस चीन के और करीब जाएगा। अगर भारत रूस का खुलकर समर्थन करता है तो अमेरिका से रिश्ते प्रभावित होंगे। अगर भारत कुछ भी नहीं कहता है तो रूस और अमेरिका दोनों को नाराज कर सकता है।

समुद्री सीमा की सुरक्षा...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता से राष्ट्रीय स्तर का सीमा सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र ओखा में बनने जा रहा है। इससे तटीय सुरक्षा को लेकर जवानों को एक छत के नीचे तटीय सुरक्षा का पाठ पढ़ाया जाएगा। देश की सीमा को विकास के साथ जोड़ते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश की सीमा पहले से अधिक सुरक्षित और देश अधिक मजबूत हुआ है। इसके कारण देश तेजी से विकास कर रहा है। देश की सुरक्षित सीमा होने का उदाहरण देते हुए शाह ने कहा कि हाल में केरल से 12 हजार करोड़ का ड्रग्स पकड़ा गया है। इसके अलावा पिछले कुछ समय में जितने ड्रग्स पकड़े गए हैं उतना पूर्व की सरकारों के समय कभी नहीं पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विशेष रूप से तटीय सुरक्षा नीति के अंतर्गत तटरक्षक दल, नौसेना, कोस्ट गार्ड और मछुआरों के संयुक्त प्रयत्नों से देश की समुद्री सीमा को अधिक सुदृढ़ और सुरक्षित बनाने की योजना है। उन्होंने कहा कि देश के प्रहरियों की चिंता कर, उनकी सुविधाओं में बढ़ोतरी कर, उनके परिवार की अच्छी तरह से देखभाल की चिंता की जा रही है। साथ ही सुरक्षा के लिए आधुनिक साधन सेना को उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बीएसएफ के जवानों की शौर्यगाथा का भी गुणगान किया। शाह ने कहा कि देश की सीमा बहुत विशाल है, समुद्री सीमा 7 हजार किलोमीटर से अधिक लंबी है। इसमें कई गांव, टापू और औद्योगिक जोन शामिल हैं। इन सभी की मजबूती के साथ सुरक्षा करना जरूरी है। भगवान श्रीकृष्ण की द्वारका नगरी के समीप राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी का भूमिपूजन करने का अवसर मिलने पर उन्होंने प्रसन्नता जतायी। द्वारका और ओखा के बीच राष्ट्रीय स्तर की तट रक्षा पुलिस अकादमी में हर साल 3000 जवानों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस दौरान कच्छ के क्रीक क्षेत्र में 56 करोड़ की लागत से बने आउट पोस्ट व ओपी टावर की सुविधा के संबंध में वीडियो फिल्म प्रदर्शित की गई। बीएसएफ के महानिदेशक डॉ. सुजोय लाल थाउसेन ने स्वागत संबोधन में बीएसएफ के काम से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि नेशनल अकादमी ऑफ कोस्टल पुलिसिंग (एनएसीपी) की स्थापना 9 कोस्टल राज्यों, 5 केंद्र शासित प्रदेशों में तटीय पुलिस और केंद्रीय पुलिस दलों के सघन और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण की व्यवस्था करेगा। इस केंद्र के लिए 441 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। समारोह में सांसद पूनम माडम, विधायक पबुभा माणेक, केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मणिपुर हिंसा : दवाओं ...

कर रहा है। आने वाले दिनों में स्थिति और बिगड़ सकती है। उन्होंने कहा कि हाल ही में राज्य में हुए जातीय संघर्षों के बाद भड़की हिंसा के कारण कुकी समुदाय के लोगों ने इंफाल-डीमापुर मार्ग पर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में व्यवधान डाल दिया। इसके कारण यहां के कुछ इलाकों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति नहीं हो सकी। एमसीडीए के अध्यक्ष आरके राकेश ने इंफाल में मीडिया से बातचीत में कहा कि पैनिक खरीदारी और ट्रकों के फंसने की वजह से यहां दवाओं के स्टॉक में तेजी से कमी आई है। उन्होंने कहा कि दवाओं से लदे 26 ट्रक मणिपुर और असम में फंसे हुए हैं। मणिपुर में मधुमेह, गुर्दे और हृदय रोगियों की एक बड़ी संख्या है, जिन्हें लाइफ सेविंग ड्रग्स की आवश्यकता है। इंटरनेट सेवा बंद होने से केमिस्टों, सप्लायर और मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के बीच कम्युनिकेशन गैप को बड़ा झटका लगा है। उन्होंने कहा कि बुनियादी चीजों की कीमतें काफी बढ़ गई हैं, जिससे लोगों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। आरके राकेश ने आगे कहा कि इंफाल के बाजार में शुक्रवार को कुछ सब्जियों और फलों के दाम दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं। कश्मीरी सेब 500 रुपए किलो और आलू 70-100 रुपए किलो बिक रहा है। वहीं, दूसरी तरफ गुरुवार को सेना और असम राइफल्स की मदद से टैंकरों और चावल, चीनी और दालों से लदे 28 ट्रक एनएच-37 (इंफाल-सिलचर मार्ग) के रास्ते इंफाल पहुंचे।

भतीजे को पूछताछ ...

उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी निजाम पैलेस में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के कोलकाता स्थित कार्यालय में पेश हुए। वह सीबीआई की स्कूल भर्ती घोटाले की जांच के संबंध में सीबीआई के समक्ष पेश हुए। इससे एक दिन पहले, प्रवर्तन निदेशालय ने स्कूल भर्ती घोटाले की जांच के संबंध में टीएमसी के शीर्ष नेताओं के करीबी माने जाने वाले सुजय कृष्ण भद्र के आवास पर भी छापा मारा था।

सिद्धारमैया सीएम और ...

नेता शामिल हुए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता फारूक अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता महबूबा मुफ्ती और कई अन्य विपक्षी नेताओं ने भी इस समारोह में शिरकत की। कांग्रेस ने दक्षिण भारत के इस महत्वपूर्ण राज्य में सरकार गठन में सामाजिक समीकरण को साधने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कुरुबा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और उप मुख्यमंत्री शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। वहीं, परमेश्वर, मुनियप्पा और प्रियंक दलित समुदाय से संबंध रखते हैं, जबकि एम बी पाटिल लिंगायत समुदाय से आते हैं। खान मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और जॉर्ज का संबंध ईसाई समुदाय से है। जार्कीहोली अनुसूचित जनजाति समुदाय से आते हैं, जबकि रामालिंगा रेड्डी का संबंध रेड्डी जाति से है। कर्नाटक मंत्रिमंडल में मंत्रियों की स्वीकृत संख्या 34 है। फिलहाल मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री समेत कुल 10 सदस्य हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। सिद्धरमैया इससे पहले मई 2013 से मई 2018 के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। कभी जनता दल और जनता दल (सेक्युलर) का हिस्सा रहे सिद्धरमैया दो बार राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। पिछली विधानसभा में वह नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभा रहे थे। वहीं, कर्नाटक में कांग्रेस के संकटमोचक कहे जाने वाले शिवकुमार पिछले लगभग तीन वर्षों से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। वह प्रदेश में कांग्रेस की पिछली कुछ सरकारों में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं। कांग्रेस विधायक दल की गुरुवार को हुई बैठक में सिद्धरमैया को औपचारिक रूप से नेता चुना गया था, जिसके बाद उन्होंने राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया था। कर्नाटक में 224 सदस्यीय विधानसभा के लिए 10 मई को हुए चुनाव में कांग्रेस ने 135 सीटें अपने नाम की थीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा नीत जनता दल (सेक्युलर) ने क्रमश: 66 और 19 सीटें हासिल की थीं। पहले के अपडेट के अनुसार, कर्नाटक के नवनिर्वाचित उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को रिसीव करने के लिए बेंगलुरु एयरपोर्ट पहुंचे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा बेंगलुरु एयरपोर्ट पहुंच गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी कर्नाटक मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए बेंगलुरू पहुंच गए हैं। वहीं, सिद्धारमैया मुख्यमंत्री पद की शपद लेने के लिए कांतीरवा स्टेडियम के लिए रवाना हो गए हैं। शपथ ग्रहण के मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री सहित आठ विधायक मंत्रीपद के लिए शपथ लेंगे। मैं भी उसमें शिरकत के लिए वहां जा रहा हूं। यह खुशी की बात है कि कर्नाटक में नई सरकार, मजबूत सरकार आई है। इससे कर्नाटक का विकास होगा और साथ ही देश में अच्छा माहौल बनेगा।

एक्शन में सिद्धा...

बैठक के बाद सीएम सिद्दारमैया ने प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि कर्नाटक विधानसभा का सत्र अगले सप्ताह सोमवार, मंगलवार और बुधवार को होना है, जिसमें विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। यहां विधान सौध में पहली कैबिनेट बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि घोषणापत्र में पांच गारंटी का वादा किया गया था। पहली कैबिनेट बैठक के बाद उन पांच गारंटी के कार्यान्वयन का आदेश दिया गया था। इन योजानओं सभी घरों (गृह ज्योति) को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देना, हर परिवार की महिला मुखिया (गृह लक्ष्मी) को 2,000 रुपए मासिक सहायता; बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को 10 किलो चावल मुफ्त (अन्ना भाग्य); बेरोजगार स्नातक युवाओं के लिए हर महीने 3,000 रुपए और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों (दोनों 18-25 आयु वर्ग में) के लिए 1,500 रुपए दो साल (युवा निधि) और सार्वजनिक परिवहन बसों (उचित प्रयाण) में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा शामिल है। इस दौरान सिद्धारमैया ने पिछली भारतीय जनता पार्टी सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले शासन करने वाली सरकार बेकार थी। वे हमें केंद्र से टैक्स का हिस्सा ठीक से नहीं दिला सके। केंद्र को वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार हमें 5,495 करोड़ रुपए देने हैं। इससे पहले दिन में, शनिवार को बेंगलुरु में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान आठ कांग्रेस विधायकों ने कर्नाटक मंत्रिमंडल में मंत्रियों के रूप में शपथ ली।

भारत में कैद...

आपातकालीन यात्रा प्रमाणपत्र जारी किया गया था, क्योंकि गिरफ्तारी के समय उनमें से किसी के पास भी किसी तरह का यात्रा दस्तावेज नहीं था। अधिकारियों ने बताया कि यह 22 पाकिस्तानी कैदी देश के अलग-अलग जेल में कैद थे। इनमें से नौ गुजरात की कच्छ जेल से, 10 अमृतसर केंद्रीय कारागार से और तीन अन्य जेलों से यहां लाए गए मछुआरे हैं, जिन्हें भारतीय नौसेना ने पकड़ा था। बीते सप्ताह, पाकिस्तान की ओर से 198 भारतीय मछुआरों को भी रिहा किया गया था। इन सभी को अटारी-वाघा बॉर्डर पर ही भारतीय अधिकारियों को सौंपा गया था। दरअसल, यह सभी भारतीय मछुआरे पाकिस्तान के मालीर जेल में बंद थे। हालांकि, इस दौरान 200 मछुआरों को रिहा किया जाना था, लेकिन बीमारी के कारण दो मछुआरों की मौत हो गई, जिस कारण 198 भारतीय मछुआरे अपने देश में वापसी कर पाए हैं। पाकिस्तानी बाकी कुछ मछुआरों को जून या जुलाई में रिहा करेगा। इससे पहले जनवरी में 17 पाकिस्तानी मछुआरों को रिहा किया गया था। इन्हें भी अटारी-वाघा बॉर्डर के जरिए ही पाकिस्तानी रेंजर्स को सौंपा गया था। वहीं, 1 जनवरी को भारत की ओर से पाकिस्तानी रेंजर्स को देश के जेल में कैद 339 पाकिस्तानी कैदियों और 95 पाकिस्तानी मछुआरों की सूची भी दी थी।

2024 में क्वाड शिखर ...

केंद्रित है। भारत को वर्ष 2024 में क्वाड शिखर वार्ता का आयोजन करने में खुशी होगी। उन्होंने कहा कि क्वाड शिखर वार्ता हिंद प्रशांत क्षेत्र में समावेशी और मानवकेंद्रित विकास के मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का अवसर है। उल्लेखनीय है कि क्वाड शिखर वार्ता सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) में आयोजित होनी थी, लेकिन राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यक्रम में परिवर्तन होने के कारण इसे टाल दिया गया था। बाद में क्वाड नेताओं ने हिरोशिमा में अपनी मौजूदगी का उपयोग करते हुए वहीं पर आयोजित करने का फैसला किया।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **द्वादश अध्याय**

(चार प्रकार के भक्त)

(अर्थार्थी)

साहस प्राक्रम धैर्य्य हो, क्षात्र नीति मय आप।
जग साशक सम्मराट पद, सब बल तेज प्रताप ॥ 25 ॥

शब्दार्थ : (साहस) उत्साह (प्राक्रम) उद्योग (सम्राट) चक्रवर्ती राजा।

भाष्य : हे प्रभो! मेरे में साहस, धैर्य, क्षात्रशक्ति, और पूर्ण नीति को प्रदान करें, जिसके द्वारा सब बल, तेज और प्रताप से युक्त भूमंडल के साशक, चक्रवर्ती सम्राट-पद को प्राप्त केरूं।

अग्नि सूर्य्य वायू वसें, वरुण कुबेर स्वभाव।
शक्ति राष्ट्रपति दीजिये, जग पर धर्म प्रभाव ॥ 26 ॥

शब्दार्थ : (स्वभाव) आचरण (शक्ति) बल।

भाष्य : हे प्रभो! राष्ट्रपति के अंदर अग्नि, सूर्य, वायु की शक्ति प्रदान करें एवं वरुण, कुबेर धनाधिप का स्वभाव दें, जिससे संसार में अपने धर्म का प्रभाव पूर्ण रूप से हो।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट 2022 के राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के विजेताओं का सम्मान

गुवाहाटी (विभास)। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी, राजसमंद (अणुविभा) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट 2022 के राष्ट्रीय एवं असम राज्य स्तर के विजेताओं का सम्मान कार्यक्रम स्थानीय साउथ प्वाइंट स्कूल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा अणुव्रत गीत के संगान से हुआ। स्कूल के प्राध्यापक कृष्णांजन चंदा ने अणुव्रत आचार संहिता का वाचन किया। अणुव्रत समिति, गुवाहाटी के अध्यक्ष बजरंग लाल डोसी ने अपने वक्तव्य में स्कूल को प्रतियोगिता करने के लिए धन्यवाद दिया एवं सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी। अणुव्रत विश्व भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बजरंग बैद ने अणुव्रत के विषय में जानकारी दी। अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट के राष्ट्रीय सह संयोजक एवं ईस्ट जोन प्रभारी संजय चौरड़िया ने कांटेस्ट के बारे में जानकारी दी। स्कूल से 33 विद्यार्थियों ने गायन, निबंध, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस प्रतियोगिता से असम राज्य स्तर पर 10 विजेता रहे। स्कूल से राष्ट्रीय स्तर पर दो विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त किया है जिसमें निबंध प्रतियोगिता (कक्षा 6-8) में पहला स्थान सुश्री योहेंबी चानु तथा चित्रकला (कक्षा 9-12) में तृतीय स्थान जूमोन ठाकुरिया ने प्राप्त किया है। सभी विजेताओं को अणुविभा की ओर से पुरस्कार, प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र दिए गए। स्कूल के प्राध्यापक कृष्णांजन चंदा एवं डायरेक्टर मंदिरा चंदा का अभिनंदन मोमेंटो व अणुव्रत पट्ट से किया गया। श्री चंदा ने स्कूल ने अणुव्रत आचार संहिता पट्ट लगाने व आगामी अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट 2023 में सहभागिता हेतु स्वीकृति प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन कांटेस्ट की स्कूल प्रभारी पांचाली सान्याल ने किया। इस अवसर पर अणुविभा के असम राज्य प्रभारी छत्तर सिंह चौरड़िया, अणुव्रत समिति गुवाहाटी के उपाध्यक्ष नवरतन गधैया, मंत्री अशोक बोरड़, संगठन मंत्री प्रेमलता बैद, प्रचार प्रसार मंत्री संतोष काबरा, कार्यकारिणी सदस्य अशोक मालू, सम्पत मिश्र, निर्मल बैद उपस्थित थे।

नकली सोना एवं नकली नोट के कारोबार में शामिल पांच गिरफ्तार

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिले के नाउबेचा इलाके में पुलिस ने अभियान चलाकर नकली नोट और नकली सोने के कारोबार में शामिल पांच शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। नकली नोट और नकली सोना के कारोबार का लगातार समाचार मीडिया में आने के बाद लखीमपुर सदर थाना प्रभारी और नाउबेचा पुलिस चौकी प्रभारी को रिजर्व क्लोज किए जाने के बाद जिला प्रशासन के निर्देश पर लालुक पुलिस की एक बड़ी टीम ने अभियान चलाकर नकली नोट, नकली सोना के कारोबार में शामिल आबेद अली, तमिर अली, अमीर अली, महिदुल इस्लाम और अमीर हुसैन को गिरफ्तार किया है। अभियान के दौरान एक नकली सोना की मूर्ति, 42, 000 नकली नोट के अलावा पांच मोबाइल फोन जब्त किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार सभी आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है। ज्ञात हो कि हाल में ही कथित तौर पर सड़क दुर्घटना में मारी गई जोनमनि राभा द्वारा लखीमपुर में अभियान चलाने के बाद एक महिला ने उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। वहीं जोनमनि मौत के मामले को लेकर अभी भी रहस्य बना हुआ है। जोनमनि की मौत मामले की जांच सीआईडी कर रही है। वहीं राज्य सरकार ने आज इस मामले की जांच सीआईडी को सौंप दिया गया है।

रंगिया : आगामी पंचायत चुनाव को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम

रंगिया (विभास)। रंगिया के महकमाधिपति कार्यालय के सभागार में आगामी पंचायत चुनाव हेतु एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण दो चरणों में आयोजित किया गया - पहले चरण में रंगिया पंचायत के चुनावी क्षेत्रों के सभी ईआरओ/ओईआओ को ओईआरएमएस पोर्टल का प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई और दूसरे चरण में सभी पंचायत सचिवों की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की गई। रंगिया के महकमाधिपति दिपन बर्मन द्वारा प्रारंभ उक्त प्रशिक्षण सत्र का संचालन महकमा की सहायक आयुक्त कृतंजलि कश्यप ने किया। सबसे पहले, ईआरओ/ओईआओ को ओईआरएमएस पोर्टल के विषय तथा पंचायत चुनावों के लिए ऑनलाइन मतदाता सूची तैयार करने के लिए ली जाने वाली प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके पश्चात पंचायत सचिवों के साथ मतदान केंद्रों की पुष्टि, मतदाता सूची तैयार करने के लिए किए जाने वाले कार्य के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। मौके पर महकमाधिपति दिपन बर्मन ने जानकारी देते हुए बताया कि महकमा में आगामी पंचायत चुनाव कराने के लिए रंगिया महकमा प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे।

संपत्ति कर में भारी वृद्धि से जनता को लगा जोर का झटका

गुवाहाटी। राज्य कांग्रेस सचिव और अखिल भारतीय प्रोफेशनलस कांग्रेस (एआईपीसी) असम इकाई के अध्यक्ष ने संपत्ति कर में तीन से चार गुना वृद्धि के लिए गुवाहाटी नगर निगम की निंदा की है। सोमानी ने अधिकारियों से सवाल किया कि क्या वे सभी नागरिक सुविधाओं में सुधार करते हुए तीन से चार गुना तरीके से प्रदान करने में सक्षम हुए हैं? सोमानी ने कहा कि जीएमसी के अधिकारियों ने कर में वृद्धि की है, क्योंकि पिछले कई वर्षों से इसे नहीं बढ़ाया गया था जैसा कि अधिकारियों ने दावा किया है। लेकिन हकीकत यह भी है कि पिछले कई सालों से आज तक नागरिक सुविधाओं में भी कोई सुधार नहीं हुआ है। शहर में खराब सड़कें, पीने के पानी की कमी, गड्ढे, जल निकासी व्यवस्था और कृत्रिम बाढ़ अभी भी अनसुलझे हैं। घरेलू कचरा कई दिनों तक सड़क के किनारे पड़ा रहता है और जीएमसी द्वारा नियमित संग्रह की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। जीएमसी अधिकारियों द्वारा बिना ढंके पुलिया और फुटपाथ पर अभी भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे पैदल चलने वालों के लिए दैनिक आधार पर गंभीर दुर्घटनाएं हो रही हैं। शहर में सड़कों की हालत बद से बदतर हो गई है। शहर में राष्ट्रीय वीवीआईपी राजनीतिक हस्तियों के दौरे से ठीक पहले सड़कों पर रोशनी और डिवाइडर रेलिंग की पेंटिंग और शहर में मौजूदा पार्कों का नवीनीकरण शहर के नागरिक विकास के लिए बेंचमार्क नहीं हो सकता है। सोमानी ने सवाल किया कि क्या जीएमसी किसी एक नागरिक समस्या को इंगित कर सकता है जिसे वे गुवाहाटीवासियों के लिए सफलतापूर्वक हल करने में सक्षम हुआ हो?

असम राइफल ने आईएमएफएल की 1836 बोतलें की जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। असम राइफल्स ने अभियान चलाकर मोन से तस्करी की जा रही आईएमएफएल की 1836 बोतए जब्त की। साथ ही इस तस्करी में शामिल चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार बोलेरो पिक अप एवं बोलेरो यात्री वाहन में इंडस्ट्रियल शराब की तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। इस बीच गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर ज1836 बोतले जब्त किए गए। कुल बोतलों की कीमत 14, 68, 800 रुपए आंकि गई है। पकड़े गए सभी तस्करों को पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

पूरबी डेरी में मना विश्व मधुमक्खी दिवस

गुवाहाटी। महानगर में पूरबी डेरी के नाम से दुग्ध उत्पादन करने वाली संस्था वेस्ट असम मिल्क प्रोड्यूसर कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड ने विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर पूरबी हनी नाम से नया उत्पाद बाजार में उतारा है मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के वारासिवनी स्थित कृषि महाविद्यालय में 20 मई को कृषि एवं कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में इसका शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया। इस अवसर पर समूह आधारित व्यवसायिक संगठनों और देश भर की कार्यकारी एजेंसियों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया इस अवसर पर एनडीटीवी के अध्यक्ष मैंने शाह ने कामरूप जिले में मधुमक्खी पालक और उत्पादक संगठनों के गठन में वामुल के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया एफपीओ के तहत किसानों द्वारा उत्पादित कच्चे शहद को सहकारी डेरी द्वारा खरीद कर संशोधित करके पूरबी हनी के रूप में विपणन किया जाएगा मध्य प्रदेश के बालाघाट में हुए कार्यक्रम में नव मिलन बी कीपर्स एंड प्रोड्यूसर को ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के प्रतिनिधि और वामुल के प्रबंध निदेशक सत्यव्रत बसु के साथ ही वामूल के अध्यक्ष मिनेश शाह ने भी भाग लिया वामूल के महाप्रबंधक एसके परीदा ने बताया कि नव मिलन बीकीपर्स एंड प्रोड्यूसर कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के 104 सदस्यों के साथ आरंभ किए गए अपने पहले संग्रह चक्र में कुल 650 किलोग्राम सहद एकत्रित किया गया है जिसे हम निकट भविष्य में बहुत जल्द ही 1000 किलो करने का लक्ष्य निर्धारित किए हैं सदस्यों द्वारा शहद की उत्पादन को उनकी मान्यता के अनुसार हम पूरबी हनी के रूप में बाजार में उपलब्ध करा रहे हैं

अठारह लाख की एक सौ बोरी बर्मीज सुपारी जब्त

हैलाकांदी (हिंस)। जिले के अब्दुल्लापुर पुलिस चौकी की छापेमारी में एक सौ बोरी बर्मीज (म्यांमार) सुपारी जब्त की गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर अब्दुल्लापुर पुलिस चौकी के प्रभारी अधिकारी के नेतृत्व में छापेमारी के दौरान शाहाबाद गांव के सैदुल लश्कर के घर में छुपाकर रखी गई 50 बोरी बर्मीज सुपारी को जब्त किया गया। एक अन्य मामले में पुलिस ने बीती रात शेरालीपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर अब्दुल्लापुर पुलिस की नाका चेकिंग के दौरान एक मैजिक वाहन से 50 बोरी बर्मीज सुपारी जब्त की। पुलिस ट्रक को जब्त कर थाने ले गई।

पूप्रमास ने समाज के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

गुवाहाटी (विभास)। पिछले दिनों 12वी कक्षा के इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट बोर्ड (आईएससी) के घोषित परिणामों में समाज के बच्चों ने राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठता सिद्ध कर समाज का ही नहीं बल्कि समूचे पूर्वोत्तर का गौरव बढ़ाया है। समाज की अग्रीणी संस्था पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) के अंतर्गत बंधुत्व विकास समिति की ओर से समाज का नाम गौरान्वित करने वाले इन मेधावी विद्यार्थियों के घरों में जाकर अभिनंदन कर उनके उज्ज्वल भविष्य और उन्नति के लिए शुभकामनाएं दी गई। सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा व बंधुत्व विकास समिति के संयोजक प्रदीप भुवालका के नेतृत्व में भांगागढ़ निवासी समीर-मनीषा अग्रवाल की

सुपुत्री रिया अग्रवाल का अभिनंदन किया, जिसने कला संकाय में भारत में प्रथम स्थान अर्जित किया है। इसी क्रम में मालीगांव निवासी संदीप-सोनी केडिया की सुपुत्री याशिका केडिया ने कला संकाय में भारत में द्वितीय स्थान अर्जित किया है। वहीं भांगागढ़ निवासी शलेष-शितल बाहेती की सुपुत्री निश्का बाहेती ने वाणिज्य संकाय में भारत में तृतीय स्थान हासिल किया है। इधर उलुबाड़ी निवासी डॉ. दिनेश-मधू अग्रवाल के सुपुत्र मास्टर सूर्यांश अग्रवाल ने विज्ञान संकाय में असम में प्रथम तथा भारत में पंचम स्थान हासिल किया है। समाज के बच्चों की इन असाधारण उपलब्धियों पर उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पूप्रमास ने सभी के घर पहुंचकर उनका अभिनंदन किया। सम्मेलन की ओर से प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज जैन काला, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मंडल-च) सुशील गोयल, जनसेवा एवं बंधुत्व विकास समिति के संयोजक प्रदीप भुवालका एवं प्रांतीय मिडिया सेल संयोजक विवेक सांगानेरिया ने बच्चों का फुलाम गमछा एवं मोमेंटो प्रदान कर अभिनंदन किया।

सड़क हादसे में एक की मौत

गोलाघाट (हिंस)। राष्ट्रीय उद्यान काजीरंगा के रंगाजान में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर शनिवार देर रात सड़क दुर्घटना में चाय बागान के श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया है कि चाय श्रमिक बाइक से अपने कार्य स्थल से घर लौट रहा था। तभी राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर रंगाजान में उसकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने ठक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान दिहिंग चाय बागान के श्रमिक 22 वर्षीय राज कर्मकार के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव की जांच पड़ताल कर थाने ले गई और रविवार को पोस्टमार्टम के लिए जिला सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

बंधन बैंक के ग्राहकों की संख्या तीन करोड़ के पार

31 मार्च, 2023 तक कुल कारोबार 2.17 लाख करोड़ रुपए रहा

कोलकाता/गुवाहाटी। बंधन बैंक ने आज वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजों की घोषणा की। बैंक के पास अब 3 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। केवल साढ़े सात वर्षों के संचालन में, कुल कारोबार 2.17 लाख करोड़ रुपए से अधिक का हो गया है। वितरण में वृद्धि और परिचालन के अनुकूल माहौल की वजह से तिमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। 31 मार्च, 2023 तक बैंक का कुल कारोबार (जमा और अग्रिम) 11 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़कर 2.17 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। बैंक 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 34 में 6, 000 बैंकिंग आउटलेट्स के माध्यम से 3 करोड़ से अधिक ग्राहकों की सेवा कर रहा है। बंधन बैंक में काम करने वाले कर्मचारियों की कुल संख्या लगभग 70, 000 है। वित्त वर्ष 23 की अंतिम तिमाही के दौरान, बैंक की जमा राशि या डिपॉजिट पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 12 प्रतिशत बढ़ी। कुल जमा राशि अब 1.08 लाख करोड़ रुपए है। चालू खाता और बचत खाता (कासा) अनुपात अब कुल जमा खाते का 39.3त्न है। अग्रिमों के संबंध में, पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कुल अग्रिम (टोटल एडवांस) अब 1.09 लाख करोड़ रुपए है। बैंक की स्थिरता का संकेतक, पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 19.8 प्रतिशत पर है, जो विनियामक आवश्यकता से बहुत अधिक है। बैंक ने पूर्व और पूर्वोत्तर के प्रमुख बाजारों के बाहर अपनी उपस्थिति का विस्तार करना जारी रखा है। बैंक एसएमई लोन्स, गोल्ड लोन्स, पर्सनल लोन्स और ऑटो लोन्स जैसे वर्टिकल्स में भी अपने पोर्टफोलियो को बढ़ा रहा है। बैंक ने व्यवसायों के लिए वाणिज्यिक वाहन ऋण और संपत्ति पर ऋण जैसे नए वर्टिकल भी शुरू किए हैं। नतीजों पर अपनी बात रखते हुए बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, चंद्र शेखर घोष ने कहा कि बैंक ने चौथी तिमाही में अच्छी वृद्धि दर्ज की है। हम बिजनेस में ज्यादा असर लाने के लिए नई क्षमताएं तैयार कर रहे हैं। हमारे नए बिजनेस स्ट्रीम जैसे व्यावसायिक वाहन कर्ज, बिजनेस के लिए प्रॉपर्टी पर लोन और गवर्नमेंट बिजनेस ऑपरेशंस समेत अन्य अगली कुछ तिमाहियों में राजस्व और लाभ में योगदान देंगे। हम 3 करोड़ से अधिक भारतीयों का विश्वास हासिल करने के लिए भाग्यशाली रहे हैं और हम उनके सपनों को पूरा करने की उनकी यात्रा में उनके भरोसेमंद साथी बने रहने का प्रयास करेंगे।

मायुम नगांव शाखा ने अमृतधारा प्रकल्प का किया उद्घाटन

नगांव (निसं)। मई महीने में अमृतधारा प्रकल्प के अंतर्गत मारवाड़ी युवा मंच नगांव शाखा ने शुक्रवार को नगांव मेडिकल कॉलेज एवम हॉस्पिटल में स्व मांगीलाल मुंदड़ा की स्मृति में शकुंतला देवी मुंदड़ा एवम मुंदड़ा परिवार के सौजन्य से अमृतधारा प्रकल्प का उद्घाटन किया गया। उक्त प्रकल्प का उद्घाटन नगांव मारवाड़ी पंचायत के अध्यक्ष प्रहलाद राय तोदी के कर कमलो से किया गया। उल्लेखनीय है कि अमृतधारा प्रकल्प अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की एक योजना है जिसे राष्ट्र की सभी शाखाएं अपने कार्यक्रम में समाहित कर कार्य कर रही है। इस अवसर पर नगांव माावाडी पंचायत के सचिव रतन जाजोदिया, कोषाध्यक्ष संजय मित्तल, मायुंम नगांव शाखा के पेट्रोंस जगदीश लोहिया, राजेंद्र मुदड़ा सलाहकार बिनोद मोर, मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप सोभासरिया, मायुंम के प्रांतीय कार्यकारणी सदस्य विवेक तोदी, गोपाल गौशाल के पूर्व अध्यक्ष विजय लोहिया, सुरेश खेडिया, महेश गाड़ोदिया, कैलाश मुंदड़ा, सुनील आलमपुरिया एवम समाज के गणमान्य व्यक्तिगण उपस्थित थे। साथ ही मायुंम समृद्धि शाखा की सदस्याएं उपस्थित थी। इस कार्य को सफल बनाने में शाखा के सभी सदस्यों का भरपुर योगदान रहा। इस कार्यक्रम की जानकारी अमृतधारा संयोजक सूरज अजितसरिया द्वारा दी गई।

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender in F-2 Form affixing court fee stamp of Rs.8.25 (Rupees eight and paise twenty five) only with a validity period of 180 (one hundred and eighty) days are invited from the registered APWD (Building) contractors for the work as detailed in the table below:-

Table

Sl. No.	Name of work	Approx value of work	Bid Security	Cost of tender document (in Rs.)	Date of application	Date of issue of tender paper	Time & date of receiving/ opening of Tender	Period of completion	Eligibility of contractor
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	Repairing Renovation and Upgradation of Assam Bio-Resource Centre at Madan Kamdev.	Rs. 11,61,918.00	2% for general and 1% for reserved category	Rs. 100.00	During office hours of 02-06-2023 to 03-06-2023	06/06/2023	Receiving up-to 14.00 hours of 07.06.2023 and opening at 14.30 hours of 07.06.2023	90 (ninety) days	APWD (Building) Class-I (A), I (B), I (C), Class-II of circle-II & Class-III under this office

Detailed particulars may be seen during office hours of any working days in the office of the undersigned. Contractors will have to submit application for Tender paper along with attested copy of current Registration Certificate, PAN Card, GST Certificate upto date Labour Licence and cost of tender paper as detailed above in the form of Bank Draft/ Banker Cheque/ IPO drawn in any nationalized Bank in favour of Executive Engineer, PWD, Jalukbari & Guwahati West Territorial Bldg. Division, Jalukbari, Guwahati-13. Tender paper will be issue to the contractors or to their authorized agents up-to 4.00 P.M. in working day as mentioned above from the office of the undersigned. Bid security in the form of FDR/ TDR pledged in favour of the Executive Engineer, PWD, Jalukbari & Guwahati West Territorial Bldg. Division, Jalukbari, Guwahati-13 is to be submitted along with the tender paper.

Performance Security/ Security Deposit Money as per norms and additional Performance Security as per Chief Engineer, PWD, (Building)'s letter No. BN/12/82/Pt-1/84 dt.15-2-2011 if required is to be furnished by the successful bidder when notified.

If for any reason, the last date of receiving / opening of Tender is declared as holiday, the same will be received and opened on the next working day.

The undersigned will be the sole authority to cancel any tender without showing any reason.

N.B.:- 1) Prospective bidders are suggested to visit the proposed work site before submission of bids.
2) The SNIT will form a part of the tender agreement.

Sd/-
Executive Engineer, P.W.D.
Jalukbari & Guwahati West Territorial
Building Division, Jalukbari,
Guwahati-13.

-- Janasanyog /C/3130/23

हिरोशिमा में हुई मोदी-बाइडन मुलाकात, मोदी के पास आकर गले मिले बाइडन

टोक्यो। जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने हिरोशिमा पहुंचे भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की मुलाकात गर्मजोशी से भरी रही। जो बाइडन स्वयं मोदी के पास आए और फिर दोनों नेता गले मिले। जापान के हिरोशिमा में हो रहे जी-7 सम्मेलन में भारत को बतौर मेहमान देश के रूप में आमंत्रित किया गया है। भारत के अलावा इस सम्मेलन में इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और ऑस्ट्रेलिया भी बतौर मेहमान देश शामिल हो रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंचे, उसी समय अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी वहां पहुंचे। बैठक हॉल में प्रवेश करते ही बाइडन खुद पीएम मोदी के पास आए। पीएम मोदी ने उनसे गले मिलकर अभिवादन किया, जिसके बाद दोनों नेताओं के बीच कुछ बातें भी हुई। पीएम मोदी जी-7 सम्मेलन के लिए जापान में 19 से 21 मई तक रहेंगे।

पद्मश्री डॉ. तोमियो मिजोकामी से मिले - इससे पहले मोदी ने आज जापान के हिंदी व पंजाबी भाषा के जानकार और पद्मश्री से सम्मानित मशहूर लेखक डॉ. तोमियो मिजोकामी और जापान की मशहूर चित्रकार हिरोको ताकायामा से भी मुलाकात की। डॉ. तोमियो से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि प्रोफेसर तोमियो मिजोकामी से मिलकर उन्हें खुशी हुई। वह हिंदी और पंजाबी भाषा के जानकार हैं और जापान के लोगों के बीच भारतीय संस्कृति को लोकप्रिय बनाने में उनकी अहम भूमिका है।

कोरिया के राष्ट्रपति से मुलाकात - भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की कोरिया गणतंत्र के राष्ट्रपति के साथ अहम बैठक हुई। अच्छे दोस्त रहे भारत और कोरिया गणतंत्र सांस्कृतिक तौर पर भी जुड़े हैं। इस बैठक में दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने की दिशा में अहम बातचीत हुई। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि भारत और कोरिया के कूटनीतिक रिश्तों को इस साल 50 साल पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर दोनों देशों के नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई। दोनों देश व्यापार, निवेश, उच्च तकनीक, आईटी हार्डवेयर, मैन्युफैक्चरिंग, डिफेंस, सेमीकंडक्टर और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में रिश्तों को मजबूत करने पर सहमत हैं। साथ ही भारत की जी20 बैठक की अध्यक्षता और हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में कोरिया की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने द्वारकाधीश के समक्ष झुकाया शीश, ठाकोरजी की चरण पादुका की विशेष पूजा की

द्वारका/अहमदाबाद, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को द्वारका में भगवान द्वारकाधीश के समक्ष शीश झुकाया और गर्भगृह में ठाकोरजी की चरण पादुका की विशेष पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने स्थानीय लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इससे पूर्व उन्होंने शारदा पीठ के शंकराचार्य सहजानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को अपने गृह राज्य गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं। जामनगर हवाईअड्डे पर स्थानीय नेताओं समेत गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत किया। वे कई परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा देवभूमि द्वारका में उन्होंने दर्शन किए। अहमदाबाद और गांधीनगर के विभिन्न कार्यक्रमों में भी वे हिस्सा लेंगे। शाह शनिवार को देवभूमि द्वारका जिले के ओखा में नेशनल एकेडमी ऑफ कोस्टल पुलिसिंग (एनएसीपी) के स्थायी परिसर की आधारशिला रखेंगे।

चार कार्यक्रमों में शामिल होंगे शाह - अमित शाह पांच तटीय चौकियों का भी ई-उद्घाटन करेंगे, जो कच्छ जिले में मेडी और जखाऊ के बीच 164 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही 18 ऐसी चौकियों में शामिल हैं। गांधीनगर में केंद्रीय मंत्री 20 और 21 को चार कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को शाह एक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां वे बोरिज गांव के एक प्राथमिक स्कूल के बच्चों को खेल सामग्री वितरित करेंगे। वह गांधीनगर नगर निगम की विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे और गांधीनगर (उत्तर) विधानसभा सीट में आयोजित क्रिकेट मैच में शामिल होंगे।

320 बसों की शुरूआत कराएंगे - रविवार को अमित शाह राज्य सड़क परिवहन निगम की 320 बसों की शुरूआत करवाएंगे और गांधीनगर में अमूल्फेड डेयरी की आधुनिक जैविक परीक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन करेंगे। अपनी यात्रा के दूसरे दिन शाह अहमदाबाद में मोदी समुदाय के एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। वे शहर के नारनपुरा वार्ड में एक व्यायामशाला व पुस्तकालय और अहमदाबाद के छरोड़ी गांव में एक पुनर्विकसित झील का भी उद्घाटन करेंगे।

कर्नाटक की जनता से किए वादे को हम पूरा करेंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हमने कर्नाटक की जनता से जो पांच वादे किए थे, उसे पूरा करके दिखाएंगे। सूबे की जनता को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि हम जो कहते हैं, वह कर के दिखाते हैं। राहुल गांधी ने शनिवार को कर्नाटक में सिद्धारमैया के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक की जनता से जो पांच वादे किए हैं, उसे पूरा किया जाएगा। अगले एक दो घंटे में कर्नाटक की नई सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक होनी है। बैठक में हमारे जो पांच वादे हैं, वे कानून बन जाएंगे। राहुल ने कहा कि हम जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। कर्नाटक की जनता ने कांग्रेस पर भरोसा जताया है। इसके लिए राज्य की जनता बधाई की पात्र है। आज नफरत के बाजार में कर्नाटक ने लाखों मोहब्बत की दुकानें खोली है। इसके लिए कर्नाटक की जनता बधाई की पात्र है। हम झूठे

वादे नहीं करते हैं। कर्नाटक की नई कांग्रेस सरकार पहली कैबिनेट में 05 वादे पूरे करेगी। अपने संबोधन में राहुल ने कहा कि इस जीत का सिर्फ एक कारण है कि कांग्रेस पार्टी कर्नाटक के गरीबों, कमजोरों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों के साथ खड़ी हुई। हमारे पास सच्चाई थी और गरीब लोग थे। भाजपा के पास धन, ताकत और बहुत कुछ था। उनकी सारी ताकत को कर्नाटक की जनता ने हरा दिया। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक चुनाव से पहले कांग्रेस ने राज्य की जनता से 200 यूनिट बिजली फ्री देने, गरीब परिवार की मुखिया महिला को 02 हजार रुपये महीन, महिलाओं के लिए यातायात मुफ्त, बेरोजगारों को दो साल तक भत्ता झ ग्रेजुएट को तीन हजार, डिप्लोमा को डेढ़ हजार और बीपीएल परिवारों को दस किलो चावल मुफ्त देने का वादा किया था। इसके लिए कर्नाटक सरकार आज अपनी पहली कैबिनेट बैठक में कानून बनाने का दावा कर रही है।

दो हजार रुपये का नोट बंद करने को लेकर कांग्रेस ने उठाया सवाल

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी ने दो हजार रुपये का नोट बंद किए जाने को लेकर केन्द्र सरकार की आलोचना की है और इसे दूसरी नोटबंदी करार दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को ट्वीट कहा कि केन्द्र सरकार ने नोटबंदी से अर्थव्यवस्था को एक गहरा जख्म दिया था। जिससे पूरा असंगठित क्षेत्र तबाह हो गया। छोटे व्यापार ठप्प हो गए और करोड़ों लोगों ने रोजगार खोए दिए थे। खड़गे ने कहा कि केन्द्र सरकार ने अब 2000 रुपये के नोट वाली "दूसरी नोटबंदी" कर रही है। क्या ये गलत निर्णय के ऊपर पदेदारी नहीं है? उन्होंने कहा

कि इस मुद्दे की एक निष्पक्ष जांच होनी चाहिए तब सच्चाई सामने आएगी। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2000 रुपये के नोटों को सिस्टम से वापस लेने का निर्णय लिया है। अब केंद्रीय बैंक दो हजार के नये नोट नहीं छापेगा और दो हजार के पुराने नोटों को 30 सितंबर तक बदलने का समय दिया गया है।

दो हजार रुपये के नोट वापस लेने से नहीं पड़ेगा व्यापारियों पर कोई असर: कैट

अजय कुमार

-खंडेलवाल ने कहा-आरबीआई का आदेश व्यापारियों को नहीं करेगा प्रभावित

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने दो हजार रुपये के नोट को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के वापस लेने के फैसले को सही कदम करार दिया है। कैट ने कहा कि आरबीआई का आदेश नागरिकों को अपनी दैनिक खरीदारी में डिजिटल भुगतान को स्वीकारने, अपनाने और प्रोत्साहित करने की दिशा में उठाया गया सहरानीय कदम है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने शनिवार को कहा कि आरबीआई के इस कदम से छोटे व्यापारियों के व्यापार पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन निश्चित रूप से बड़े और संपन्न वर्ग को झटका लगेगा, जिन्होंने बड़ी मात्रा में दो हजार रुपये के नोटों का स्टॉक किया होगा। खंडेलवाल ने कहा कि रिजर्व बैंक के इस कदम से कारोबारियों के व्यापार में कोई गड़बड़ी नहीं होगी। डिजिटल लेन-देन के बढ़ने से 2000 रुपये के नोट का उपयोग कम हुआ है। ऐसे में आरबीआई ने इसे चलन से बाहर घोषित कर छोटे मूल्यवर्ग के नोटों के साथ इसे बदलने के लिए चार महीने का वक्त देकर व्यापार में सुचारू लेनदेन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाया है। कैट महामंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने के लिए कैट पिछले कई वर्षों से व्यापारिक समुदाय के बीच डिजिटल भुगतान की स्वीकृति की सक्रिय रूप से वकालत कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। गौरतलब है कि रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को 2000 रुपये के नोट को वापस लेने का ऐलान किया है, जिसे 30 सितंबर, 2023 तक बैंकों में जमा कराना होगा।

संसद का नवनिर्मित भवन 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं को पूरा करेगा : ओम बिरला

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद के नवनिर्मित भवन को भारत की गौरवशाली लोकतांत्रिक परंपराओं व संवैधानिक मूल्यों को और अधिक समृद्ध करने वाला बताकर दावा किया है कि संसद के इस नए भवन में सदस्य (सांसद) देश व नागरिकों के प्रति अपने दायित्वों को और बेहतर निष्पादित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संसद का नवनिर्मित भवन 140 करोड़ से अधिक देशवासियों की आशाओं और अपेक्षाओं को भी पूरा करेगा। बिरला ने संसद के नवनिर्मित भवन को संकल्प से सिद्धि तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनने का दावा कर कहा, संसद का नवनिर्मित भवन 140 करोड़ से अधिक देश-

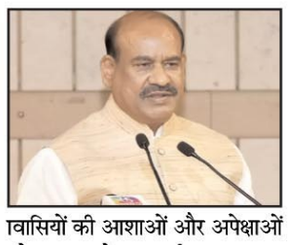

वासियों की आशाओं और अपेक्षाओं को पूरा करते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के हमारे संकल्प को सिद्धी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी बनेगा। उन्होंने इस नए भवन में सांसदों द्वारा अपने दायित्वों के बेहतर निष्पादन का दावा करते हुए आगे कहा, संसद का नवनिर्मित भवन भारत की गौरवशाली लोकतांत्रिक परंपराओं व संवैधानिक मूल्यों को और अधिक समृद्ध करेगा।

महाराष्ट्र में सामाजिक एकजुटता को खराब करने का प्रयास न करें: राज ठाकरे

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि सूबे में अनायास सामाजिक एकजुटता को खराब करने का प्रयास किसी को भी नहीं करना चाहिए। त्र्यंबकेश्वर मंदिर में जबरन घुसने के नाम पर तिल का ताड़ बनाए जाने का प्रयास किया गया। राजनीतिक दल क्या राज्य में दंगा करवाना चाहते हैं? इन दंगों से किसी का भला नहीं होने वाला है, यह सभी को ध्यान में रखना जरुरी है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे शनिवार को नासिक में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि हिंदू धर्म इतना कमजोर नहीं है, जो मंदिर में किसी के घुसने से खत्म हो जाएगा। महाराष्ट्र में कई मस्जिदें और मंदिर हैं, वहां हिंदू और मुसलमान एक साथ नजर आते हैं। माहिम की दरगाह में माहिम पुलिस स्टेशन की ओर से चादर चढ़ाई जाती है। मेरे पास और उदाहरण हैं। यह

परंपरा जारी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दरगाह पर कोई आ जाए तो धर्म भ्रष्ट कैसे हो जाता है? क्या धर्म इतना कमजोर है? मंदिर में कई मुसलमान आते हैं। हमारे अपने मंदिर में आज भी कुछ जातियों के लोगों को मंदिर परिसर के अंदर जाने की अनुमति नहीं है। ठाकरे ने कहा कि यह त्र्यंबकेश्वर के ग्रामीणों को फैसला करना चाहिए। उन्होंने यह भी सलाह दी कि बाहरी लोग इसमें न पड़ें। उल्लेखनीय है कि त्र्यंबकेश्वर में एक उर्स के दौरान कुछ लोगों नें मंदिर के बाहर खड़े होकर धूप दिखाने का प्रयास किया था। हिंदू महासभा ने इस घटना का जोरदार विरोध किया था, जिससे इस घटना की एसआईटी जांच की घोषणा उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की है। इस मामले की गहन छानबीन हो रही है।

दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की पुनर्विचार याचिका

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अधिकारियों पर दिल्ली सरकार को पूरा नियंत्रण देने वाले फैसले पर दोबारा विचार की मांग की है। 11 मई को सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान बेंच ने फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने उप-राज्यपाल को दिल्ली सरकार के मंत्रिमंडल की सलाह पर काम के लिए कहा था। अब केंद्र सरकार ने इस पर पुनर्विचार याचिका दाखिल कर दी है।

शुक्रवार देर शाम केंद्र सरकार ने अध्यादेश जारी कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को निष्प्रभावी कर दिया है। नियम के मुताबिक पुनर्विचार याचिका पर वही बेंच विचार करती है, जिसने मूल फैसला दिया था। इसके बाद बेंच तय करती है कि उसे मामला दोबारा सुनने की

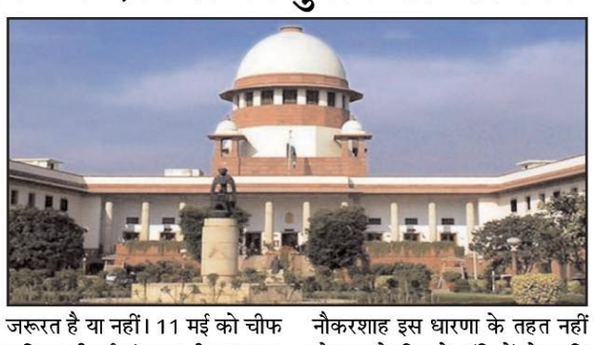

जरूरत है या नहीं। 11 मई को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय बेंच ने सर्वसम्मत फैसले में कहा था कि उप-राज्यपाल की शक्तियां उन्हें दिल्ली विधानसभा और निर्वाचित सरकार की विधायी शक्तियों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं देती हैं। यानी दिल्ली सरकार का पुलिस, कानून-व्यवस्था और भूमि पर नियंत्रण नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि नौकरशाह इस धारणा के तहत नहीं हो सकते कि वे मंत्रियों के प्रति जवाबदेह होने से अछूते हैं। अगर अधिकारी इस धारणा के तहत मंत्रियों को जवाब नहीं देते हैं तो वे लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार के लिए बेहिसाब हो जाएंगे। कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली विधानसभा के पास भूमि, लोक व्यवस्था और पुलिस को छोड़ कर सूची 2 में सभी विषयों पर कानून बनाने की शक्ति है।

हेमकुंड साहिब और लोकपाल के कपाट खुले, श्रद्धालुओं ने मत्था टेका

गोपेश्वर, (हि.स.)। गुरुअरदास, शबद कीर्तन और गुरुवाणी के साथ शनिवार को सिखों के पवित्र धाम हेमकुंड साहिब और लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गये। हेमकुंड में अभी भी सात से आठ फीट तक बर्फ जमी हुई है। शनिवार को सचखण्ड साहिब गर्भगृह से गुरुग्रन्थ साहिब को पंच प्यारे की अगुवाई में सेना के बैंड धुनों के बीच दरबार साहिब में लाया गय। इसके बाद सुखमणी साहब के पाठ के साथ ही सिख धर्म की आस्था के प्रमुख केन्द्र और दशम गुरु श्री गुरु गोविन्द सिंह महाराज के पूर्व जन्म की भक्ति के पावन पवित्र स्थान गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब और हिन्दुओं की आस्था के प्रतीक लोकपाल (लक्ष्मण मंदिर) के कपाट विधि विधान के साथ आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिये गये। हेमकुंड साहिब आने वाले श्रद्धालुओं में बहुत उत्साह दिख रहा था। कपाट खुलने के अवसर पर यहां पहुंचे तीर्थयात्रियों के जो बोले सो निहाल.....के जयकारों से पूरा हेमकुंड क्षेत्र गूंज उठा। सिख धर्म में यह पवित्र स्थान माना गया है। सिख लोग गुरु का संकल्प लेकर घरों से जलसों के रूप में यात्रा के लिए निकलते हैं। सप्तश्रृंग के दर्शन होते ही श्रद्धालु मत्था टेककर अपने गुरु को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। गौरतलब है कि हेमकुंड पहुंचकर सर्वप्रथम सरोवर में स्नान किया जाता है। उसके बाद गुरुद्वारा में पवित्र ग्रन्थ साहिब पर चढ़ावा चढ़ता है और गुरु की अरदास की जाती है। हेमकुंड साहिब की यात्रा मई-जून में प्रारम्भ होकर अक्टूबर तक चलती है। इस यात्रा में आने वाले सभी यात्री ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। ये सभी के लिए अनिवार्य होगा।

दिल्ली के मैदानगढ़ी में मेट्रो साइट पर बड़ा हादसा टला

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। साउथ दिल्ली के मैदानगढ़ी इलाके में सुबह-सुबह बड़ा हादसा होने से टल गया। निमार्णाधीन मेट्रो स्टेशन पर सड़क का 50 फुट गहरा और 25 से 30 फुट लम्बा हिस्सा धंस गया। सड़क धंसने से निर्माण कार्य में लगी एक क्रेन भी उसमें समा गई। गनीमत रही कि उस समय कोई मजदूर काम नहीं कर रहा था। यह घटना सुबह 4 बजे के आसपास की बताई जा रही है। लोगों के अनुसार, सड़क धंसने के कारण मैदानगढ़ी से साकेत जाने वाली सड़क पूरी तरह से बन्द हो गई है। मेट्रो के कर्मचारी सड़क को ठीक करने मे जुट गए हैं। गौरतलब है कि मैदानगढ़ी मेट्रो स्टेशन का अंडर ग्राउंड निर्माण कार्य चल रहा है। यहां पिछले एक साल से काम चल रहा है। स्थानीय रेजिडेंट्स वेलफेयर असोसिएशन के प्रेजिडेंट महावीर प्रधान ने बताया कि तीन चार दिन से सड़क में कहीं कहीं दरार आ रही थी, लेकिन मेट्रो निर्माण करने में लगी कम्पनी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इसकी वजह से यह हादसा हो गया। गनीमत रही कि यह तड़के चार बजे हुआ। वहीं, दिल्ली मेट्रो ने मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन की सुविधा वाले मेट्रो स्टेशनों में से 11 पर अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया है। इस अभियान का मकसद अतिक्रमण हटाकर मेट्रो स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों की आवाजाही आसान की जा सके। मेट्रो के प्रवक्ता ने ये जानकारी देते हुए बताया ये अभियान 17 मई से शुरू किया गया है और 31 मई तक जारी रहेगा। जिन स्टेशनों पर ये अभियान शुरू किया गया है, उनमें पंजाबी बाग, आजादपुर, जनकपुरी वेस्ट, दिल्ली कैंट, नेहरू एन्कलेव, जसोला विहार शाहीन बाग, मयूर विहार फेज 1, वेलकम, दिल्ली गेट, कश्मीरी गेट और छतरपुर शामिल हैं।

बंगाल में चुनाव बाद हिंसा की जांच कर रही सीबीआई की चार यूनिट बंद

कोलकाता, (हि.स.)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा से संबंधित मामलों की जांच कर रही चार इकाइयों को बंद कर दिया है। जांच से संबंधित सारे दस्तावेज कोलकाता के संबंधित कार्यालय में जमा करने को कहा गया है। दो साल पहले 02 मई 2021 को विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद राज्य भर में भाजपा कार्यकताओं के खिलाफ हिंसा भड़क गई थी। बाद में कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने घटना की जांच शुरू की और चार अलग-अलग विशेष जांच यूनिट तैयार की गई। अब दिल्ली से सीबीआई मुख्यालय के निर्देश पर इन चारों यूनिट को बंद कर दिया गया है। इससे संबंधित जो भी दस्तावेज इन यूनिट्स के पास हैं, उसे सॉल्टलेक के सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित केंद्रीय एजेंसी के एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) दफ्तर में जमा करने को कहा गया है। इन यूनिट में जिन

अधिकारियों को रखा गया था उन्हें उनके विभाग में वापस लौटाया गया है। सीबीआई सूत्रों ने बताया है कि केंद्रीय एजेंसी के मुख्यालय से जो निर्देश मिले हैं उसी के मुताबिक काम शुरू कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद भले ही सीबीआई इस मामले की जांच कर रही थी लेकिन आरोप लग रहे थे कि घटना के मुख्य आरोपितों में से किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया। केवल सहयोगियों को पकड़ कर सीबीआई अधिकारी अपने कार्यों की इतिश्री कर रहे थे। बहरहाल हाई कोर्ट के आदेश पर जांच चल रही है तो सीबीआई जांच को तो बंद नहीं कर सकती लेकिन चार यूनिट बंद किये जाने के बाद माना जा रहा है कि जांच की गति और धीमी होगी। अब देखना होगा कि कोर्ट इस पर क्या कुछ रुख अख्तियार करता है।

मप्र में भाजपा-कांग्रेस मतदाताओं को लुभाने कर रहीं मुफ्त की घोषणा

- चौहान ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की सहायता राशि बढ़ाने की घोषणा की तो कमलनाथ ने 100 यूनिट तक बिजली शुल्क माफ करने का किया ऐलान

भोपाल (ईएमएस)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव कुछ ही महीने दूर हैं, ऐसे में राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों ही मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त की घोषणा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार न सिर्फ एक के बाद एक योजनाओं की घोषणा कर रही है बल्कि उन्हें लागू करने के लिए कदम भी उठा रही है। दूसरी ओर प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार जनता से अलग-अलग वादे करती रही है। विपक्ष द्वारा घोषणा मशीन का टैग दिए जाने वाले चौहान ने अब मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत वित्तीय सहायता की राशि 49,000 रुपए से बढ़ाकर 51,000 रुपए करने का ऐलान किया है। मध्यप्रदेश सरकार योजना के तहत सामूहिक विवाह समारोह में होने वाली महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

चौहान ने देवास जिले के सोनकच्छ कस्बे में आयोजित एक समारोह के दौरान कहा कि हमने कई कल्याणकारी योजनाएं चलाकर समाज में बेटियों के साथ हो रहे अन्याय को समाप्त करने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना के तहत वर्तमान में समाज के गरीब तबके की लड़कियों की शादी के लिए 49 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। अब

इसे बढ़ाकर 51,000 रुपये कर दिया गया है। कमलनाथ ने भी गुरुवार को घोषणा की थी कि अगर कांग्रेस इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव जीतती है तो राज्य में लोगों के लिए 100 यूनिट तक बिजली शुल्क माफ कर दिया जाएगा और 200 यूनिट तक बिजली शुल्क आधा कर दिया जाएगा। हालांकि, कमलनाथ ने गुरुवार को सस्ती दर पर बिजली देने की घोषणा एक बार फिर दोहराई है। वह पिछले कुछ महीनों से सस्ती दर पर बिजली देने का जिक्र कर रहे हैं। इन घोषणाओं से पहले मुख्यमंत्री चौहान ने लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को एक हजार रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी और इसके लिए वे प्रदेश भर में अभियान चला रहे हैं। शरुआत में यह योजना लोगों के बीच अपनी छाप छोड़ने के लिए पर्याप्त थी, लेकिन कांग्रेस ने नारी सम्मान योजना के तहत 15,000 रुपए प्रति माह देने की घोषणा की। कांग्रेस ने राज्य में परिवारों को 500 रुपए में सब्सिडी वाला एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने की भी घोषणा की।

दो हजार का नोट बंद होने पर विपक्ष का तंज, सत्तादल ने बताया बेहतर कदम

लखनऊ, (हि.स.)। नोदबंदी के बाद दो हजार के नोट बंद होने वाले निर्णय को लेकर विपक्षी दलों के नेता निशाना साध रहे हैं तो वहीं सत्तादल इसे अर्थव्यवस्था के लिहाज से बेहतर कदम बता रहा है। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा शासन की मनमानी बताया है। उन्होंने कहा कि देश की जनता और अर्थव्यवस्था को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने इसे अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर बताया है। दो हजार के नोट का प्रयोग बंद किए जाने के निर्णय पर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से टवीट कर कहा कि कुछ लोगों को अपनी गलती देर से समझ आती है। दो हजार के नोट के मामले में भी ऐसा ही हुआ है लेकिन इसकी सजा इस देश की जनता और अर्थव्यवस्था ने भुगती है। शासन मनमानी से नहीं, समझदारी और ईमानदारी से चलता है। सपा महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने दो हजार के नोट लेनदेन में बंद करने पर कहा कि भाजपा कालेधन वालों की सूची को सार्वजनिक करे। 2000 के नोट शुरू करने का फैसला भाजपा ने ही किया था। सरकार

2000 नोट के जरिये भ्रष्टाचार फैलाया। विपक्ष को नोट बंदी से कोई भी नाराजगी नहीं है। भाजपा ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई का दुरुपयोग कर रही। विपक्ष को डराने और धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। विपक्ष भारतीय जनता पार्टी से डरने वाला नहीं है। भाजपा सरकार लगातार अपनी मनमानी कर रही है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव अरविन्द राजभर ने कहा कि चलिए अब 2000 रुपये के भी नोट बंद हो गए हैं, जो लोग रखें हो वह 30 सितंबर तक बैंक में जमा कर दें। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नोट बंदी की घोषणा के बाद अब रिजर्व बैंक ने 2000 रुपये के नोट वैध बनाए रखते हुए उनकी वापसी व नये नोट नहीं छापने से काले धन वाले घबड़ायेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने को बड़े और कड़े कदम उठाने का स्वागत करता हूं। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि दो हजार का नोट बंद होने से नम्बर दो वालों पर निश्चित रूप से प्रहार है। देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए यह कदम अच्छा है। उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद ने कहा कि हमारी सरकार के फैसले अच्छे हैं, तभी ब्रिटेन से हम अर्थव्यवस्था में आगे हैं। बैंक में धन आयेगा, तो सकुर्लेशन होगा। जब धन रोटेट होता है तो उससे अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। धन एक स्थान पर रुकने से अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचती है। हमारे देश की जनता हर फैसले समझने लगी है। वहीं दो हजार के नोट बंद करने वाले रिजर्व बैंक के निर्णय को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ब्रजलाल खाबरी सहित सत्तादल से गठबंधन पार्टियों ने कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी है। आर्थिक मामलों के जानकार एवं चार्टेड अकाउंटेंट अमित अग्रवाल ने बताया कि दो हजार का नोट बंद होना कोई सियासी कारण नहीं है। यह देशहित और अर्थव्यवस्था को देखते हुए लिया गया निर्णय है। इससे पूंजी को जमाकर रखने वालों की चिंताएं जरुर बढ़ेंगी, लेकिन सरकार और रिजर्व बैंक की गाइडलाइन के अनुसार अभी 30 सितम्बर तक इन नोटों को जमा किए जाने की सहूलित दी गई है।

मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश का हो रहा चतुर्दिक विकास : स्वतंत्रदेव

गाजीपुर, (हि.स.)। केन्द्र में सत्तारुण नरेन्द्र मोदी व उत्तर प्रदेश में आदित्यनाथ योगी के नेतृत्व में चतुर्मुखी विकास हो रहा है। जिससे विपक्षी दल निराश होकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। जो अपने मंसूबों में सफल नहीं होंगे। यह बातें शनिवार को गाजीपुर के दौरे पर पहुंचे जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कही। कैबिनेट मंत्री ने जल जीवन मिशन के अंर्तगत सरवरनगर व मुस्लिमपुर ग्राम में हर घर पेयजल योजना के तहत नवनिर्मित जल निगम टंकी का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि पूरे प्रदेश में शुद्ध पेयजल के लिए हर घर नल योजना, आवास, स्वास्थय, शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएं चलायी जा रही हैं। पानी का दुरुपयोग रोकने के लिए नल को खुला न छोड़ें। बरसात के पानी को गांव में संचय करें। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि परिवार को खुशहाल रखने के लिए माता-पिता सेवा करें, बेटा या बेटी से शराब व गुटका न मंगाये। मजदूरों का सम्मान व उचित मजदूरी दें, हो सके तो पानी अवश्य पिलाये। महिलाएं घर, गांव, परिवार की स्वच्छता पर ध्यान दें। स्वस्थ

रहने के लिए नियमित योगासन करें। गांव में विधवा, पीड़ित व कमजोर वर्ग की जमीन पर कब्जा न करें। केन्द्र में मोदी व प्रदेश में योगी के रहते देश सुरक्षित है। विषम परिस्थितियों में विदेशों से भारतीयों को सुरक्षित लाने में हमारा देश समर्थ है। प्रदेश में अपराधी या तो जेल में हैं या प्रदेश से बाहर भाग रहे हैं। अब आपको कोई परेशान नहीं करेगा। श्री सिंह ने दोनों गांवों में ग्रामीणों व महिलायों से सीधे बात कर विकास योजनाओं का भौतिक सत्यापन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक शिवपूजन राम, दयाशंकर पाण्डेय, तेरसू यादव, नरेन्द्र कुमार मौर्य, अखिलेश कुशवाहा, गनेश सिंह, प्रवीण त्रिपाठी, जनार्दन सिंह आदि लोग प्रमुख रुप से मौजूद थे।

बनारस रेल इंजन कारखाना में मनाया गया आतंकवाद विरोधी दिवस, कर्मचारियों ने ली शपथ

वाराणसी, (हि.स.)। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका)में शनिवार को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। परिसर स्थित प्रशासनिक भवन के स्वागत कक्ष में महाप्रबंधक बासुदेव पांडा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। कर्मचारियों ने शपथ लिया कि भारतवासी अपने देश की अहिंसा और सहनशीलता की परंपरा में दृढ विश्वास रखते है। निष्ठापूर्वक शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे। हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव और सूझबूझ कायम रखने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ लेते हैं। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि आतंकवाद एवं हिंसा के कारण जनता को हो रही तकलीफों तथा राष्ट्रीय

हितों पर हो रहे प्रतिकूल प्रभावों के बारे में समाज को जागृत करने एवं राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है। आतंकवाद विरोधी दिवस युवाओं को आतंकवाद और हिंसा से दूर रहने की प्रेरणा भी देता है। इस दौरान मुख्य सामग्री प्रबंधक रजनीश गुप्ता, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर प्रबीर कुमार साहा, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एस.के. श्रीवास्तव, प्रधान वित्त सलाहकार अमर कुमार सिन्हा, प्रमुख मुख्य इंजीनियर बिनोद बमपाल, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी रणविजय, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रणवीर सिंह चौहान आदि भी मौजूद रहे।

कांग्रेस ने कर्नाटक में दलितों और मुसलमानों की उपेक्षा की: मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। कर्नाटक में शनिवार को नई सरकार के गठन के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस पर हमला बोला है। बसपा प्रमुख मायावती ने शनिवार को अपने अधिकारिक ट्विटर हैंडल से दो ट्वीट किए हैं। पहले ट्वीट में उन्होंने लिखा, "कर्नाटक विधानसभा चुनाव उपरान्त मंत्रिमण्डल में डीके शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाकर कांग्रेस ने अपनी अन्दरूनी कलह को थोड़ा दबाने का प्रयास किया है। किन्तु दलित व मुस्लिम समाज की उपेक्षा क्यों, जबकि इन दोनों वर्गों ने एकजुट होकर कांग्रेस को वोट देकर विजयी

बनाया है।" उन्होंने आगे कहा, "कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए दलित समाज की उठी दावेदारी की पूरी तरह से कांग्रेस ने अनदेखी की है। अब किसी भी दलित व मुस्लिम को उपमुख्यमंत्री नहीं बनाना यह इनकी जातिवादी मानसिकता को दशार्ता है। इनको यह वर्ग केवल अपने खराब दिनों में ही याद आते हैं। ऐसे लोगों लोग सतर्क रहें।"

अनुदान ने मात्स्यिकी से जुड़े हितधारकों की समृद्धि का खोला मार्ग : डॉ संजय निषाद

लखनऊ, (हि.स.)। लोकतंत्र तभी सफल माना जा सकता है, जब सरकार की नीतियां अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचें। यह बात शनिवार को निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर कही। मत्स्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में मत्स्य विभाग ने अभूतपूर्व संख्या में लाभार्थियों को अनुदान प्रदान कर मात्स्यिकी से जुड़े सभी हितधा-

रकों की समृद्धि का नया मार्ग खोला है। उन्होंने आगे कहा कि हमने पिछले एक वर्षों में योजनाओं के लाभ को जमीन पर उतार कर दिखाया है। इसमें तनिक भी संदेह नहीं होना चाहिए कि उत्तर प्रदेश में अब 'नीली क्रांति' की शुरूआत हो चुकी है। इस ट्वीट के साथ मत्स्य मंत्री ने नाव में नदी की सैर करते हुए आकर्षक फोटो भी पोस्ट की है।

उप्र में 146 करोड़ रुपये से मेगा परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में निवेश की नई बयार को गति देने के लिए प्रयासरत योगी सरकार अब मेगा परियोजनाओं की स्थापना और संचालन की दिशा में अहम पहल करने जा रही है। प्रदेश में 10 से 12 फरवरी के बीच हुई ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट-2023 के दौरान जिन मेगा परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की दिशा तय हुई थी, अब उन्हें रफ्तार देने के लिए प्रोत्साहन, विशेष सुविधाएं और रियायत देने की दिशा में योगी सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि प्रदेश में मेगा परियोजनाओं की स्थापना और सफल संचालन के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश नीति के तहत आठ मेगा परियोजनाओं को रियायतों की पहली किस्त की प्रतिपूर्ति जारी करने की मंजूरी दे दी गई है। इसके अंतर्गत 146 करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि आवंटित करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। जिन मेगा परियोजनाओं को प्रोत्साहन प्रतिपूर्ति की पहली किस्त जारी की गई है, उनमें जेपी सीमेन्ट अलीगढ़, आरसीसीपीएल प्रा.लि. रायबरेली और गैलेन्ट इस्पात लि. गोरखपुर मुख्य

तौर पर शामिल हैं। हाल ही में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) मनोज कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद इस संबंध में निर्णय लिया गया, जिसके फलस्वरूप इन औद्योगिक उपक्रमों को इनकी पात्रता के अनुसार प्रोत्साहन प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया की शुरूआत कर दी गई है। जेके सीमेन्ट वर्क्स अलीगढ़ (जेके सीमेन्ट लि. की एक इकाई) को वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए कुल 21.85 करोड़ रुपये और 2021-2022 के लिए 12.52 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन प्रतिपूर्ति की जाएगी। इसी प्रकार मेसर्स पसवारा पेपर्स लि. मेरठ को प्रोत्साहन राशि के तौर पर 12.65 करोड़ की प्रतिपूर्ति होगी। इसमें से 11.02 करोड़ रुपये की एसजीएसटी प्रतिपूर्ति और पूंजिगत ब्याज उपादान प्रतिपूर्ति के तौर पर 1.63 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त होगी। हरदोई के सण्डीला स्थित वरुण बेवरेजेस लि. को वर्ष 2021-22 के लिए 8.52 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रतिपूर्ति होगी। वहीं, गैलेन्ट इस्पात लि. गोरखपुर को दो केटेगरी में कुल 15.96 करोड़ रुपए (6.88 और 9.08 करोड़ रुपये) की पहली प्रतिपूर्ति राशि आवंटित होगी। इसके अलावा, स्पर्श इंडस्ट्रीज प्रा.लि. कानपुर देहात को 3.66 करोड़ रुपये, आरसीसीपीएल प्रा.लि. रायबरेली को 46.55 करोड़ रुपये और श्री सीमेन्ट प्रा.लि. बुलन्दशहर को तीन केटेगरीज के तहत कुल 24.28 करोड़ रुपये की पहली प्रोत्साहन राशि प्रतिपूर्ति की जाएगी।

तोरपा और अड़की में लगा बिजली बिल ब्याज माफी योजना का शिविर

खूंटी, (हि.स.)। तोरपा प्रखंड परिसर में बिजली विभाग ने शनिवार को ऊर्जा मेला का आयोजन किया। ऊर्जा मेले में उपभोक्ताओं को झारखंड सरकार द्वारा लागू बिजली बिल ब्याज माफी योजना का लाभ दिया गया और विभिन्न समस्याओं का निदान किया गया। साथ ही उपभोक्ताओं के बीच एलईडी बल्ब और अन्य उपहार वितरित कर ऊर्जा संरक्षण के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संतोष कुमार, कनीय विद्युत अभियंता, तोरपा और अन्य विद्युतकर्मी तौशीफ अंसारी, प्रवीण कुमार, आलोक बागे, राजेश कुमार, परमानंद आदि ने योगदान दिया। इधर, अड़की प्रखंड परिसर में भी शनिवार को बिजली बिल माफी योजना के तहत शिविर लगाया गया। शिविर में सात उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान किया गया। कार्यक्रम में कनीय विद्युत अभियंता मुरली मनोहर प्रसाद, बैंकुठ रविदास, अमित कुमार कश्यप, विनोद टुडू, अजय कुमार महतो, अभिजीत कुमार शशि कुमार मिश्रा, मनीष कुमार के अलावा काफी संख्या में विद्युत उपभोक्ता उपस्थित थे।

नये हाई कोर्ट भवन में शिफ्टिंग की तैयारी जोर-शोर से शुरू

रांची, (हि.स.)। रांची धुर्वा के तिरिल मौजा में 72 एकड़ में बने झारखंड हाई कोर्ट के नए भवन का उद्घाटन 24 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। इसके पहले शनिवार को डोरंडा स्थित झारखंड हाई कोर्ट के पुराने भवन से धुर्वा स्थित हाई कोर्ट के नए भवन में शिफ्टिंग की तैयारी जोर-शोर से शुरू हो गई। पुराने हाई कोर्ट भवन में करीब 37 सेक्सन, जिनमें इस्टैब्लिशमेंट, जुडिशल सेक्शन, लाइब्रेरी, रिकॉर्ड रूम आदि से सामानों, संसाधनों, फाइलों, कंप्यूटर आदि को वाहनों से हाई कोर्ट के नए भवन में ले जाया जा रहा है। इन संसाधनों को धुर्वा के हाई कोर्ट के नए भवन में सिर्फ ले ही नहीं जाया जा रहा है, बल्कि उन्हें क्रमवार रखा और सुसज्जित भी किया जा रहा है। ग्रीष्मावकाश के बाद 12 जून से हाई कोर्ट के नए भवन में कोर्ट चलेगी। ग्रीष्मावकाश में पुराने हाई कोर्ट भवन से सभी सामानों को नए हाई कोर्ट भवन पहुंचा दिया जाएगा।

बरसात के दिनों में जिला मुख्यालय खूंटी से फिर टूट जायेगा दर्जनों गांवों का सीधा संपर्क

खूंटी, (हि.स.)। जिले के डोड़मा-सिसई मुख्य पथ पर कुदरी गांव के पास छाता नदी पुल के टूटे अब एक वर्ष होने को है लेकिन पुल निर्माण की बात तो दूर, अब तक डायवर्सन तक नहीं बन सका है। इसलिए बरसात के दिनों में इस रास्ते पर आवागमन ठप होना तय है। बरसात के पूर्व पुल के नहीं बनने से गुमला जिले का सीधा संपर्क जिला मुख्यालय से कट जाएगा। साथ ही खूंटी, डोड़मा, बिचना आदि के स्कूल-कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी परेशानी होगी। पिछले वर्ष अगस्त महीने में छाता नदी का पुल ध्वस्त हो गया था। इस-के कारण बरसात के दिनों के अलावा जब भी बारिश होती है, इस रास्ते पर आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। पुल टूटने के कुछ दिनों के बाद विधायक कोचे मुंडा की

पहल पर कामचलाऊ डायवर्सन का निर्माण कराया गया था लेकिन कुछ दिनों के बाद डायवर्सन भी पानी में बह गया।

नये पुल निर्माण के संबंध में पथ निर्माण विभाग (लोक निर्माण) के कार्यपालक अभियंता ने कहा कि पुल निर्माण के लिए निविदा की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रशासनिक स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। कर्रा प्रखंड के गुमडू गांव के रहने वाले समाजसेवी विनोद सिहं कहते हैं कि छाता नदी का यह पुल यातायात की दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। पुल टूट जाने से बरसात के दिनों में सैकड़ों गांवों का सीधा संपर्क जिला मुख्यालय से टूट जाएगा। खासकर विद्यार्थियों और मरीजों को भारी परेशानी होगी। इसके बावजूद राज्य सरकार इस पुल के पुनर्निर्माण की दिशा में कोई पहल नहीं कर रही है।

कल्लू यादव हत्याकांड के मुख्य आरोपित ने किया सरेंडर

रांची, (हि.स.)। जमीन कारोबारी अनिल कुमार उर्फ कल्लू यादव हत्याकांड के मुख्य आरोपित सुनील यादव ने शनिवार को रांची के सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उल्लेखनीय है कि बीते तीन मार्च को टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के आरा गेट के पास स्थित एक हार्डवेयर दुकान में कल्लू यादव की हत्या जमीन विवाद में करवायी गयी थी। कल्लू यादव की हत्या बिहार स्थित फुलवारी शरीफ के रहने वाले अपराधी अभिषेक कुमार पासवान उर्फ छोटू ने की थी।

छोटू को इसके लिए तीन लाख रुपये मिले थे। टेक्निकल सेल की मदद से शूटर अभिषेक को हजारीबाग से गिरफ्तार किया गया था। सुनील यादव ने कल्लू यादव की हत्या की साजिश रची थी।

राजा राममोहन राय की 250वीं जयंती पर निकली जागरूकता रैली

अररिया, (हि.स.)। अररिया अनुमंडल प्रशासन की ओर से समाज सुधारक राजा राम मोहन राय की 250वीं जयंती के मौके पर शनिवार को जागरूकता रैली निकाली गई। नारी सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता रैली अनुमंडल लाइब्रेरी परिसर से निकाली गई।जिसमे विभिन्न स्कूलों के चार सौ से अधिक बच्चों सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।रैली को सदर एसडीओ शैलेश चंद्र दिवाकर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले समाज सुधारक राजा राम मोहन राय की तस्वीर पर मौजूद अधिकारियों और लोगों ने फूल माला चढ़ाकर अपनी श्रद्धांजलि दी।बिहार सरकार की ओर से मिले निर्देश के आलोक में अनुमंडल प्रशासन के पहल पर यह रैली निकाली गई। मौके पर मौजूद सदर एसडीओ शैलेश चंद्र दिवाकर ने बताया कि रैली में चार सौ से अधिक

बच्चे रैली में शामिल हुए और इस रैली के आयोजन के पीछे का उद्देश्य राजा राम मोहन राय के द्वारा समाज सुधार के लिए किए गए प्रयासों से समाज को अवगत कराना है।उन्होंने कहा कि नारी सशक्तिकरण और समाज सुधार को लेकर उनकी और से किए गए प्रयास आज भी प्रासंगिक है।समाज सुधारक के रूप में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले राजा राममोहन राय सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करने वालों में शीर्ष पर हैं।उनकी और से किए गए प्रयास को अवगत कराने के लिए बिहार सरकार की ओर से मिले निर्देश के आलोक में जागरूकता रैली निकाली गई और इसमें शामिल स्कूली बच्चियां हाथों में समाज सुधार को लेकर जागरूकता वाली तख्तियां पकड़ी हुई थी।साथ ही नारे लगा रहे थे।

केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने ही सभी को आरक्षण दिया : सम्राट चौधरी

पटना, (हि.स.)। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कार्यसमिति के पहले दिन शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार 18 साल से बिहार को लूट रहे हैं। राजद चिल्लाती है कि आरक्षण खत्म होने नहीं देंगे। लालू प्रसाद यादव ने 15 साल में कितने को आरक्षण दिया। पीएम नरेन्द्र मोदी की सरकार ने अपने नौ साल के कार्यकाल में 10 फीसदी अगड़ों को आरक्षण के साथ सभी को आरक्षण दिया है। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली कार्यसमिति की बैठक में सम्राट ने कहा कि हम बूथ जीतेंगे तो चुनाव जीतेंगे। बूथ कैसे जीतेंगे उस पर मंथन किया जाएगा। उन्होंने मोदी सरकार के 9 साल को बेमिसाल बताया। साथ ही कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार चाहिए। केंद्र सरकार यदि राशि नहीं दे तो टीचर को वेतन नहीं

मिलेगा। बिहार में एयरपोर्ट नहीं बन रहा। सीएम नीतीश कुमार दिल्ली सिर्फ राजनीति के लिए जाते हैं। केंद्र से राशि मांगने के लिए कभी नहीं जाते हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने सिर्फ अपने परिवार को नौकरी दी। जिस बीपीएससी की औकात 10 हजार नौकरी देने की नहीं है, उसे दस लाख नौकरी देने के लिए कहा जा रहा है। बिहार में सिर्फ रोजगार का माहौल बना रहे हैं। चुनाव के पहले कुछ नौकरी देंगे। दिसम्बर तक कागजी प्रक्रिया करेंगे। सम्राट ने कहा कि नीतीश कुमार का फामूर्ला है कि बिहार को शराबी बनाओ। पहले 10 हजार दुकानें खुलवाई, फिर बंद कर घर-घर पहुंचाया। क्या नीतीश कुमार यह घोषणा करेंगे कि बिहार में एक बोतल शराब मिलेगी तो वे इस्तीफा दे देंगे।

जफ्फरपुर में निजी स्कूल के टीचर की सड़क दुर्घटना में मौत

मुजफ्फरपुर, (हि.स.)। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र स्थित मझौलिया चौक के एनएच 28 पर शनिवार सुबह हाइवा की चपेट में आने से निजी स्कूल के शिक्षक अमन कुमार की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मझौलिया चौक स्थित मुख्य सड़क पर ब्रेकर बना हुआ है। जिस पर बाइक सवार व्यक्ति आराम से अपना बाइक पार कर रहा थाए। तभी पीछे से आई अनियंत्रित अज्ञात हाइवा ने उक्त बाइक सवार को रौंद दिया। स्थानीय लोगों के द्वारा इसकी सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद मौके पर पहुंचे सदर थाना अध्यक्ष और पुलिस बल ने डेड बॉडी को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मृतक युवक की पहचान कर उनके परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई है। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया परिजनों की माने तो मृतक युवक अमन कुमार घर का इकलौता चिराग था और जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र में एक निजी स्कूल में टीचर का काम कर अपना जीवन यापन करता था। सदर थाना के भीखनपुरा स्थित अपने घर से अहियापुर स्कूल जाने के क्रम में ही सुबह-सुबह मझौलिया में दर्दनाक हादसे में मौत हो गई है। पूरे मामले में पूछे जाने पर सदर थानेदार सतेंद्र मिश्रा ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार की मौत हो गई है।

संपादकीय

कहाँ जाए हिन्दू?

राजस्थान में पहले जोधपुर में और अब जैसलमेर में, पाकिस्तान से आए हिन्दू शरणार्थियों के घरों पर प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया है। इस तपती गर्मी में बेचारे पीड़ित हिन्दू कहाँ जाएं? राजस्थान की कांग्रेस सरकार के पास इसका कोई जवाब नहीं है कि वहाँ का प्रशासन बार-बार हिन्दुओं को निशाना क्यों बना रहा है? माना कि शरणार्थी हिन्दुओं ने सरकारी जमीन पर कच्चे आवास बना लिए थे, अतिक्रमण हटाना प्रशासन की जिम्मेदारी है लेकिन प्रशासन की यह भी जिम्मेदारी है कि ऐसी जानलेवा गर्मी में लोगों का सहारा बने। बेघर हुए हिन्दू अपनी महिलाओं और मासूम बच्चों को लेकर ऐसी गर्मी में कहाँ गुजारा करेंगे, इसकी चिंता सरकार ने की है या नहीं? दुःख होता है यह देखकर कि एक ओर अवैध घुसपैठ करनेवाले मुसलमानों को हमारे राजनेता एवं राजनीतिक दल पूरा संरक्षण देते हैं, मतदाता पत्र से लेकर उनके अन्य पहचान पत्र बनाने में सहयोग करते हैं लेकिन पीड़ित हिन्दुओं की सहायता के लिए यह मुंह भी नहीं खोलते हैं। आपराधिक लोगों के अतिक्रमण पर जब बुलडोजर चलता है, तब उस पर ऐसा वितंडावाद किया जाता है लेकिन यहाँ जब पीड़ित और लाचार हिन्दुओं को उजाड़ा जा रहा है, तब ये सेकुलर ताकतें चुप्पी साधकर बैठ गई हैं। अपराधियों के प्रति पीड़ा लेकिन कष्ट में जी रहे हिन्दुओं के लिए संवेदना के दो शब्द भी नहीं? किसी कांग्रेस सरकार और किसी टीना डाबी में हिम्मत है, जो बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या घुसपैठियों के अतिक्रमणों पर बुलडोजर चला सके? देश में लाखों की संख्या में अवैध घुसपैठिये हैं, जिनकी पहचान करने की बात आती है तब सभी सेकुलर ताकतें विरोध करती हैं। राष्ट्रीय नागरिक पंजीयन (एनआरसी) का विरोध इसी कांग्रेस ने भी किया है, जिसके कार्यकाल में राजस्थान में शरणार्थी हिन्दुओं को परेशान किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इसी मानसिकता को देखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर मोदी सरकार ने पड़ोसी देशों से आनेवाले हिन्दुओं सहित अन्य अल्पसंख्यकों को भारत की नागरिकता देने के लिए 'नागरिकता संशोधन कानून' बनाया था, जिसका देशभर में विरोध किया गया। कट्टरपंथी इस्लामिक समूहों द्वारा किए गए उस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी दलों का भी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष समर्थन प्राप्त था। एक ओर मोदी सरकार की सोच है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान में होनेवाले अत्याचारों से परेशान होकर भारत आनेवाला हिन्दू एवं जैन, सिख और बौद्ध सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदाय यहाँ की नागरिकता लेकर स्वाभिमान के साथ जीवन जीयें लेकिन प्रमुख विपक्षी दलों की मंशा क्या है, यह ऐसी घटनाओं से स्पष्ट हो जाता है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि पाकिस्तान में हिन्दुओं पर किस हद तक अत्याचार किया जाता है। पाकिस्तान में सरकार की सरपरस्ती में जेहादी ताकतों ने हिन्दुओं का जीना मुहाल कर दिया है। अपना स्वाभिमान बचाने के लिए, मजबूरी में हिन्दू अपना घर-व्यापार छोड़कर भारत में एक विश्वास के साथ आते हैं कि वे यहाँ सुरक्षित से अपना गुजारा कर लेंगे। यदि यहाँ भी उनको सहारा नहीं मिलेगा, तब अपना दुःख लेकर हिन्दू कहाँ जाएंगे? हमारे सेकुलर नेता, बुद्धिजीवी एवं अधिकारी वर्ग उत्पाती रोहिंग्याओं के प्रति तो अथाह संवेदनाएं रखता है लेकिन शांतिप्रिय हिन्दू के लिए उनके मन में किसी प्रकार का दयाभाव दिखायी नहीं देता है। सोचिए, यदि इसी प्रकार की घटना उत्तरप्रदेश या मध्यप्रदेश में मुस्लिम समुदायों के परिवारों के साथ हो गई होती, तब किस प्रकार का वितंडावाद खड़ा किया जाता। इस एक अंतर से सेकुलर बिरादरी की पाखंडी मानसिकता उजागर हो जाती है।

> बेघर हुए हिन्दू अपनी महिलाओं और मासूम बच्चों को लेकर ऐसी गर्मी में कहाँ गुजारा करेंगे, इसकी चिंता सरकार ने की है या नहीं? दुःख होता है यह देखकर कि एक ओर अवैध घुसपैठ करनेवाले मुसलमानों को हमारे राजनेता एवं राजनीतिक दल पूरा संरक्षण देते हैं, मतदाता पत्र से लेकर उनके अन्य पहचान पत्र बनाने में सहयोग करते हैं लेकिन पीड़ित हिन्दुओं की सहायता के लिए यह मुंह भी नहीं खोलते हैं। आपराधिक लोगों के अतिक्रमण पर जब बुलडोजर चलता है, तब उस पर ऐसा वितंडावाद किया जाता है लेकिन यहाँ जब पीड़ित और लाचार हिन्दुओं को उजाड़ा जा रहा है, तब ये सेकुलर ताकतें चुप्पी साधकर बैठ गई हैं।

पुराने समय में की गई बचत का बहुत बड़ा सहारा मिलता है

छोटी छोटी बचतों से अर्थव्यवस्था को मिलता है बल

प्रहलाद सबनानी

> भारतीय परिवारों में तो गृहणियां घर खर्च के लिए उन्हें प्रदान की गई राशि में से भी बहुत छोटी राशि की बचतें करने का गणित जानती हैं एवं वक्त आने पर अपने परिवार के सदस्यों को उक्त बचत की राशि सौंप कर संतोष का भाव जागृत करती हैं। आजकल के आर्थिक दौर में केवल धन का अर्जन करना ही काफी नहीं है बल्कि अर्जित किए गए इस धन का कुछ भाग, बचत के रूप में सही स्थान पर सुरक्षित निवेश करना भी जरूरी है यदि कमाए गए धन को बचत के रूप में निवेश नहीं किया जाता है तो उस राशि का बाजार में मूल्य, मुद्रा स्फीति के चलते, कम होते होते भविष्य में शून्य हो जाता है।

यह सनातनी संस्कार ही हैं जो भारत के नागरिकों को छोटी छोटी बचतें करना सिखाते हैं। भारतीय परम्पराओं के अनुसार हमारे बुजुर्ग हममें बचत की प्रवृत्ति बचपन में ही यह कहकर विकसित करते हैं कि भविष्य में आड़े अथवा बुरे वक्त के दौर में, पुराने समय में की गई बचत का बहुत बड़ा सहारा मिलता है। भारतीय परिवारों में तो गृहणियां घर खर्च के लिए उन्हें प्रदान की गई राशि में से भी बहुत छोटी राशि की बचतें करने का गणित जानती हैं एवं वक्त आने पर अपने परिवार के सदस्यों को उक्त बचत की राशि सौंप कर संतोष का भाव जागृत करती हैं। आजकल के आर्थिक दौर में केवल धन का अर्जन करना ही काफी नहीं है बल्कि अर्जित किए गए इस धन का कुछ भाग, बचत के रूप में सही स्थान पर सुरक्षित निवेश करना भी जरूरी है। यदि कमाए गए धन को बचत के रूप में निवेश नहीं किया जाता है तो उस राशि का बाजार में मूल्य, मुद्रा स्फीति के चलते, कम होते होते भविष्य में शून्य हो जाता है। अतः बचत के रूप में निवेश की गई राशि पर इतनी आय तो अवश्य ही होनी चाहिए कि वह मुद्रा स्फीति की दर से अधिक हो ताकि बचत की राशि का बाजार मूल्य कम से कम उतना तो बनाए रखा जा सके। अर्थात, पैसे से पैसा कमाना आना चाहिए। भारत में केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक इस दृष्टि से लगातार प्रयास करते रहते हैं कि देश के नागरिक अपनी बचतें बढ़ाएं ताकि उनका एवं उनके बच्चों सहित परिवार के अन्य सदस्यों का आर्थिक भविष्य, बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य आदि को सुरक्षित बनाया जा सके। मुख्य रूप से इसी कारण के चलते समय समय पर केंद्र सरकार द्वारा अपनी विभिन्न बचत योजनाओं पर ब्याज की दरों को मुद्रा स्फीति की दर का ध्यान रखते हुए बढ़ाया अथवा घटाया जाता है। हाल ही के समय में केंद्र सरकार ने अपनी विभिन्न बचत योजनाओं पर ब्याज दी दरें बढ़ा दी हैं। केंद्र सरकार के डाक विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छोटी बचत योजनाएं, जिन पर ब्याज दरें बढ़ाई गई हैं, उनके नाम हैं – डाकघर बचत खाता, 5 वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा, डाकघर मासिक आय योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र, किसान विकास पत्र, सुकन्या समृद्धि योजना, 15 वर्षीय पीपीएफ खाता, महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र, पीएमकेयर फार चिल्ड्रन योजना, भारत में तो बचत वैसे भी पसीने की कमाई मानी जाती है अतः इसे सोच समझकर ही निवेश करना चाहिए। एक तो यह सुरक्षित निवेश होना चाहिए,

दूसरे इस निवेश पर लगातार आय होती रहे। हां, निवेश पर अधिक आय के मामले में लोभ नहीं करना चाहिए, अन्यथा निवेश की गई राशि ही डूब जाती है। लोभ एवं लाभ में बहुत बारीक अंतर होता है। तीसरे, निवेशित की गई राशि को आवश्यकता पड़ने पर सरल तरीके से वापिस प्राप्त किया जा सके अर्थात तरलता की स्थिति बनी रहनी चाहिए। केंद्र सरकार की उक्त छोटी बचत योजनाओं में निवेश एकदम सुरक्षित रहता है, इस निवेश पर आय लगातार अर्जित होती रहती है एवं तरलता की स्थिति भी बनी रहती है। हां, कुछ योजनाओं में लॉक इन पीरियड अवश्य रहता है एवं केवल इस अवधि के समाप्त होने के पश्चात ही बचत की राशि का आहरण किया जा सकता है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में वित्तीय साक्षरता बढ़ी है, जिसके चलते वे अपनी बचतों पर अधिक आय अर्जित करने की दृष्टि से बैंकों में सावधि जमा योजनाओं में अपनी बचत का निवेश करने के साथ साथ म्यूचूअल फण्ड एवं पूंजी बाजार (शेयर मार्केट) में भी अपनी बचत का निवेश करने लगे हैं। इन क्षेत्रों में बचत की राशि निवेश करने पर कुछ जोखिम तो अवश्य रहता है परंतु तुलनात्मक रूप से आय अच्छी हो जाती है। इस सम्बंध में नागरिकों में धीरे धीरे जागरूकता बढ़ रही है एवं वे अपनी बचतों को विभिन्न योजनाओं में निवेश करने लगे हैं। बचत की अलग अलग योजनाओं में की जानी चाहिए ताकि यदि कोई योजना किसी कारण से असफल साबित हो तो आपका पैसा अन्य ओजनाओं में सुरक्षित रहे। म्यूचूअल फण्ड भी विभिन्न प्रकार के एवं अलग अलग वित्तीय संस्थानों द्वारा जारी होने चाहिए, ताकि यदि किसी एक वित्तीय संस्थान में आर्थिक समस्या खड़ी हो तो नागरिकों का पूरा पैसा इस एक ही संस्थान में नहीं डूबे। किसी भी देश की आर्थिक वृद्धि के लिए देश के नागरिकों में बचत की आदत विकसित होना बहुत आवश्यक है। एक आर्थिक सिद्धांत के अनुसार देश के सकल घरेलू उत्पाद में प्रतिशत वृद्धि के चार गुना तक बचत दर होना चाहिए। उदाहरण के लिए यदि भारत में 8 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना है तो बचत की दर 32 प्रतिशत होना चाहिए। इस सिद्धांत को क्रमिक पूंजी उत्पादन अनुपात कहा जाता है। इस दृष्टि से भी केंद्र सरकार विभिन्न बचत जमा योजनाओं पर आकर्षक ब्याज दर प्रदान करने का प्रयास करती है। छोटी छोटी बचतें देश के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में सहायक होती हैं। देश में यदि निवेश को बढ़ाना है तो बचत को तो बढ़ाना ही होगा। इसीलिए केंद्र सरकार बैंकों के अतिरिक्त विभिन्न अन्य निवेश संस्थानों पर भी नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास करती है ताकि आम जनता के बचत के रूप में किए गए निवेश सुरक्षित रह सकें। भारत में अन्य देशों की तुलना में बचत की दर बहुत आकर्षक रही है। जब भारत में आर्थिक वृद्धि दर 9 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, उस समय पर बचत की दर लगभग 37 प्रतिशत थी। साथ ही, बचत की दर अधिक होने से बाजार में तरलता कम होती है और तरलता के कम होने से मुद्रा स्फीति की दर भी नियंत्रण में बनी रहती है। दूसरे जमाराशि के बचत के रूप में बैंकों अथवा अन्य आर्थिक संस्थानों में आ जाने से उस राशि का उत्पादन कार्यों में उपयोग सम्भव होता है, इससे देश के आर्थिक विकास को बल मिलता है। अपनी कुल आय का लगभग 25 से 30 प्रतिशत भाग बचत के रूप में निवेश किये जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह हमारे भविष्य को सुरक्षित रखने में सहायक सिद्ध होगा। युवा नागरिकों द्वारा बचत के रूप में लम्बे समय के लिए निवेश किये जाने चाहिए, इससे इस प्रकार के निवेश पर चक्रवृद्धी दर से आय अर्जित की जा सकती है। जबकि वृद्ध नागरिकों को लम्बे समय के निवेश के स्थान पर सुरक्षित निवेश करना चाहिए एवं इस निवेश में तरलता भी बनी रहनी चाहिए। अधिक जोखिम लेने से आय तो अधिक होती है, परंतु मूल राशि डूबने का डर भी बना रहता है अतः निवेश करते समय सुरक्षा का ध्यान रखना भी आवश्यक है। अन्य देशों के नागरिकों में, विशेष रूप से विकसित देशों में, बचत की आदत नहीं होती है। पश्चिमी दर्शन पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करता है अतः पश्चिमी देशों के नागरिक अपने जीवन को आज ही जी लेना चाहते हैं, कल (भविष्य) पर अधिक भरोसा नहीं करते हैं।

कर्नाटक विजय विपक्षी एकता में बाधा

> भाजपा चूंकि सभी विपक्षी दलों की खुले तौर पर एक नम्बर की प्रतिद्वंद्वी है, इसलिए उसके नुकसान-फायदों और ताकत का अंदाजा सभी को है, किन्तु कांग्रेस ने लंबे समय बाद सत्ता में जिस तरह जोरदार वापसी की है, उससे क्षेत्रीय दलों के समक्ष नई परेशानी खड़ी हो गई है। विपक्षी दलों के कर्ताधर्ताओं को इस बात का अंदाजा भी बखूबी है कि कांग्रेस को साथ लिए बगैर विपक्षी एकता का ख्वाब धरातल पर नहीं उतर सकता। विपक्षी दल कांग्रेस को साथ लेना तो चाहते हैं, किन्तु सतर्कता बरतते हुए समान दूरी बनाए रख कर। यही वजह है कि पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सुर बदल गए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के विपक्षी एकता के लिए किए जा रहे प्रयासों की पुनर्समीक्षा करनी पड़ी है। ममता बनर्जी कांग्रेस को विपक्षी एकता में शामिल करने को बेशक राजी हो गई हों, किन्तु उससे समान दूरी बनाए रखने पर भी जोर दे रही हैं। ममता ने जो फार्मूला दिया है उसके तहत कहा कि वे कांग्रेस का समर्थन करने के लिए तैयार हैं, बशर्ते वह पश्चिम बंगाल में उनका समर्थन करे।

कर्नाटक के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को करारी शिकस्त देकर जोरदार झटका दे चुकी कांग्रेस से विपक्षी दल भी सतर्क हो गए हैं। विपक्षी दलों की एकता में कांग्रेस की कर्नाटक में हुई प्रचंड जीत बाधा बन गई है। पहले हिमाचल प्रदेश और उसके बाद कर्नाटक में सत्ता में वापसी से कांग्रेस जिस तरह से नए सिरे से उठ खड़ी हुई है, उससे न सिर्फ भाजपा भौंचक्की है, बल्कि विपक्षी एकता की कवायद करने वाले गैर भाजपा दलों में खलबली मची हुई है। कांग्रेस की जीत का यह सिलसिला इस बात के संकेत भी हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस कोई बड़ा कारनामा करने की फिराक में है। यही वजह है कि कुछ दिनों पहले तक कांग्रेस को साथ लेने की कवायद करने वाले क्षेत्रीय दलों के नेताओं को अब अपने राज्यों में कांग्रेस से ही खतरा मंडराता हुआ नजर आ रहा है। विपक्षी दलों को दरअसल दोहरा डर सता रहा है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के तौर पर भाजपा पहले से ही मौजूद है किन्तु भाजपा विरोधी के तौर पर कांग्रेस दूसरा बड़ा खतरा बन गई है। भाजपा चूंकि सभी विपक्षी दलों की खुले तौर पर एक नम्बर की प्रतिद्वंद्वी है, इसलिए, उसके नुकसान-फायदों और ताकत का अंदाजा सभी को है, किन्तु कांग्रेस ने लंबे समय बाद सत्ता में जिस तरह जोरदार वापसी की है, उससे क्षेत्रीय दलों के समक्ष नई परेशानी खड़ी हो गई है। विपक्षी दलों के कर्ताधर्ताओं को इस बात का अंदाजा भी बखूबी है कि कांग्रेस को साथ लिए बगैर विपक्षी एकता का ख्वाब धरातल पर नहीं उतर सकता। विपक्षी दल कांग्रेस को साथ लेना तो चाहते हैं, किन्तु सतर्कता बरतते हुए समान दूरी बनाए रख कर। यही वजह है कि पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सुर बदल गए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के विपक्षी एकता के लिए किए जा रहे प्रयासों की पुनर्समीक्षा करनी पड़ी है। ममता बनर्जी कांग्रेस को विपक्षी एकता में शामिल करने को बेशक राजी हो गई हों, किन्तु उससे समान दूरी बनाए रखने पर भी जोर दे रही हैं। ममता ने जो फार्मूला दिया है उसके तहत कहा कि वे कांग्रेस का समर्थन करने के लिए तैयार हैं, बशर्ते वह पश्चिम बंगाल में उनका समर्थन करे। उन्होंने कहा, 'जहां भी कांग्रेस अपनी-अपनी 200 सीटों पर मजबूत है, वह वहीं चुनाव लड़े। हम उनका समर्थन करेंगे, लेकिन उन्हें दूसरे राज्यों में प्रभावी क्षेत्रीय दलों का भी समर्थन करना होगा।' ममता बनर्जी का बयान यह साफ इशारा करता है कि कांग्रेस उन राज्यों में सीटों के लिए ज्यादा न सोचें, जहां क्षेत्रीय दल मजबूत हैं। ममता बनर्जी इसके जरिए बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव, झारखंड में हेमंत सोरेन, पंजाब में अरविंद केजरीवाल, ओडिशा में नवीन पटनायक, तमिलनाडु में एमके स्टालिन और तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। ममता का प्रयास है कि सब मिल कर कांग्रेस पर इस तरह का दबाव बनाएं ताकि उनकी सत्ता पर आंच न आए। दरअसल ममता बनर्जी चाहती हैं कि कांग्रेस लोकसभा की 543 में से सिर्फ 200 सीटों के आसपास ही चुनाव लड़े और बाकी सीटों पर अलग-अलग राज्यों में जो भी क्षेत्रीय दल मजबूत स्थिति में हैं, कांग्रेस उनको समर्थन दे। विपक्षी दलों की इस कवायद से कांग्रेस ऐसा करके सत्ता के अपने रास्ते कभी भी बंद नहीं करना चाहेगी। गौरतलब है कि विपक्षी एकता की कवायद की शुरुआत में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में शामिल करने से साफ इंकार कर दिया था। कर्नाटक की जीत के बाद अखिलेश यादव के सुर भी बदल गए। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के दिए बयान का समर्थन किया है। अखिलेश ने कहा है कि जो मजबूत हो, उसे आगे कर चुनाव लड़ा जाए। बिहार में नीतीश कुमार और तेलंगाना में केसीआर सहित सभी दल यही चाहते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि ममता बनर्जी हों या अखिलेश यादव सहित दूसरे विपक्षी नेता, कांग्रेस को सशर्त विपक्षी एकता में शामिल करने की दलील तो दे रहे हैं किन्तु कांग्रेस क्या चाहती है, यह किसी ने जानने का प्रयास नहीं किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी के फॉर्मूले को सिरे से खारिज कर दिया। इससे साफ जाहिर है कि कर्नाटक चुनाव के बाद जीत के रथ पर सवार कांग्रेस नहीं चाहती कि उसे क्षेत्रीय दलों से सीटों के तालमेल में घाटे का सौदा करने पड़े। क्षेत्रीय दल जिस तरह से कांग्रेस के समक्ष शर्तें रख रहे हैं, उस लिहाज से कांग्रेस का केंद्र में सरकार बनाने का ख्वाब ही विफल हो जाएगा। क्षेत्रीय दलों का प्रयास है कि उनके राजनीतिक आधार वाले राज्यों में भाजपा की तरह कांग्रेस भी उनसे दूर रहे, पर कांग्रेस अपने वोट बैंक का समर्थन उनके पक्ष में करे। यह निश्चित है कि कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों की शर्तें किसी भी सूरत में मंजूर नहीं होंगी। कांग्रेस ऐसा करके अपने पैरों पर कुल्हाड़ी नहीं मारेगी। कांग्रेस का राजनीतिक नेटवर्क पूरे देश में है। ऐसे में जिन राज्यों में क्षेत्रीय दलों की सत्ता है, उनमें भी सीटों पर बंटवारा किए जाने पर ही कांग्रेस विपक्षी दलों से गठबंधन संभव है। जबकि विपक्षी दल चाहते हैं कि जिन राज्यों में उनका संगठन नाममात्र का है और कांग्रेस वहां प्रभावी भूमिका में है, कांग्रेस सिर्फ वहीं तक सीमित रहे। यदि विपक्षी दलों की यह दलील कांग्रेस को स्वीकार होती तो कर्नाटक में भी देवेगौड़ा की पार्टी जनता दल से समझौता करती। क्योंकि कांग्रेस ने करीब दो दशक बाद सत्ता में वापसी की है, इसलिए वह विपक्षी दलों की एकता के लिए अपनी कुर्बानी किसी भी हालत में नहीं देगी। यह भी निश्चित है कि क्षेत्रीय दलों के प्रभाव वाले राज्यों में कांग्रेस के प्रत्याशी खड़े होने से वोटों का बंटवारा होगा। इससे कहीं न कहीं फायदा भाजपा को मिल सकता है। ऐसे में वोटों के ध्रुवीकरण के कारण समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जैसे क्षेत्रीय दलों की सत्ता की वापसी की उम्मीदों पर पानी फिरना तय है। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य से यह भी स्पष्ट है कि क्षेत्रीय दल कितना ही प्रयास कर लें, कांग्रेस को साथ लिए बगैर भाजपा को हराने के उनके मंसूबे आसानी से पूरे नहीं होंगे।

देश दुनीया से

मधुमक्खी एक, फायदे अनेक

> मधुमक्खियां नर फूलों से परागण एकत्रित कर जब मादा फूल पर भ्रमण करती हैं तो उनके शरीर से चिपके परागकण फूल के मादा भाग के संपर्क में आकर परागण प्रक्रिया को पूरा करते हैं। इनसान के बेबुनियादी हस्तक्षेप के कारण आज मधुमक्खियों का अस्तित्व खतरे में पड़ता जा रहा है, जिससे इनकी बहुत सी प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। हाल के दशकों में मौसम परिवर्तन व कृषि में रसायनों तथा कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग के कारण मधुमक्खियों की आबादी विश्व स्तर पर कम होती जा रही है। मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार द्वारा 'मीठी क्रांति' के नाम से एक पहल की गई जिसके अंतर्गत वर्ष 2021-23 तक 500 करोड़ रुपयों का प्रावधान किया गया।

पारिस्थितिकी तंत्र और कृषि क्षेत्र में मधुमक्खियों की भूमिका को नकार पाना नामुमकिन है। मधुमक्खियों के बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था, 'यदि पृथ्वी से मधुमक्खियां विलुप्त हो जाएं तो मानव जाति मात्र चार वर्षों तक ही जीवित रह पाएगी।' मधुमक्खियों के महत्व तथा सतत विकास में इनके योगदान को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2017 में प्रति वर्ष 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी। 20 मई की तारीख इसलिए चुनी गई क्योंकि यह वो दिन था जिस दिन आधुनिक मधुमक्खी पालन के अग्रदूत एंटोन जानसा (1734-1773) का जन्म हुआ था। जानसा स्लोवेनिया में मधुमक्खी पालकों के एक परिवार से संबंध रखते थे। यह परिवार पारंपरिक तरीके से मधुमक्खियों का रखरखाव करता था। लेकिन जानसा द्वारा आधुनिक मौनपालन की विधि को अपनाया गया जिसके चलते उन्हें स्कूल में मौनपालन शिक्षक के पद पर नियुक्त किया गया था। वर्ष 2018 में पहला विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया गया। वर्ष 2023 में इस दिवस को 'बी इंगेज्ड इन पॉलिनेटर-फ्रेंडली एग्रीकल्चर प्रोडक्शन' विषय के अंतर्गत मनाया जा रहा है। मधुमक्खियां परागणकर्ता के रूप में दुनिया के 35 प्रतिशत फसल उत्पादन को प्रभावित करती हैं तथा दुनिया भर की 87 प्रमुख खाद्य फसलों के उत्पादन में वृद्धि करती हैं। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में मधुमक्खियों द्वारा दी गई सेवाओं की कीमत प्रति वर्ष 15000 से 20000 करोड़ रुपए आंकी गई है। कृषि व बागवानी के क्षेत्र में किसानों की आर्थिकी सुदृढ़ करने में मधुमक्खियों का अहम योगदान रहता है। विश्व भर में मधुमक्खियों की लगभग 20000 प्रजातियां पाई जाती हैं। मधुमक्खी पालन व्यवसाय से किसान अच्छी आय अर्जित कर रहा है। यह एक वैश्विक गतिविधि है, जिससे लाखों मधुमक्खी पालक अपनी आजीविका के लिए मधुमक्खियों पर निर्भर हैं। विश्व भर में लगभग 18.8 लाख मीट्रिक टन शहद का उत्पादन किया जाता है, जबकि भारत में 1.08 लाख मीट्रिक टन शहद उत्पादित किया जाता है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की एक रिपोर्ट के अनुसार 2020-21 में भारत से 61333 मीट्रिक टन शहद निर्यात किया गया जिसकी कुल कीमत 1489.81 करोड़ रुपए थी। औषधीय गुणों से भरपूर शहद का आयुर्वेद में विशिष्ट स्थान रहा है। इससे लगभग 600 प्रकार की बीमारियों के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन विडंबना यह है कि आयुर्वेद के जनक भारत देश में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष मात्र 50 ग्राम शहद का उपभोग किया जाता है, जबकि विश्व में यह 250 से 300 ग्राम है। सबसे अधिक जर्मनी में यह प्रति व्यक्ति 2 किलोग्राम प्रति वर्ष है। मधुमक्खियों से हमें शहद के अलावा अन्य पदार्थ भी प्राप्त होते हैं, जिसमें रॉयल जैली, पोलन, मोम, प्रोपोलिस व जहर शामिल हैं। मधुमक्खी के विष को औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता है जिसकी कीमत बाजार में एक करोड़ रुपए प्रति किलोग्राम है। गठिया, कैंसर, पार्किंसन, अल्जेमर आदि रोगों के उपचार हेतु इसे प्रभावशाली माना गया है। रॉयल जैली, प्रोपोलिस और मोम का उपयोग सौंदर्य प्रसाधन व औषधि उद्योग में किया जाता है। इन उत्पादों के अतिरिक्त मौन पालक मधुमक्खियों को प्रजनन के माध्यम से नई रानी तैयार करके अथवा मौन वंशों को विभाजित कर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं। हिमाचल के सेब बहुल क्षेत्रों में फूलों के खिलने के समय परागण के उद्देश्य से मधुमक्खियों के डिब्बों को बागीचे में रखा जाता है। मौन पालक इन डिब्बों को किराए पर देते हैं, जिससे बागीचों की फल उत्पादकता में बढ़ोतरी होती है। मधुमक्खियां नर फूलों से परागण एकत्रित कर जब मादा फूल पर भ्रमण करती हैं तो उनके शरीर से चिपके परागकण फूल के मादा भाग के संपर्क में आकर परागण प्रक्रिया को पूरा करते हैं। इनसान के बेबुनियादी हस्तक्षेप के कारण आज मधुमक्खियों का अस्तित्व खतरे में पड़ता जा रहा है, जिससे इनकी बहुत सी प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं।

अमृत कलश

भविष्य है वासना

और मेरे देखे, न तो समाज सत्य है, न समय सत्य है; सत्य है तो केवल व्यक्ति। चूंकि व्यक्ति के पास स्पंदित प्राण है जीवन है बोध है आत्मा है। समाज के पास न तो कोई आत्मा है, न कोई ¾ दय का स्पंदन है, न जागने की कोई संभावना है। जागने वाला ही वहां कोई नहीं; विवेक ही वहां कोई नहीं। और समय तो मनुष्य की वासनाओं का विस्तार है। अतीत का कोई अस्तित्व नहीं। जो बीता सो बीता, अब कहीं भी नहीं है, सिवाय तुम्हारी स्मृतियों में। जैसे यात्री गुजर जाए और धूल उड़ती रह जाए; उड़ती हुई धूल यात्री नहीं है। जैसे गीत विदा हो जाए और गूंज रह जाए; गूंज गीत नहीं है। मंदिर की घंटियां बज चुकीं हों और मंदिर के सन्नाटे में उनकी गूंज थोड़ी देर तक छाई रहे, वैसी ही तुम्हारी स्मृति है–अतीत की धूल से ज्यादा नहीं; अतीत के धुएं से ज्यादा नहीं। जो जा चुका है उसकी अनुगूंज। तुम्हारी स्मृति के सिवाय अस्तित्व नहीं है कोई अतीत का। और भविष्य का कोई अस्तित्व नहीं है। भविष्य अभी आया ही नहीं है, उसका अस्तित्व कैसे होगा? लेकिन जो विक्षिप्त हैं वे अतीत में और भविष्य में ही जीते हैं। जो विमुक्त हैं वे वर्तमान में जीते हैं। क्योंकि वर्तमान ही केवल है। उसका न तुम्हारी स्मृति से कोई संबंध है और न तुम्हारी वासना से। अतीत है स्मृतियों का संग्रह। जिन मुर्दों को तुम ढो रहे हो, वह अतीत है। जिन्हें तुम ढो रहे हो वे लाशें हैं– सड़ गईं, उनसे दुर्गंध उठ रही है। उस दुर्गंध ने तुम्हारा नर्क बना दिया है। मगर तुम लाशों को छोड़ते नहीं। तुम लाशों को सजाते हो। तुम लाशों की पूजा करते हो। तुम मुर्दों के भक्त हो। तुम मृत्यु के आराधक हो। और फिर अगर तुम्हारा जीवन इसी मृत्यु के नीचे दब जाता है, इसी जहर से विषाक्त हो जाता है, तो कुछ आश्चर्य नहीं। यह स्वाभाविक निष्पत्ति है। और अगर किसी तरह अतीत से छूटे भी तो एक पागलपन से छूटते नहीं कि तत्क्षण दूसरे पागलपन में पैर जमाकर खड़े हो जाते हो। वह दूसरा पागलपन है: भविष्य। अतीत है स्मृति और भविष्य है वासना, कल्पना–ऐसा हो, ऐसा हो जाए। और जैसा तुम चाहते हो वैसा कभी न होगा। कभी हो भी जाए भूलचूक से, कभी संयोगवशात वैसा हो भी जाए–तुम्हारे किए तो नहीं, लेकिन संयोग से हो जाए–तो भी तृप्ति नहीं आएगी।

बोध कथा

जंजीर आभूषण नहीं

एक बार संत से एक व्यक्ति ने पूछा कि भगवान आप दिन-रात हजारों लोगों को उपदेश देते रहते हैं, पर जिज्ञासा वश पूछना चाहता हूँ कि आप के प्रवचनों से कितने लोग मुक्ति को उपलब्ध हुए हैं। संत ने कहा, "तुम्हारे इस प्रश्न का जवाब अवश्य दूंगा पर तुम्हें मेरा एक काम करना होगा। गाँव में जाओ और प्रत्येक व्यक्ति से उसकी एक इच्छा पूछो और उसे लिखकर ले आओ।" वह व्यक्ति गाँव में गया और एक-एक व्यक्ति से उसकी इच्छा पूछकर उसे लिखने लगा। किसी ने पुत्र-प्राप्ति की इच्छा तो किसी ने उत्तम स्वास्थ्य की, किसी ने धन-संपत्ति की तो किसी ने ऊँचे पदों की इच्छाएं जताईं। शाम तक वो युवक सभी की इच्छाएं पूछकर संत के पास आया और संत के चरणों में गिर पड़ा। संत ने कहा, "देखा तुमने! तुमने इतने लोगों से उनकी एक-एक इच्छा पूछी है पर किसी ने भी षड विकार दूर करने एवं मोक्ष की, ध्यान की या परमात्मा की इच्छा नहीं जताई। स्वयं भगवान भी आकर यदि लोगों से कुछ मांगने को कहें तो भी लोग परमात्मा से परमात्मा नहीं, बल्कि संसार ही मांगेंगे। लोग चेतना के जिन निम्न तलों पर आज हैं उससे ऊपर उठने की प्यास तो उन्हें स्वयं ही अपने भीतर लानी होगी। लोग जंजीरों को आभूषण समझे बैठे हैं और आभूषणों को अज्ञानवश जंजीर बना बैठे हैं। लोगों को होश लाना ही होगा। समझ विकसित करनी ही होगी। जैसे जैसे होश और बोध सधता जायेगा, इस पार्थिव देह में चेतना का ज्वार उर्ध्व गमन को उपलब्ध होता जायेगा। परमात्मा तो वहीं देता है जो तुम कर्म करते हो।

नागरिक बोध

पर्यावरण की महान चिंता

गुलदस्ते प्रतियोगिताएं, रैलियां, भाषण, वृक्षारोपण, पुरस्कार, सेल्फियां, ख़बरें और दूसरे उपायों में भी शामिल हुए। उन्होंने सार्वजनिक स्तर पर यही कहा कि पर्यावरण रक्षा की हर दिशा में विकास हुआ है, लेकिन उन्हें भी पता था कि हुआ क्या है और क्या नहीं हुआ। चुनाव में पर्यावरण मुद्दा नहीं होता, लेकिन इस बार की चिंता में उनकी पवित्र आत्मा भी शामिल थी, इसलिए अब उन्हें नए ढंग से पर्यावरण की चिंता करनी थी। पर्यावरण का संजीदा फायदा हो, इसलिए उन्होंने निश्चय लिया कि वे अपनी जीवन शैली ही बदल डालेंगे। कल से रोज जमीन पर बिछाई दरी पर बैठकर कुछ मिनट तक आंखें वाकई बंद कर चिंतन करेंगे। आज तक उन्होंने कोई भी कार्य ध्यान से नहीं किया, लेकिन अब रोज ध्यान लगाया करेंगे ताकि उनके विचार शुद्ध हों, उनमें आत्मिक शक्ति बढ़े। यह शुभ कार्य घर में नहीं हो पाएगा, यह मानकर उन्होंने निर्णय लिया कि पड़ोस के पार्क में करेंगे, वही पार्क जिसे एक बार बनाने के बाद बिल्कुल भुला दिया गया। उन्होंने अगला संकल्प लिया कि अपना पहनावा भी बदल देंगे और रोज नीला या हरा रंग ही पहना करेंगे। हर रविवार को सिर्फ सफेद वस्त्र ही धारण करेंगे ताकि शांति का ही स्थापित रहे और उनके व्यक्तित्व से शांति का ही सम्प्रेषण हो। पर्यावरण सुधारने के लिए जो भी सोचेंगे, लकड़ी की पुरानी, आरामदायक कुर्सी पर बैठकर भी सोचेंगे और संकल्प लिया कि कुर्सी पर विराजने के बाद कभी आंख मींच कर सोच-विचार नहीं करेंगे, बल्कि पूरी आंखें खोलकर ही सोचेंगे। गहन विचार के लिए ठोडी के नीचे बार-बार उंगलियां चिपकाकर सोचा करेंगे। सिर पर हाथ रखकर कभी न सोचेंगे क्योंकि इससे गलत संदेश स्वतः ही प्रेषित हो जाता है कि बंदा परेशान है। उन्होंने जीन्स पहनकर काफी मंथन किया और करवाया भी, लेकिन बात नहीं बनी। इस बार फिर से बढ़िया ब्रांड की नीले रंग की नेकर पहनकर, सफेद रंग की टी-शर्ट जिस पर एक चिड़िया की तस्वीर और 'लव नेचर' भी छपा था, कई बार पहनी। हरे रंग की कैप लगाकर भाषण सुने और दिए और हाथ में सफेद दस्ताने पहनकर समाज व पर्यावरण के जिम्मेदार लोगों के साथ दौड़ लगाई। लेकिन अपनी ही सुबह फिर लगने लगा कि कुछ ठोस नहीं हुआ। दिमाग फिर कहने लगा कि कुछ और सोचो। फिर एक दिन प्लास्टिक का सामान निजी तौर पर घर से बाहर करने के लिए लिस्ट बनाई, लेकिन इतने सालों से व्यावहारिक उपयोगिता व पत्नी की डांट के कारण लिस्ट फाड़नी पड़ी। पत्नी ने कहा मैं प्लास्टिक का सारा सामान जोकि मुझे बहुत प्रिय है, घर से बाहर करने के लिए तैयार हूँ ताकि पर्यावरण जल्दी सुधर जाए, लेकिन घर का वातावरण ठीक रखने के लिए पहले यह बताइए कि पीतल का नया सामान लाने के लिए बजट कहां से आएगा, फिलहाल कल मेरे साथ मॉल चलें ताकि शॉपिंग हो सके। काफी सामान खरीदना है। यह बात कल रात सोते समय हुई थी। उन्होंने सोमवार सुबह से योग का सहारा लेने का निश्चय किया।

पुतिन सरकार ने 500 अमेरिकियों पर लगाए प्रतिबंध, ओबामा समेत यह बड़े नाम नहीं रख पाएंगे रूस में कदम

मॉस्को ।

रूस ने एलान किया कि उसने देश में 500 अमेरिकी नागरिकों की एंट्री को बैन कर दिया है। इनमें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से लेकर टेलीविजन जगत की कई बड़ी हस्तियों के नाम शामिल हैं। रूसी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि बाइडन प्रशासन की तरफ से बार-बार रूस पर लगाए जा रहे प्रतिबंधों के मद्देनजर अब पुतिन सरकार भी 500 अमेरिकियों के लिए अपने दरवाजे बंद कर रही है। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर अमेरिका लगातार रूसी कंपनियों और लोगों को अपनी ब्लैकलिस्ट में शामिल कर रहा है, जिससे रूसी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया जा सके। अमेरिका ने रूस से जुड़े 100 से ज्यादा संस्थानों और लोगों को प्रतिबंधित कर दिया था। हालांकि, रूस की तरफ से ऐसा कोई कदम काफी कम ही देखा गया। अमेरिका के इन कदमों पर रूस के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि वॉशिंगटन को काफी पहले सीख लेना चाहिए था कि उसका कोई भी दुश्मनी वाला कदम बिना जवाब के नहीं होगा। जिन लोगों को रूस की तरफ से बैन किया गया है, उनमें टीवी होस्ट स्टीफन कोल्बर्ट, जिमी किमेल और सेथ मायर्स शामिल हैं। सीएनएन एंकर एरिन बर्नेट और एमएसएनबीसी प्रेजेंटर्स जो स्कारबरो के नाम भी लिस्ट में शामिल हैं। रूस ने कहा है कि उसने अमेरिकी सांसदों और रूस के खिलाफ गलत जानकारी फैलाने वाले थिंक टैंक के लोगों को भी ब्लैकलिस्ट किया है। इसके अलावा यूक्रेन को हथियार सप्लाई करने वाली कंपनियों के प्रमुख अधिकारियों को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसी बयान में रूस की ओर से कहा गया है कि उसकी तरफ से अमेरिकी पत्रकार इवान गोरशकोविच के लिए कॉन्स्युलर विजिट को मंजूरी नहीं दी है। इवान को इसी साल मार्च में जासूसी के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले अमेरिका ने भी संयुक्त राष्ट्र के सत्र के लिए आने वाले रूसी पत्रकारों और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के लिए वीजा जारी करने से इनकार कर दिया था। ट्विटर ने माइक्रोसॉफ्ट पर लगाया अपने डाटा के दुरुपयोग का आरोप, कानूनी जंग शुरू होने की आशंकापेन अमेरिका गाला में सम्मानित हुए रुश्दी नौ माह पूर्व जानलेवा हमले में बाल-बाल बचे सलमान रुश्दी पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए और उन्हें पेन शताब्दी साहस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

भारत-अमेरिका मिलकर करेंगे लंबी दूरी की तोपों और जेट इंजन का उत्पादन, दोनों देशों के बीच बातचीत जारी

वाशिंगटन । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के मद्देनजर दोनों देशों के अधिकारियों ने 'महत्वपूर्ण तथा उभरती हुई प्रौद्योगिकियों पर पहल' (आईसीईटी) के तहत जेट इंजन, लंबी दूरी तक मारक क्षमता वाली तोपों तथा इंफेंट्री वाहनों का साथ में मिलकर उत्पादन करने पर चर्चा की। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवन ने इस वर्ष के शुरू में आईसीईटी की शुरुआत की थी। भारत के रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने के साथ पेंटागन में हुई बैठक में अमेरिका की उप रक्षा मंत्री कैथलीन हिक्स ने आईसीईटी के तहत जेट इंजन, लंबी दूरी की क्षमता वाली तोपों और इंफेंट्री वाहनों के सह-उत्पादन के प्रस्तावों को दोनों देशों के रक्षा क्षेत्र के बीच संबंधों के मजबूत करने का 'अभूतपूर्व अवसर' बताया। पेंटागन के प्रवक्ता एरिक पैहोन ने बताया, दोनों अफसरों ने रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने और संचालनात्मक साझेदारी बढ़ाने समेत भारत-अमेरिकी रक्षा साझेदारी मजबूत करने की प्राथमिकताओं पर चर्चा की। पैहोन ने बताया कि हिक्स ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं समृद्धि को बढ़ावा देने की महत्ता पर जोर दिया।

पीएम के प्रधान सचिव ने उच्च स्तरीय पैनल में लिया भाग, विकासशील देशों में आपदा जोखिम को कम करने पर की चर्चा

न्यूयॉर्क । आपदा जोखिमों को कम करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा इन दिनों न्यूयॉर्क में है, वह विकासशील देशों में आपदा जोखिमों को कैसे कम किया जाए इसको लेकर कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। इस कड़ी में उन्होंने न्यूयॉर्क में एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लिया जहां उन्होंने विकासशील देशों में लचीलापन बढ़ाने और आपदा जोखिम को कम करने के बारे में बात की। बोत्सवाना सरकार द्वारा उच्च स्तरीय पैनल का आयोजन किया गया था। बैठक के दौरान पैनलिस्ट ने एलएलडीसी के सामने आने वाली कई चुनौतियों को पहचाना। संयुक्त राष्ट्र में भारत के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने ट्वीट किया कि पीएम के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने बोत्सवाना सरकार द्वारा आयोजित एक उच्च स्तरीय पैनल में भाग लिया, जिसका विषय लचीलापन बढ़ाना और लैंडलॉक्ड विकासशील देशों में आपदा जोखिम को कम करना था। इस दौरान उन्होंने विकासशील देशों में आपदा जोखिम लेककर सामना की जाने वाली चुनौतियों को वहां मौजूद लोगों के सामने रखा। पीके मिश्रा ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मिश्रा ने कहा कि भारत आपदा जोखिम में कमी के मुद्दों को बहुत महत्व देता है और केवल एक दशक में हम चक्रवातों से होने वाले नुकसान को दो प्रतिशत से भी कम करने में सक्षम हुए हैं। उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में, हम आपदा जोखिम में कमी के मुद्दों को अत्यधिक महत्व देते हैं। यह एक केंद्रीय सार्वजनिक नीति का मुद्दा है। हमने आपदा जोखिम में कमी के लिए निर्धारित धन में काफी वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि केवल एक दशक से अधिक समय में, हम चक्रवातों से होने वाले जीवन के नुकसान को दो फीसदी से भी कम करने में सक्षम हुए हैं। अब हम सभी खतरों से होने वाले नुकसान के जोखिम को कम करने के लिए महत्वाकांक्षी कार्यक्रम विकसित कर रहे हैं, इनमें भूस्खलन, हिमनदी झील का फटना बाढ़, भूकंप , जंगल की आग, गर्मी की लहरें और बिजली शामिल हैं।

भारतीयों के लिए लंबी प्रतीक्षा की वजह देश आधारित कोटा, संसद बदल सकती है निर्धारित व्यवस्था

वाशिंगटन। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवाओं के निदेशक के वरिष्ठ सलाहकार डगलस रैंड ने कहा कि भारत समेत चीन, मेक्सिको व फिलीपीन के लोगों के लिए ग्रीन कार्ड के लंबे और कष्टदायक इंतजार की वजह इसके आवंटन में हर देश के लिए निर्धारित कोटा व्यवस्था है। उन्होंने कहा, इसे सिर्फ संसद ही बदल सकती है। ग्रीन कार्ड को आधिकारिक रूप से स्थायी निवास कार्ड के रूप में जाना जाता है। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी डगलस रैंड ने कहा कि अमेरिका में स्थायी रूप से रह रहे किसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों को दिए जाने वाले ग्रीन कार्ड पर वार्षिक सीमा पूरी दुनिया के लिए 2.26 लाख है जबकि रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड की वार्षिक सीमा 1.40 लाख है। उन्होंने वीजा तथा दूतावास संबंधी मुद्दों पर ऑनलाइन आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकियों से कहा कि परिवार के सदस्यों को दिए जाने वाले और रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड पर हर देश के लिए वार्षिक 7 फीसदी का कोटा है।

इमरान के घर की तलाशी का वारंट

दावा- वहां से भागे 14 आतंकी पकड़े ; पीटीआई नेताओं पर पार्टी छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में पंजाब सरकार की टीम सर्च का वारंट लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के जमां पार्क स्थित घर पहुंची और घर में घुसे 'आतंकियों' को सौंपने और सर्च पर बात की। हालांकि, सहमति नहीं बनी और टीम रात में लौट गई। इससे पहले पंजाब के सूचना मंत्री आमिर मीर ने दावा किया था कि घर में आतंकी घुसे हुए हैं और वहां से भागते हुए 14 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि 2200 वांटेड की सूची इमरान को दी गई है। इमरान खान ने कहा कि वे हाई कोर्ट के आदेश के मुताबिक केवल एक व्यक्ति को सर्च की इजाजत देंगे। उन्होंने वांटेड बताकर पार्टी के 7500 लोगों को पकड़ा है।

पीटीआई नेताओं पर पार्टी छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा

इमरान की गिरफ्तारी के बाद ही उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीके इंसाफ के हजारों समर्थकों और नेताओं की गिरफ्तारी कर नेताओं पर पार्टी छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा है। गिरफ्तारी के बाद लाहौर में कोर कमांडर मुख्यालय 'जिन्ना हाउस', रावलपिंडी में सैनिक मुख्यालय सहित सैन्य दुकानों और घरों पर हमलों को इसके लिए आड़ बनाया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया पर इन हमले की निंदा का अभियान चलाया जा रहा है। 11 मई को ही सेना के समर्थन में बैनर लगा दिए गए। कार रैलियां और कैंडल मार्च किए जा रहे हैं। 9 मई की घटना के बाद 18 नेता पार्टी छोड़ चुके हैं और 50 और छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

सेना के समर्थन में कट्टरपंथी संगठन, मौलाना फारूकी का देश भर में रैलियों का ऐलान

इमरान की पार्टी के विरोध और सेना के समर्थन में कट्टरपंथी संगठन सामने आ रहे हैं। जिन्ना हाउस पर हमले के विरोध में कट्टरपंथी संगठन अहले सुन्नत वल जमात के नेता मौलाना औरंगजेब फारूकी ने देश भर में रैलियों का ऐलान किया है। यह आतंकी एजेंसी के अनुसार सैकड़ों शियाओं की हत्या में शामिल रहा है। 2012 में उस पर प्रतिबंध लगा था। मानवाधिकारवादी कार्यकर्ता इस्मत शाहजहां का कहना है कि इमरान की गिरफ्तारी के बाद हुए हमलों की निंदा करनी चाहिए, लेकिन हमलों के विरोध में प्रतिबंधित संगठनों का सड़क पर उतरना और सेना के समर्थन में प्रदर्शन करना कोई बहुत अच्छा नहीं है।

मार्शल लॉ में भी ऐसा दमन नहीं हुआ: खान

इमरान खान ने कहा है कि ऐसा दमन जिया उल हक और परवेज मुशर्रफ के मार्शल लॉ के दौरान भी नहीं हुआ। वे सोचते हैं कि हम भेड़ें हैं जिन्हें डराकर झुकाया जा सकता है लेकिन हम इंसान हैं और हम अल्लाह के अलावा किसी के सामने नहीं झुकते। इस बीच 9 मई की हिंसा के तीन मामलों में 2 जून तक इमरान खान की गिरफ्तारी को अदालत ने रोक दिया है।

पीटीआई में इस्तीफों का सिलसिला जारी

पीटीआई से इस्तीफों का सिलसिला जारी है। खैबर पख्तूनख्वा के पूर्व मंत्री मो. इकबाल वजीर ने इस्तीफा देते हुए कहा है कि ऐसी पार्टी में बने रहने को उनका जमीर गवारा नहीं कर रहा है जो राज्य संस्थानों पर हमले करा रही हो। वहीं, 9 मई की हिंसा के लिए पीटीआई के एक और नेता और सिंध के पूर्व गवर्नर इमरान इस्माइल को उनके घर से गिरफ्तार किया गया है।

क्या है अल-कादिर ट्रस्ट केस

सरकार के मुताबिक खान जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने लैंड माफिया मलिक रियाज को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाया। लंदन में उसके 40 अरब जब्त कराए। बाद में ये पैसा ब्रिटेन सरकार ने पाकिस्तान को सौंप दिया। इमरान ने यह जानकारी कैबिनेट को भी नहीं दी। इसके बाद इमरान ने अल कादिर ट्रस्ट बनाया। इसने अल कादिर मजहबी तालीम देने के लिए अल कादिर यूनिवर्सिटी बनाई। इसके लिए अरबों रुपए की जमीन मलिक रियाज ने दी।

बुशरा बीबी को डायमंड रिंग भी गिफ्ट की। बदले में रियाज के तमाम केस खत्म कर दिए गए। उसे करोड़ों रुपए के सरकारी ठेके भी मिले। होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने कहा- 60 अरब रुपए की चपत सरकारी खजाने को लगी। 13 महीने में एक बार भी इमरान या बुशरा पूछताछ के लिए नहीं आए। 4 साल बाद भी इस यूनिवर्सिटी में 32 स्टूडेंट्स ही हैं।

सऊदी अरब पहुंचे जेलेंस्की

अरब लीग समिट में बोले- जंग से नजरें न फेरें, हालात समझें; तेल कारोबार में रूस-सऊदी के मजबूत रिश्ते

रियाद ।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की सऊदी अरब पहुंचे। यहां उन्होंने अरब लीग समिट को संबोधित किया। उन्होंने रूस-यूक्रेन जंग के बीच अपने देश के सपोर्ट मांगा। कहा- जिन लोगों ने यूक्रेन से नजरें फेर ली हैं, जो यूक्रेन की हालात नहीं देख पा रहे हैं, मैं उनसे कहना चाहूंगा कि एक बार ईमानदारी से जंग के हालात को समझें। हम शांति और इंसाफ चाहते हैं। हमारे पास उतनी मिसाइलें नहीं हैं जितने हमारे दुश्मन के पास है। जेलेंस्की ने कहा- ईरान जंग में रूस को ड्रेन भेज रहा है। हमारे पास ज्यादा हथियार भी नहीं हैं। लेकिन हम डटे हुए हैं, क्योंकि सच्चाई हमारे साथ है। वहीं, सऊदी अरब और यूक्रेन के बायलैटरल रिलेशन्स को लेकर जेलेंस्की ने कहा- सऊदी हमारे लिए अहम है, हम आपसी सहयोग को एक नए मुकाम पर ले जाने के लिए तैयार हैं।

क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की

ये जेलेंस्की की सऊदी अरब की पहली यात्रा है। उन्होंने सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की। जेलेंस्की दोनों देशों के आपसी संबंधों को मजबूत करने, एनर्जी कोऑपरेशन और क्रीमिया में बंद करीब 180 राजनीतिक कैदियों के मुद्दे पर क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ चर्चा करेंगे।

22 देशों का संगठन है अरब लीग

24 फरवरी 2022 में शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग के बाद से जेलेंस्की ने अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई यूरोपीय देशों का दौरा किया है। इन देशों ने खुलकर रूस का विरोध किया है। अब जेलेंस्की उन देशों से समर्थन मांग रहे हैं, जो जंग को लेकर न्यूट्रल रहे हैं। अरब लीग में 22 देश हैं, इनमें से सिर्फ सीरिया ने रूस का समर्थन किया है। बाकि देश न्यूट्रल ही रहे हैं।

सऊदी और रूस के रिश्ते मजबूत

जंग के बाद से अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी समेत कई देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए हैं। लेकिन सऊदी अरब ने ऐसा नहीं किया है। हालांकि, सऊदी अरब ने इस साल की शुरूआत में यूक्रेन को 400 मिलियन डॉलर की मदद देने की बात कही थी। साथ ही रूस को जंग खत्म करने वाले ह्य रेजोल्यूशन का समर्थन किया था। बावजूद इसके सऊदी अरब तेल कारोबार में साझेदार रूस का साथ नहीं छोड़ना चाहता है।

इंसानी लापरवाही और जलवायु परिवर्तन ने सुखा दीं दुनिया की आधी से ज्यादा झीलें

वाशिंगटन ।

जलवायु परिवर्तन और इंसानी लापरवाही के चलते दुनियाभर की आधी से ज्यादा बड़ी झीले तेजी से सूख रही हैं। अमेरिका के वर्जीनिया विश्वविद्यालय के फांगफैंग याओ ने शोध के आधार पर दावा किया है कि 1990 के बाद से इन झीलों का अरबों लीटर पानी भाप बनकर उड़ चुका है और फिर से इनके पूरी तरह भरने की संभावनाएं कम हैं। इस शोध को हाल ही में साइंस जर्नल में प्रकाशित किया गया है। याओ के नेतृत्व में विज्ञानियों ने दुनिया के 95 फीसदी झील जल का प्रतिनिधित्व करने वाली 2,000 सबसे बड़ी झीलों का अध्ययन किया। इस अध्ययन में पता चला कि हर साल झीलों से 215 खरब लीटर पानी कम हो रहा है।

बारिश बढ़ी फिर भी सूख रही झीलें - अध्ययन के मुताबिक इलाकों में पहले से ज्यादा बारिश के बाद भी झीलें लगातार सूखती जा रही हैं, क्योंकि तापमान बढ़ने से ज्यादा पानी भाप बन कर उड़ रहा है। कृषि, बिजली उत्पादन और पीने के लिए भी झीलों के पानी का इस्तेमाल बढ़ा है। झीलों के सूखने के कारणों में बारिश

की अनियमितता व नदियों का रास्ता भी शामिल है।

तीन दशक के आंकड़ों से निकाले नतीजे - याओ व लिवने ने अपने अध्ययन के लिए बीते 30 साल के उपग्रह आंकड़ों का विश्लेषण किया है। इनके अधार पर एक कंप्यूटर मॉडल बनाया गया, जिससे झीलों से पानी के सूखने की मात्रा का अनुमान लगाया गया। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन के आंकड़ा को विश्लेषण का आधार बनाया गया है। शोधकर्ताओं ने बताया कि अमेरिका की सबसे बड़ी मीड झील ने 1992 से 2020 के बीच दो-तिहाई पानी खो दिया।

घर के गेट पर स्वास्तिक बनाने पर भारतीय को जेल, सऊदी अरब में पड़ोसी की शिकायत पर हुई कार्रवाई

रियाद ।

आंध्र प्रदेश के एक 45 वर्षीय इंजीनियर को सऊदी अरब में सिर्फ इस वजह से जेल जाना पड़ गया क्योंकि उसने अपने घर के गेट पर स्वास्तिक का निशान बनाया हुआ था। दरअसल पड़ोसी ने उस निशान को हिटलर का नाजी निशान समझ लिया था, जिसके बाद उसने पुलिस में इसकी शिकायत कर दी और पुलिस ने भी भारतीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। अब समझाने के बाद पुलिस समझ गई है कि यह निशान स्वास्तिक है, नाजी निशान नहीं लेकिन छुट्टी होने के चलते भारतीय इंजीनियर को बेवजह दो दिन जेल में बिताने होंगे।

क्या है पूरा मामला - आंध्र प्रदेश के गुंटूर के रहने वाले एक इंजीनियर बीते एक साल से भी ज्यादा समय से सऊदी अरब में रहकर नौकरी कर रहे हैं। करीब 15-20 दिन पहले ही इंजीनियर ने अपने परिवार को भी सऊदी अरब बुला लिया था। परिजनों ने अपनी धार्मिक मान्यता के चलते अपने फ्लैट के गेट पर स्वास्तिक का निशान बना दिया। जिसे उनके पड़ोसी एक स्थानीय अरब व्यक्ति ने हिटलर का नाजी निशान समझ लिया। इसके बाद

स्थानीय व्यक्ति ने पुलिस को इसकी शिकायत की और कहा कि उसको जान को खतरा है। शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आंध्र के इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया। इंजीनियर ने काफी समझाने की कोशिश की कि यह नाजी निशान नहीं बल्कि हिंदू धर्म का पवित्र निशान है लेकिन पुलिस अधिकारी नहीं माने और केमिकल इंजीनियर भारतीय व्यक्ति को जेल में डाल दिया।

एनआरआई एक्टिविस्ट ने की मदद - एनआरआई एक्टिविस्ट मुजम्मिल शेख, भारतीय इंजीनियर की मदद के लिए आगे आए और उन्होंने अधिकारियों को समझाया तो आखिरकार पुलिस वाले मान गए। हालांकि छुट्टी का दिन होने के चलते भारतीय इंजीनियर को बिना किसी अपराध के दो दिन जेल में बिताने होंगे। मुजम्मिल शेख ने बताया कि संस्कृति की गलतफहमी के चलते यह घटना हुई। हमने अधिकारियों को बताया कि स्वास्तिक का निशान हिंदू धर्म में काफी पवित्र माना जाता है और सुख-समृद्धि के लिए इसे घरों के गेट पर बनाया जाता है। सऊदी अरब में भारतीय समुदाय के लिए काम करने वाले केरल के नैस शौकत अली ने भी भारतीय इंजीनियर की मदद की। बता दें कि नाजी निशान काले रंग का होता है और उसके चारों तरफ एक सफेद घेरा होता है। साथी ही वह निशान 45 डिग्री के कोण पर थोड़ा झुका हुआ होता है। वहीं स्वास्तिक का निशान चौकोर होता है और वह किनारों पर थोड़ा सा सीधी तरफ मुड़ा होता है और एक गोलाकार आकृति बनाता है। हिंदू धर्म में सभी शुभ कामों में स्वास्तिक बनाया जाता है।

अमेरिकी सेना पर आरोप- आतंकी की जगह किसान को मारा

सीरिया में अलकायदा लीडर पर यूएस स्ट्राइक के 16 दिन बाद आर्मी बोली- जांच करेंगे

वॉशिंगटन।

अमेरिका की सरकार एक ऐसे मामले की जांच करेगी जिसमें उसकी सेना पर अलकायदा लीडर की बजाए एक गरीब किसान को मारने के आरोप लगे हैं। दरअसल, अमेरिकी सेना ने 3 मई को सीरिया के कुरकानिया गांव में एक स्ट्राइक की थी। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड के मेजर जोन मूर ने कहा- हम सीरिया में की गई स्ट्राइक में किस की मौत हुई थी इसकी जांच कर रहे हैं।

स्ट्राइक के चंद घंटों बाद उसमें मरने वाले गरीब किसान के भाई 72 साल के मोहम्मद मस्तो ने अमेरिकी सेना के हमले पर सवाल उठाए थे। उसने बताया था कि स्ट्राइक में उसके 56 साल के भाई लोत्फी हसन मस्तो की मौत हुई थी। वो कोई अलकायदा का लीडर नहीं था, बल्कि शांति से अपने 10 बच्चों और पत्नी के साथ रहता था।

अमेरिकी सेना ने हैल फायर मिसाइल से किया था हमला

रिपोर्ट के मुताबिक 56 साल के मस्तो के बारे में गांव वालों ने कहा कि उसने पूरी जिंदगी गरीबी में गुजारी। अमेरिका के अटैक के दौरान वो अपनी भेड़ चरा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक उस पर हैलफायर मिसाइल से हमला हुआ है।

वहीं अमेरिकी डिफेंस के अधिकारी ने बताया है कि वो पूरी तरह यकीन नहीं है कि हमले में अलकायदा का लीडर ही मारा गया है। वहीं पेंटागन ने स्ट्राइक से जुड़ी और जानकारियां देने से इनकार कर दिया।

मिडल ईस्ट में अमेरिका की स्ट्राइक पर हमेशा से सवाल

2021 में अमेरिकी न्यूजपेपर ने एक जांच की थी। जिसमें पेंटागन की डॉक्यूमेंट्स का हवाला देते हुए बताया गया था कि मिडल ईस्ट में अमेरिका ने कई ऐसी एयर स्ट्राइक की हैं, जिसमें आतंकियों की बजाए 1300 आम नागरिकों की मौत हुई। हालांकि, इसके जिम्मेदार किसी भी अधिकारी पर कोई एक्शन नहीं लिया गया।

सीरिया में आतंक मिटाने के नाम पर सालों से अमेरिका स्ट्राइक कर रहा है। 2016 में जुलाई में अमेरिका ने दावा किया था कि उसके हमले में इस्लामिक संगठन के 85 लड़ाके मारे गए। बाद में खुलासा हुआ कि स्ट्राइक में लड़ाकों की बजाए सीरिया के 120 गांव वाले लोगों की मौत हुई। सिर्फ सीरिया ही नहीं बल्कि अफगानिस्तान और ईराक से भी इस तरह की कई रिपोर्ट्स आई हैं।

सचिन पायलट की जन संघर्ष यात्रा से कांग्रेस का कोई लेना-देना नहीं : रंधावा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की ओर से पिछले दिनों निकाली गई जन संघर्ष यात्रा से कांग्रेस का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने साफ कर दिया कि कांग्रेस किसी पुराने नेता को नहीं निकालती, पॉलिटिक्स में कोई परमानेंट दुश्मन नहीं होता। जो कांग्रेस छोड़कर गए हैं, उनका हश्र सबके सामने हैं। प्रदेश प्रभारी रंधावा शनिवार को जयपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। रंधावा ने एक बार फिर दोहराया कि सचिन पायलट ने जो यात्रा निकाली वह उनकी निजी थी। इससे कांग्रेस का कोई लेना-देना नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने सचिन पायलट के अल्टीमेटम को लेकर साफ कर दिया कि उस अल्टीमेटम का जवाब तो मुख्यमंत्री देंगे। उन्होंने कहा कि मैं इतना कहना चाहता हूं कि अगर सचिन पायलट जो आरोप लगा रहे हैं उन्हें फैक्ट के साथ जनता के बीच रखेंगे तो सुखजिंदर सिंह रंधावा वह पहले व्यक्ति होंगे जो खुद मुख्यमंत्री को कहेंगे कि इनके आरोपों की फॉस्ट ट्रैक में जांच हो।

रंधावा ने कहा कि यात्रा होनी चाहिए लेकिन मैंने पहले भी कहा था कि उसके पहले प्रॉपर बात पार्टी प्लेटफार्म पर होनी चाहिए। पार्टी की मीटिंग में बात रखनी चाहिए थी। चीफ मिनिस्टर और पूरी कांग्रेस के लीडर बैठते हैं। वहां पर अगर उनकी बात नहीं सुनी जाती है तो हम समझ सकते हैं कि इनकी सुनी नहीं गई और जवाब नहीं दिया गया, इस स्थिति में यात्रा निकाल लेनी चाहिए थी। रंधावा ने कहा कि अगर पार्टी मीटिंग में सचिन पायलट की आवाज नहीं सुनी जाती तो वह यात्रा निकाल सकते थे, लेकिन कर्नाटक इलेक्शन से पहले अनाउंसमेंट करना और वोटिंग से पहले यात्रा निकालना अच्छी बात नहीं है। करप्शन के अगेंस्ट मैं भी चाहता हूं कि एक्शन होना चाहिए, लेकिन साथ में पायलट को गजेंद्र सिंह शेखावत और संजीवनी मामले में भी वसुंधरा राजे की ही तरह टाइम बाउंड इंक्वायरी की बात करनी चाहिए थी। रंधावा ने कहा कि मेरी ओर से आलाकमान को रोजाना एक रिपोर्ट जाती है कि कौन कांग्रेस के अगेंस्ट में बात कर रहा है और कौन कांग्रेस के पक्ष में। यह डे टू डे का कार्यक्रम है। प्रदेश प्रभारी ने कहा कि पॉलिटिक्स में कभी कोई परमानेंट दोस्त और परमानेंट दुश्मन नहीं होता। ऐसे में राजस्थान में नेताओं के बीच दूरियां जैसी कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि जब भी पायलट से बात होगी तो वह सबके सामने करेंगे। पायलट पर कार्रवाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम सभी लीडर साथ बैठेंगे, कांग्रेस पार्टी कभी किसी को नहीं निकालना चाहती। कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जो हर आदमी का सत्कार करती है और जो पुराने लोग हैं उन्हें तो कभी नहीं छोड़ना चाहती। कांग्रेस को कोई छोड़ गया बात अलग है, लेकिन कांग्रेस ने किसी को नहीं छोड़ा। जो छोड़ कर गया उसका हाल सब जानते हैं।

राजस्थान में जी-पे का मतलब गहलोत-पे : शेखावत

लाडनूं/नागौर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार को सबसे भ्रष्टतम बताते हुए कहा कि आज राजस्थान में जी-पे जो है, वो गहलोत-पे बन गया है। इस सरकार ने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार कर दी हैं। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भाग लेने पहुंचे केंद्रीय मंत्री शेखावत ने मीडिया से अनौपचारिक बातचीत की। सचिवालय के करीब योजना भवन में ढाई करोड़ नकद और एक किलो सोना मिलने पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि निरंतर हम इस बात को कहते रहे हैं कि वर्तमान की गहलोत सरकार इस लोकतांत्रिक भारत के इतिहास में सर्वाधिक भ्रष्ट सरकार है। इसकी भ्रष्टता के आक्षेप केवल भारतीय जनता पार्टी ने लगाए हों, ऐसा नहीं है। विपक्षी लोगों ने लगाए हों, ऐसा नहीं है। पार्टी के पूर्व पीसीसी चीफ से लेकर वर्तमान में मंत्री पद पर बैठे लोगों से लेकर माननीय मुख्यमंत्री तक, एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने की होड़ सी पार्टी में मची हुई है, लेकिन इस पर मोहर उससे लगती है कि भ्रष्टाचार से इतना सारा कालाधन एकत्रित किया गया है कि दो-चार-पांच करोड़ रुपए और कई किलो सोना जो है, वह कहां

रखकर भूल गए हैं, अब इनको भी याद नहीं है। शेखावत ने तंज कसा कि मुझे लगता है कि आजकल डिजिटल करेंसी की भाषा में जैसे गूगल पे को जी-पे के नाम से पुकारा जाता है, आज राजस्थान में जी-पे जो है, वह गहलोत-पे बन गया है। राजस्थान सरकार ने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार कर दी हैं। शेखावत ने कहा कि पहला विषय तो यह जो लोगों के मन में संदेह पैदा करता है और जिसकी चर्चा बहुत तेजी के साथ में चल रही है कि शाम 4 बजे इस तरह का कैश बरामद होता है। रात को 11 बजे आकर आनन-फानन में डीजी और चीफ सेक्रेट्री प्रेस कांफ्रेंस करते हैं। डीजी और चीफ सेक्रेट्री की मौजूदगी में प्रेस कांफ्रेंस में कोई और अधिकारी बात कर रहा होता है। जो विषय सीधा-सीधा पैसे से जुड़ा है, जहां इललीगल, अनऑथराइज्ड, अनडिफाइंड, अनक्लेम्ड मनी मिली हो, वहां न एंटी करप्शन ब्यूरो को बुलाया जाए, न इनकम टैक्स को बुलाया जाए, वहां पर इतनी बड़ी मात्रा में धन संपदा बरामद होने पर न ईडी को इन्फॉर्म किया जाए। यह अपने आप में कई तरह के संदेह पैदा करता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की चर्चाएं भी चल रही हैं कि यह जितना डिस्क्लोज किया गया और जितना मिला है, उसमें भी बहुत बड़ा अंतर है।

नगरपालिका कर्मचारियों ने मंत्रियों के आवास पर प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद (हिंस)। अपनी मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से धरना-प्रदर्शन कर रहे नगरपालिका कर्मचारियों ने शनिवार को केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के सेक्टर 28 आवास पर व हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के सेक्टर-8 कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री व कैबिनेट मंत्री ने कर्मचारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार स्तर की मांगों का निवारण करवाने के लिए मुख्यमंत्री से बात कर मानी गई मांगों के पत्र जारी करवाएंगे तथा स्थानीय मांगों के समाधान के लिए निगम आयुक्त से बात कर समाधान करवाएंगे। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर व हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री के समक्ष कर्मचारियों की समस्याओं को रखा। उन्होंने हरियाणा सरकार को चेतावनी दी कि यदि 27 मई से पहले 29 अक्तूबर 2022 व 5 अप्रैल के समझौतों में मानी गई मांगों के पत्र जारी नहीं किए तथा जारी किए गए पत्रों को पालिका, परिषद, निगमों के अधिकारियों ने लागू नहीं किया, तो प्रदेश के पालिका, परिषदों व निगमों व अग्निशमन के हजारों कर्मचारी सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा द्वारा जींद में की जाने वाली चेतावनी रैली में भाग लेंगे। इसके बाद जनता से कर्मचारी आंदोलन के सहयोग की अपील करेंगे और उसके बाद 10 व 11 जून को कुरुक्षेत्र में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर मंच से ही बड़े आंदोलन की घोषणा करेंगे।

कुश्ती खिलाड़ियों के समर्थन में आई सर्व जातीय दाड़न खाप

जींद (हिंस)। उचाना स्थित सर्वजातीय दाड़न खाप चबूतरा पालवां की बैठक खाप के पालवां चबूतरे पर शनिवार को हुई। मीटिंग में विभिन्न मुद्दों पर खाप के गांवों से आए लोगों ने अपने-अपने विचार रखे। सर्वसम्मति से मीटिंग में मांगों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दे रहे कुश्ती खिलाड़ियों का समर्थन करने का फैसला लिया। ग्रामीण अंचल में परिवार में खुशी के अवसर पर बधाई मांगने आने वाले किन्नरों को 1100 रुपए तक दिए जाने का प्रस्ताव भी मीटिंग में पारित किया गया। खाप की एकता को लेकर भी अपने-अपने विचार मीटिंग में आए वक्ताओं ने रखे। अध्यक्षता खाप प्रधान सूरजभान घसो ने की। खाप महासचिव रामपाल झील ने बताया कि 21 मई को महम में पूरे प्रदेश की खापें एकत्रित

होगी। यहां पर जो फैसला होगा उसके साथ सर्व जातीय दाड़न खाप है। खाप के पालवां चबूतरे पर हुई मीटिंग में सर्वसम्मति से विभिन्न फैसले लिए गए है। अपने हकों के लिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दे रहे कुश्ती खिलाड़ियों को पूरा समर्थन खाप का है। परिवार में खुशी पर बधाई लेने के लिए आने वाले किन्नर कई बार ज्यादा राशि की मांग पर अड़ जाते है जिस पर विवाद तक हो जाते है। ऐसे में 1100 रुपए तक की राशि अगर किन्नर किसी खुशी के अवसर पर आए तो उन्हें दे। इससे अधिक राशि न दे। ऐसे ही खाप की एकता के लिए अपने-अपने विचार वक्ताओं ने रखे है। जल्द ही एक बड़ी मीटिंग बुलाई जाएगी। इसको लेकर कमेटी भी बनाई गई है। इस मौके पर इस मौके पर रामधन पूर्व सरपंच, एडवोकेट अमित श्योकंद, रमेश नंबरदार, अजमेर वकील, राजकुमार डूमरखां, सुरेश वकील, सूरजभान डूमरखां, रामपाल झील, सतपाल दरोली, महाबीर मंगलपुर, रमेश खरकभूरा, कपिल श्योकंद, प्रताप संदलाना मौजूद रहे।

भारत ने अमृतसर सेक्टर में पाकिस्तान के दो ड्रोन मार गिराए, हेरोइन बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर सरहदपार से देश में ड्रोन के माध्यम से ड्रग्स और हथियार भेजने के कदम को रोकते हुए कड़ा जवाब दिया है। बीएसएफ के जवानों ने शुक्रवार रात अमृतसर सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान के दो ड्रोन को मार गिराया। एक ड्रोन को अमृतसर सेक्टर के धारीवाल और दूसरे को रत्न खुर्द एरिया में ढेर किया गया। बीएसएफ के अनुसार शुक्रवार रात एक ड्रोन गांव धारीवाल के करीब मंडरा रहा था। उस पर निशाना साधकर फायरिंग की गई। फायरिंग के बीच ड्रोन की आवाज बंद हो गई।

मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बावजूद दर-दर की ठोकरें खा रहा राजेश

हिसार (हिंस)। कैमरी रोड क्षेत्र निवासी राजेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शिकायत भेजकर अपनी 10 कनाल जमीन पर हुए कब्जे को छुड़वाने की गुहार लगाई है। उन्होंने पत्र में मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने के बावजूद ठोस कार्रवाई न होने पर रोष जाहिर करते हुए जिम्मेवार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायतकर्ता राजेश ने शनिवार को बताया कि कैमरी रोड पर 33 फुट रोड पर उसकी 10 कनाल जमीन है और जमीन के कागजात उसके नाम है। कुछ समय से इस जमीन पर दो कॉलोनाइजरों प्रकाश टांक व रामनिवास शर्मा ने अवैध रूप से कालोनी काटकर कार्ड के नाम पर प्लॉट बनाकर बेच दिए और इस जमीन पर लगभग 15 मकान बना दिए गये। राजेश ने बताया कि उसके पिता आत्माराम की वर्ष 2020 में मृत्यु हो गई थी। जब उन्होंने अपनी जमीन को संभाला तो जमीन पर अवैध रूप से कॉलोनी काटी हुई मिली। राजेश ने आजाद नगर पुलिस थाना, सीएम विंडो, एसपी, डीसी, आईजी, गृह मंत्री, मुख्यमंत्री आदि को पत्र द्वारा अपनी जमीन पर हुए कब्जे की शिकायत भेजकर जमीन से कब्जा छुड़वाने की मांग की। दर्जनों बार इधर-उधर चक्कर काटने के बाद आखिरकार इस वर्ष 12 मार्च को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के गुजवि में आगमन के दौरान उनकी शिकायत पर मुख्यमंत्री ने स्वयं सुनवाई की व मौके पर उपस्थित डीटीपी कार्यालय के अधिकारी से जवाब मांगा तो वे सही जवाब नहीं दे पाए। इस पर मुख्यमंत्री ने डीटीपी को सारे मामले की तह तक जाकर उचित कार्रवाई करने के आदेश दिए। मुख्यमंत्री के आदेश पर डीटीपी कार्यालय द्वारा गत माह 18 अप्रैल को जमीन से कब्जा छुड़वाने के नाम पर लीपापोती करते हुए केवल चार दुकानों को तोड़ा गया, बाकी सब कब्जा वहीं की वहीं छोड़ दिया गया। राजेश ने बताया कि उन्हें डीटीपी कार्यालय द्वारा बताया गया कि इस जमीन पर मकान बनाकर रह रहे लोगों ने सामान उठाने के लिये तीन दिन का समय मांगा है, इसलिए बाकी कार्रवाई तीन दिन बाद की जाएगी। एक माह बीत जाने के बाद भी जमीन पर कब्जा बरकरार है। डीटीपी कार्यालय के चक्कर लगाने के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र द्वारा सूचित किया है कि उनकी जमीन से कब्जा हटवाया जाए व जिम्मेवार अधिकारियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की जाए।

अंबाला लोस व निगम चुनाव लड़ेगी आप : सुशील जैन

यमुनानगर (हिंस)। आम आदमी पार्टी के जिला मुख्यालय कार्यालय में शनिवार को पार्टी के संगठन विस्तार को लेकर चर्चा की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला यमुनानगर पूर्व चैयरमेन सुशील जैन ने की। सभी कार्यकर्ताओं ने आपसी चर्चा में संगठन को मजबूत करने को लेकर रणनीति बनाई गई। सुशील जैन ने बताया कि जब से यमुनानगर जिला बना है। तब से यमुनानगर के साथ हर सरकार दोहरा व्यवहार करती आई है। उन्होंने कहा कि जिला यमुनानगर इतना टैक्स राजस्व देता है फिर भी यमुनानगर की सड़कें, वायु हवा और सुरक्षा रखने में सरकार बेअसर दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में आगामी विधानसभा लोकसभा सभी चुनाव आम आदमी पार्टी बड़ी मजबूती के साथ लड़ेगी। जैन ने कहा कि अंबाला लोकसभा में बिल्कुल भी विकास नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि आआपा अंबाला लोकसभा और यमुनानगर नगर निगम के चुनाव बड़ी मजबूती के साथ लड़ेगी और आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी चुनाव में आम लोगों में से होंगे। उन्होंने कहा कि जालंधर लोकसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। ऐसे ही अंबाला लोकसभा के उपचुनाव में हमारी पार्टी जीतकर हरियाणा की व्यवस्था बदलेगी। विकास के कार्य जैसे दिल्ली में और पंजाब में कर रहे हैं। वैसे ही कार्य पार्टी हरियाणा में सरकार बनने पर करेगी।

अब हर जिले में दो लवकुश वाटिकाएं

जयपुर (हिंस)। प्रदेश के सभी जिलों में लवकुश वाटिकाएं विकसित की जाएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वाटिकाओं के लिए 66 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। इससे इको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। गहलोत के निर्णय से इन वाटिकाओं में वन एवं वन्यजीवों से संबंधित मॉडल स्थापित होंगे, जिनसे बच्चों को पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण की शिक्षा मिल सकेगी। यहां इको ट्रेल पथों का निर्माण और प्रदर्शनी के लिए जगह बनेगी। इन वाटिकाओं का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन को शिक्षित एवं जागरूक करना है।

देश का पहला मारवाड़ी घोड़े का बच्चा भ्रूण स्थानांतरण प्रौद्योगिकी से जन्मा

बीकानेर (हिंस)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र के अश्व उत्पादन परिसर में वैज्ञानिकों ने भ्रूण स्थानांतरण तकनीक का उपयोग करके घोड़े के बच्चे (बछेड़ी) का उत्पादन किया है। भ्रूण स्थानांतरण प्रौद्योगिकी में ब्लास्टोसिस्ट अवस्था (गर्भाधान के 7.5 दिन बाद) में एक निषेचित भ्रूण को दाता घोड़ी से एकत्र किया गया, जो प्राप्तकर्ता (सरोगेट) मां को सफलतापूर्वक स्थानांतरित कर दिया गया। सरोगेट मां ने एक स्वस्थ बछेड़ी को जन्म दिया है। बछेड़ी का नाम *राज-प्रथमा* रखा गया है और इसका वजन 23 किलोग्राम है। राजस्थान में बीकानेर स्थित अश्व उत्पादन परिसर इस प्रक्रिया को पूर्ण करने वाला देश का पहला संस्थान बन गया है।

मारवाड़ी घोड़ों की नस्ल आबादी तेजी से घट रही है। भारत में घोड़े की नस्लों की घटती आबादी के संरक्षण के लिए आईसीएआर-एनआरसीई लगन से काम कर रहा है। इस दिशा में मारवाड़ी घोड़े की नस्ल के भ्रूणों को हिमपातीय परिरक्षण करने के लिए एक परियोजना शुरू की गई थी। राष्ट्रीय पशुधन मिशन की एक परियोजना के तहत डॉ. टीआर टल्लूरी, डॉ. यशपाल शर्मा, डॉ. आरए लेघा और डॉ. आरके देदार ने मारवाड़ी घोड़ी में सफल भ्रूण स्थानांतरित किया। इस परियोजना में टीम को डॉ. सज्जन कुमार, मनीष चौहान ने भी सहयोग दिया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कृषि प्रबंधन में सहायता की। इस अवसर पर बताया गया कि अबतक टीम ने 10 मारवाड़ी घोड़े के भ्रूणों को सफलतापूर्वक विट्रिफिगेशन भी किया है। आगे का काम अधिक घोड़े के भ्रूणों को हिमपातीय परिरक्षण करने वाला है। वैज्ञानिकों की टीम को बधाई देते हुए निदेशक आईसीएआर, राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र डॉ. टीके भट्टाचार्य ने कहा कि भारत में घोड़ों की आबादी तेजी से घट रही है और बांझपन और गैर-प्रजनन करने वाली घोड़ी भी इसका एक कारण है। यह तकनीक ऐसे जानवरों से बछेड़े प्राप्त करने के लिए बहुत उपयोगी हो सकती है और उत्कृष्ट जानवरों से अधिक बछेड़े प्राप्त करने की सुविधा भी प्रदान कर सकती है। यह उन जानवरों पर भी लागू किया जा सकता है, जो बांझपन की पारंपरिक उपचार प्रणाली की प्रतिक्रिया नहीं देते हैं। उन्होंने बताया कि भारत में भ्रूण स्थानांतरण प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्पादित पहली मारवाड़ी बछेड़ी है।

किरायेदार या नौकर रखने से पहले पुलिस वेरिफिकेशन करवाना जरूरी : एसपी मीणा

सिरसा (हिंस)। पुलिस अधीक्षक उदय सिंह मीना ने कहा कि अपराध व अपराधियों पर और अधिक कारगर ढंग से अंकुश लगाने के लिए किरायेदारों व घरेलू नौकरों की पुलिस वेरिफिकेशन कराना अत्यंत जरुरी है। यह बात उन्होंने शनिवार को आमजन को जागरुक करते हुए कही। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कई बार कुछ अपराधिक प्रवृति के लोग आकर अपराध को अंजाम देने के लिए मकान किराए पर लेते हैं, और किराएदार बनकर चोरी, डकैती, लूट व बलात्कार जैसी घटनाओं का षड्यंत्र रच वारदात को अंजाम देते हैं। पुलिस अधीक्षक उदय सिंह मीना ने कहा है कि अब मकान या दुकान मालिकों को किराएदार या नौकर रखने से पहले पुलिस वेरिफिकेशन करवाना होगा । उन्होंने कहा कि पुलिस सत्यापन में लापरहवाही बरतनें पर मकान तथा दुकान मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कई बार मकान मालिकों तथा दुकानदारों द्वारा नौकरों और किरायेदारों का वेरिफिकेशन न करवाए जाने के कारण अक्सर बड़ी आपराधिक घटनाएं हो जाती हैं, जिस कारण से पुलिस को काफीपरेशानी का सामना करना पड़ता है।

जिला पुलिस प्रशासन की ओर से आमजन से अपील करते हुए कहा गया है कि घर में रह रहे किरायेदारों तथा फैक्ट्री होटलों, ढाबों इत्यादि पर काम कर रहे। व्यक्तियों की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवाएं क्योंकि कुछ अपराधी किस्म के व्यक्ति बाहर से आकर किराए पर रहकर अपराध को अंजाम देकर भाग जाते हैं।

महिला खिलाड़ियों के समर्थन में जन संगठनों का प्रदर्शन

फतेहाबाद (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों व जूनियर महिला कोच के उत्पीड़न के खिलाफ विभिन्न जन संगठनों सीटू और किसान सभा ने शनिवार को भूना में प्रदर्शन करके सरकार का पुतला फूंका। प्रदर्शन के माध्यम से जन संगठनों ने भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की। प्रदर्शन की अध्यक्षता किसान सभा के उप प्रधान राम स्वरूप ढाणी गोपाल ने की व संचालन सीटू जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा ने किया। जन संगठन नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसा झूठा नारा बंद कर देना चाहिए। एक तरफ जहां हरियाणा के मंत्री संदीप सिंह पर जूनियर कोच ने यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया, वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय महिला कुश्ती खिलाड़ियों ने भाजपा सांसद बृजभूषण शरण पर दर्जनों खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। इस मामले में भाजपा ने बेटियों की कोई सुनवाई नहीं की। आखिरकार सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद सांसद बृजभूषण शरण के खिलाफ यौन उत्पीड़न व पोक्सो के तहत मामला दर्ज करना पड़ा। एफआईआर दर्ज होने के

बावजूद दिल्ली पुलिस आरोपी सांसद को गिरफ्तार नहीं कर रही है। जन संगठनों के नेताओं ने कहा कि दोनों आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। इस अवसर पर किसान नेता बलबीर सिंह, मुंशी राम, हंसराज, जसवंत सिंह, प्रकाश, शीला देवी, सोमनाथ आदि मौजूद रहे।

सेना के काफिले का वीडियो रिकॉर्ड करने के आरोप में चार हिरासत में

जम्मू (हिंस)। जम्मू के अखनूर में सेना के एक काफिले का वीडियो रिकॉर्ड करने के आरोप में चार संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सेना ने शुरुआती पूछताछ के बाद इन सभी को पुलिस को सौंप दिया है। उन्होंने बताया कि ये चारों संदिग्ध लोग एक टेम्पो में सफर कर रहे थे। गिरफ्तार युवकों में नगरोटा का मोहम्मद शफीक, राजौरी के त्राल्ला गुजरान का जफर इकबाल, रियासी के महोर का जावेद इकबाल और राजौरी के गुरदान दर्द का टेम्पो चालक आमिर मलिक है। सूत्रों के मुताबिक सेना का एक काफिला जम्मू से पुंछ जा रहा था।

कलश यात्रा निकालकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के प्रति किया जागरुक

गुरुग्राम (हिंस)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत गुड़गांव गांव में कलश यात्रा निकालकर क्षेत्रवासियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के बारे में जागरूक किया गया। इसमें बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी वर्कर्स व हेल्पर तथा महिलाएं शामिल हुई। सर्कल सुपरवाईजर सुनीता ने बताया कि अभियान के प्रति लोगों में जागरुकता आई है। बेटियों को भी बेटों की भांति सम्मान मिल रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराई का विरोध करें। बेटियों को बेहतर शिक्षा दिलाएं, ताकि वे देश, समाज और परिवार का नाम रोशन कर सके। इस अवसर पर सुषमा, कौशल्या देवी, विशेष लता, मंजू, सरोज, दया, रेखा, सुनीता, मधु, लक्ष्मी, बबीता, रेखा सैनी, कमलेश, सुनीता, फूलवती, सीमा बाला, विमला, सुदेश, पूनम आदि मौजूद रही। वहीं दूसरी ओर जिले के गांव सरहौल में गुडिया पत्नी जलालुद्दीन के घर पुत्री जन्म होने

पर कुआ पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुपरवाईजर पूजा ने बताया कि महिलाओं को कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बेटियों को शिक्षा दिलाने, बेटा-बेटी में भेदभाव न करने, नवजात शिशुओं का पालन-पोषण करने, पौष्टिक आहार आदि के बारे में बताया गया।

सरकारी बैंकों को 1.05 लाख करोड़ का रिकॉर्ड मुनाफा, एनपीए भी घटा, इस वजह से लाभ में बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

सभी 12 सरकारी बैंकों का मुनाफा 2022-23 में बढ़कर 1,05,298 करोड़ रुपये के अब तक के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया। इसमें करीब आधी हिस्सेदारी अकेले एसबीआई की है, जो बैंक के मुनाफे के लिहाज से रिकॉर्ड है। वहीं, मार्च अवधि तिमाही में सभी 12 सरकारी बैंकों ने 34,643 करोड़ का मुनाफा कमाया है। खास बात है कि 12 सरकारी बैंकों में से कोई भी घाटे में नहीं है। इन बैंकों के बुरे फंसे कर्जों (एनपीए) में भी गिरावट आई है। इस रिकॉर्ड मुनाफे की कई वजह हैं। एक तो बैंकों ने अपनी बैलेंसशीट को साफ-सुथरा किया है। इस वजह से उन्होंने लाखों करोड़ रुपये के कर्ज को राइट ऑफ कर दिया है यानी उसे अपनी बैलेंसशीट से हटा दिया है। पिछले 6 साल में 9 लाख करोड़ के कर्ज बट्टे खाते में डाले गए हैं। इसके अलावा, कोरोना काल के बाद मांग बढ़ने पर बैंकों ने जमकर कर्ज बांटे। इसके साथ ही खुदरा कर्ज में भी भारी तेजी आई। आंकड़ों के मुताबिक, सरकारी बैंकों के एनपीए में भी भारी गिरावट आई है। 2022-23 में इनका शुद्ध एनपीए घटकर औसतन 1.43 फीसदी पर आ गया। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का एनपीए घटकर 2.72 फीसदी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का 1.77 फीसदी और यूनियन बैंक का 1.70 फीसदी रह गया।

सात बैंकों का कारोबार 10 लाख करोड़ के पार - 12 में सात सरकारी बैंकों का कारोबार 10 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। एसबीआई 77 लाख करोड़ के साथ सबसे आगे है। बैंक ऑफ बड़ौदा 21.73 लाख करोड़ के साथ दूसरे, पीएनबी (21 लाख करोड़) तीसरे, केनरा बैंक (20.41 लाख करोड़) चौथे, यूनियन बैंक (19.27 लाख करोड़) पांचवें, बैंक ऑफ इंडिया छठे और इंडियन बैंक सातवें स्थान पर है।

पीएनबी को 5 गुना से ज्यादा मुनाफा दे सकता है 32.5 फीसदी लाभांश - बुरे फंसे कर्ज में गिरावट और ब्याज आय में वृद्धि से पीएनबी का मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 5 गुना से ज्यादा बढ़कर 1,159 करोड़ रुपये पहुंच गया। ब्याज से कमाई भी बढ़कर 23,849 करोड़ पहुंच गई। इस दौरान एनपीए 4.8प्रतिशत से घटकर 2.72प्रतिशत रह गया। हालांकि, 2022-23 में बैंक का लाभ 27 फीसदी घटा है। बैंक के निदेशक मंडल ने 2022-23 के लिए 2 रुपये अंकित मूल्य के शेयर पर 0.65 रुपये यानी 32.5 फीसदी लाभांश देने की सिफारिश की है।

न्यूज ब्रीफ

गुजरात में सोना महंगा: 10 ग्राम के व्यापारी वसूल रहे 70 हजार, चांदी 80 हजार किलो

नई दिल्ली। आरबीआई 2000 का नोट चलन से बाहर कर रही है। खबर लगते ही गुजरात में ज्वेलर्स ने

2000 के नोट से सोना खरीदने वालों के लिए रेट बढ़ा दिए हैं। वे 10 ग्राम की कीमत 70 हजार रुपए तक वसूल रहे हैं, जबकि राज्य में इसका रेट 60 हजार 275 रुपए है। बाजार के जानकारों ने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि यहां 10 ग्राम सोना खरीदने पर 5 से 10 हजार रुपए अधिक लिए गए। यानी प्रति 10 ग्राम सोना 70 हजार रुपए में बिका। वहीं एक किलो चांदी के की कीमत 80 हजार रुपए किलो हो गई। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि जिन लोगों के पास ज्यादा मात्रा में 2 हजार के नोट हैं वे अगर बैंक में इसे जमा करने जाएंगे तो उन्हें इस पर अपनी सालाना कमाई के आधार पर टैक्स देना होगा। इसके अलावा ज्यादा कैश रखने पर सरकार उनसे पूछताछ भी कर सकती है। ऐसे में इन सब झंझटों से बचने के लिए लोग सोने का रुख कर रहे रहे हैं। इसके अलावा सोने को रखना भी आसान है। अनुज गुप्ता बताते हैं कि 2016 में भी नोटबंदी के समय सोने में ऐसी ही तेजी देखने को मिली थी। इस समय सोना 30 हजार से 50 हजार पर पहुंच गया था। अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण पहले ही सोने को सपोर्ट मिल रहा है।

रसातल में पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था, अप्रैल में न के बिकी गाड़ियां, कंपनियां समेट रही कारोबार

नई दिल्ली। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की स्थिति दिन प्रतिदिन खराब हो जा रही है और इसका असर अब वहां की कार इंडस्ट्री पर भी दिखाई देने लगा है। कारों की बिक्री में बड़ी गिरावट देने को मिली है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में अप्रैल में 2,844 यूनिट्स की बिक्री की गई थी, जो कि पिछले साल अप्रैल 2022 में 18,626 यूनिट्स की थी। इसी का परिणाम है कि जापानी ऑटोमोबाइल कंपनी होंडा ने पाकिस्तान में अपना कारोबार समेट लिया है। पाकिस्तान में गाड़ियों की बिक्री का आंकड़ा पाकिस्तान ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ओर से जारी किया जाता है। पाकिस्तान की गाड़ियों की बिक्री में 84 प्रतिशत की गिरावट इस बात को दर्शाती है कि पाकिस्तान की लोगों की आय तेजी से गिर रही है और लोग गाड़ी खरीदने में पहले को मुकाबले सक्षम नहीं है। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में तेजी से उभर रही है। इस कारण चीन और अमेरिका के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट है। पिछले कुछ महीनों में भारत में ऑटोमोबाइल की बिक्री ने एक नया आयम छुआ है। अप्रैल 2023 में कुल 3.31 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई थी। मौजूदा समय में भारत और पाकिस्तान में कार इंडस्ट्री का कोई भी मुकबला नहीं है। पाकिस्तान में गाड़ियों की बिक्री गिरने के पीछे कई कारण हैं। पाकिस्तान में बिकने वाली सारी कारें आयात होती है और फॉरेक्स कम होने से भी बिक्री में गिरावट आई है।

विदेशी मुद्रा भंडार एक साल के शीर्ष पर, 3.5 अरब डॉलर की हुई बढ़ोतरी

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह में बढ़कर 600 अरब डॉलर के करीब पहुंच गया। 12 मईको समाप्त सप्ताह में यह भंडार 3.553 अरब डॉलर बढ़कर 599.529 अरब डॉलर पर पहुंच गया।यह विदेशी मुद्रा भंडार का जून, 2022 के शुरुआती सप्ताह के बाद का करीब एक साल का उच्च स्तर है। इससे पिछले सप्ताह में भंडार 7.19 अरब डॉलर बढ़कर 595.97 अरब डॉलर पहुंच गया था। अक्तूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद केंद्रीय बैंक के रुपये में गिरावट थामने के लिए मुद्रा भंडार के उपयोग से इसमें गिरावट आई। आरबीआई के जारी आंकड़ों के मुताबिक, 12 मई वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 3.577 अरब डॉलर बढ़कर 529.598 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई। 599.52 अरब डॉलर पहुंच गया मुद्रा भंडार 12 मई वाले हफ्ते में जून, 2022 के बाद सर्वाधिक आरबीआईके आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.353 अरब डॉलर पहुंच गया।हालांकि, विशेष निकासी अधिकार (एसडीआर) 3.5 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 18.413 अरब डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में रखा देश का मुद्रा भंडार 2.8 करोड़ डॉलर घटकर 5.16 अरब डॉलर रह गया।

इंटरनेशनल कार्ड पर 20प्रतिशत टीसीएस लगाने का फैसला वापस

क्रेडिट और डेबिट कार्ड से विदेश में किए 7 लाख तक के खर्च पर नहीं कटेगा टीसीएस

नई दिल्ली।

सरकार ने इंटरनेशनल क्रेडिट कार्ड के विदेश में इस्तेमाल पर 20प्रतिशत टीसीएस लगाने का फैसला आंशिक रूप से वापस ले लिया है। अब एक वित्तीय वर्ष में इंटरनेशनल डेबिट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 7 लाख रुपए तक खर्च करने पर 20प्रतिशत टीसीएस यानी टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स नहीं लगेगा। 20प्रतिशत टीसीएस लगाने के सरकार के फैसले की काफी आलोचना हो रही थी। वित्त मंत्रालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में 1 जुलाई से इंटरनेशनल डेबिट और क्रेडिट कार्ड के विदेश में इस्तेमाल पर 20प्रतिशत टैक्स लगाने की घोषणा की थी। इसके लिए 16 मई को फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट के तहत नियमों में केंद्र सरकार ने संशोधन किया है। इस संशोधन के बाद इंटरनेशनल क्रेडिट कार्ड का भारत से बाहर इस्तेमाल लिब्रलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम के तहत आ गया था।

7 लाख से ज्यादा खर्च पर कितना टीसीएस - यदि कोई विदेश यात्रा पर एक वित्त वर्ष में 8 लाख रुपए का कार्ड पेमेंट करता है तो उसे पूरी रकम पर 20प्रतिशत यानी 1.6 लाख रुपए चुकाना होगा। 7 लाख से 1 रुपए भी ज्यादा खर्च होने की स्थिति में पूरी रकम टीसीएस के दायरे में आएगी।

केस-1 - आप परिवार के साथ दुबई जा रहे हैं। इस ट्रिप में 10 लाख रुपए के पेमेंट कार्ड से कर दिए। इस पर 2 लाख रुपए का टीसीएस चुकाना होगा। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि सारे पेमेंट क्रेडिट कार्ड से किए गए या डेबिट कार्ड से। टीसीएस आप खुद नहीं, बल्कि कार्ड जारी करने वाला बैंक जमा करेगा और बिल में जोड़ेगा।

केस-2 - आप जुलाई में परिवार के साथ यूरोप गए और 5 लाख रुपए के पेमेंट कार्ड से किए। इस पर आपको टीसीए चुकाने की जरूरत नहीं होगी। लेकिन यदि आप अगले साल फरवरी में फिर मालदीव गए और 3 लाख रुपए के पेमेंट कार्ड से किए तो आपको 3 लाख का 20प्रतिशत यानी 60,000 रुपए का टीसीएस चुकाना होगा। यदि इस ट्रिप आपने 2 लाख रुपए तक कार्ड से खर्च किए होते तो पूरे वित्त वर्ष में कुल खर्च (5+2) यानी 7 लाख रुपए होता और टीसीएस से बच जाते।

फैसले को लेकर तीन तरह की आशंकाएं अमीर लोग विदेशों में ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करने से बचेंगे कैश में विदेशी करंसी खरीदने के लिए मजबूर होंगे कुछ लोग हवाला नेटवर्क भी इस्तेमाल कर सकते हैं कुछ एक्सपर्ट फैसले के फायदे भी गिना रहे सीए अभय शर्मा ने कहा कि इससे सरकार के पास विदेश में खर्च की रियल टाइम जानकारी मिलेगी। पर्यटकों को भी फॉरेक्स कार्ड बनाने जैसी अतिरिक्त झंझट से मुक्ति मिल जाएगी। हालांकि अतिरिक्त खर्च होगा, लेकिन उसका क्लेम भी मिल जाएगा।

टीसीएस को 5प्रतिशत से बढ़ाकर 20प्रतिशत किया था - इस बार के बजट में सरकार ने टीसीएस को 5प्रतिशत से बढ़ाकर 20प्रतिशत किया था। इस बदलाव के बाद क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कम होने की संभावना जताई जा रही थी। इंटरनेशनल क्रेडिट कार्ड स्पेंडिंग पर केंद्र के नए संशोधित नियम की भारतपे के एक्स-चीफ और थर्ड यूनिकॉर्न के फाउंडर अशनीर ग्रोवर ने भी आलोचना की थी। अशनीर ग्रोवर बोले- पॉलिटिकल डोनेशन पर कभी टीसीएस नहीं लगेगा अशनीर ने ट्विटर पर लिखा था- फॉरेन क्रेडिट कार्ड स्पेंड पे 20प्रतिशत टीसीएस लिमिट में लाना बहुत ही इंटरेस्टिंग रूल है। हां पॉलिटिकल डोनेशन पर कभी भी टीसीएस नहीं लगने वाला ये तय है! वहां आपको उलटा इनकम टैक्स में रिबेट मिलेगी। पुरानी टैक्स रिजीम के तहत आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 के तहत टैक्स छूट दी जाती है।

अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ेगा प्रभाव, आरबीआई के फैसले पर नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने दो हजार रुपये के नोट के चलन को बंद करने का फैसला लेकर एक बार फिर सभी को चौंका दिया है। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगड़िया ने केंद्र सरकार के इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पनगड़िया ने कहा कि दो हजार के नोट वापस मांगने के आरबीआई के फैसले से अर्थव्यवस्था पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ऐसे वापस हुए नोटों के स्थान पर उसी कीमत में कम मूल्यवर्ग के नोट जारी कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कदम के पीछे का उद्देश्य अवैध धन की आवाजाही को मुश्किल बनाना है। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा- इस फैसले का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं देखेगा। दो हजार के नोट को बराबर कीमत में कम मूल्यवर्ग के नोटों से बदल दिया जाएगा या जमा कर दिया जाएगा। पनगड़िया ने कहा कि दो हजार रुपये का नोट वर्तमान में जनता के हाथों में कुल नकदी का केवल 10.8 प्रतिशत हैं। इसमें से भी ज्यादातर राशि का उपयोग अवैध लेनदेन में होता है।

जोमैटो ने राकेश रंजन को फूड डिलिवरी के सीईओ के रूप में पदोन्नत किया

नई दिल्ली।

ऑनलाइन फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजे रहने के बाद शीर्ष प्रबंधन में बदलाव किया है। जोमैटो ने बीएसई को सूचित किया कि उसने राकेश रंजन को अपने फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी कारोबार का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और रिंशुल चंद्रा को इस कारोबार का मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त किया है। ऋषि अरोड़ा को कंपनी की सहायक इकाई हाइपरप्योर का सीईओ बनाया गया है। रंजन पहले जोमैटो में नए कारोबार के बिजनेस हेड थे और चंद्रा कंपनी में उत्पाद के उपाध्यक्ष थे। अरोड़ा ने पिछले साल सहसंस्थापक के रूप में पदोन्नत होने से पहले जोमैटो के स्वामित्व वाले त्वरित वाणिज्य मंच ब्लिंकइट में संचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर थे। कंपनी ने बीएसई को बताया, राकेश, रिंशुल और ऋषि विभिन्न भूमिकाओं में पांच साल से अधिक समय से जोमैटो/ब्लिंकिट के साथ हैं। हमारा मानना है कि सक्षम लोगों को कमान सौंपने के लिए समय-समय पर नेतृत्व में बदलाव व्यवसाय के लिए नए दृष्टिकोण लाता है ताकि यह तेजी से विकसित हो सके। इस तरह के नेतृत्व परिवर्तन लोगों के विकास के लिए भी बहुत अच्छे हैं, और हमें विश्वास है कि हमारी मानव संसाधन की रणनीति हमें अब से दशकों तक भी सफलता के लिए स्थापित करेगी। जोमैटो ने कहा कि लाभ अनुपात में सुधार के मामले में अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। वह कम समय में अब तक के परिणामों से प्रसन्न है। जोमैटो ने वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में एक निश्चित न्यूनतम मूल्य से कम के ऑर्डर के लिए डिलीवरी शुल्क लेना शुरू किया है। इसके कारण रेस्टोरेंट्स में हाइपरप्योर से ऑर्डर करने को लेकर कुछ मंथन भी हुआ। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को पत्र में कहा, चौथी तिमाही में यूनीक रेस्टोरेंट की संख्या घटकर 42 हजार रह गई जबकि तीसरी तिमाही में यह संख्या 44 हजार थी।

रूस ने व्हाट्सऐप पर लगाया 41 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली।

अमेरिकी कंपनी मेटा के स्वामित्व वाली व्हाट्सऐप पर रूस की ओर से प्रतिबंधित कंटेंट को प्लेटफॉर्म न हटाने को लेकर 4 मिलियन रूबल (करीब 41,42,000 रुपये) का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना मॉस्को कोर्ट द्वारा कंपनी पर लगाया गया है। यूक्रेन से युद्ध के बाद व्हाट्सऐप की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म आईएनसी को रूस की ओर से एक्सट्रीमिस्ट ऑर्गेनाइजेशन करार दिया गया और इस पर बैन लगा दिया गया। हालांकि, रूस में पॉपुलर होने के कारण व्हाट्सऐप पर रूस के द्वारा बैन नहीं लगाया गया था। अब रूस की ओर से इस पॉपुलर मैसेजिंग ऐप पर कार्रवाई की गई है।

रूस ने क्यों की कार्रवाई - रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी एक रिपोर्ट में कहा गया कि प्रतिबंधित कटेंट पर अपने प्लेटफॉर्म से हटाने में विफल रहने को लेकर व्हाट्सऐप पर जुर्माना लगाया गया है। मॉस्को कोर्ट में व्हाट्सऐप के खिलाफ केस रूसी नियामक की ओर से दायर किया गया था।

किन अमेरिकी कंपनियों पर हो चुकी है कार्रवाही - रूस की ओर से यूक्रेन में मिलिट्री कैंपेन शुरू किए जाने के बाद अमेरिकी कंपनियों को लेकर सख्त रुख अपनाया जा रहा है। अब तक रूस गूगल, विकिपिडिया और डिस्कॉट पर कार्रवाई कर चुका है।

व्हाट्सऐप में बदलाव की तैयारी - व्हाट्सऐप अपने एंड्रायइड ऐप के मैसेज मेन्यू में बड़े बदलाव करने जा रहा है। आईओएस में भी बदलाव की तैयारी है। आने वाले नए मेन्यू में पांच विकल्प यूजर्स को दिए जाएंगे। ये डिलीट, फॉरवर्ड, रिप्लाई, कीप और इंफो होगा।

इसके अलावा व्हाट्सऐप पर एडिट मैसेज, डिसअपीयरिंग मैसेज के लिए नए ड्यूरेशन, चैट और रुप के भीतर मैसेज पिन करना, व्यू वन्स ऑडियो फीचर और ऑडियो फीचर्स जैसे नए फीचर्स जल्द यूजर्स को देखने को मिलेंगे।

गूगल सीईओ सुंदर पिचाई का बचपन का घर बिका: तमिल अभिनेता सी मणिकंदन ने पिचाई के पिता से ये घर खरीदा, दस्तावेज सौंपते हुए भावुक हो गए पिता

चेन्नई।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई का बचपन चेन्नई के जिस घर में बीता था उसे अब बेच दिया गया है। पिचाई के माता-पिता ने पुराने घर को तोड़कर जमीन को तमिल अभिनेता और निर्माता सी मणिकंदन को बेच दिया है। तमिलनाडु के मदुरै में लक्ष्मी और रघुनाथ पिचाई के घर पैदा हुए सुंदर पिचाई ने अपना पूरा बचपन चेन्नई में बिताया। खड़गपुर में एडमिशन लेने से पहले पिचाई ने यहीं अपनी शिक्षा प्राप्त की थी।

सुंदर इस घर में 20 साल की उम्र तक रहे थे। वो अब अमेरिका में रहते हैं। यह घर कितने रुपयों में बिका, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। द हिंदू बिजनेस लाइन से बातचीत में मणिकंदन ने कहा, मैं खुद एक रियल एस्टेट डेवलपर हूं। मैंने करीब 300 घर बना कर डिलीवर किए हैं। सुंदर

पिचाई ने हमारे देश को गौरवान्वित किया है। वे जहां रहें, उस घर को खरीदना मेरी जिंदगी की एक गर्व करने वाली बात है।

दस्तावेज सौंपते हुए भावुक हो गए थे सुंदर के पिता

प्रॉपर्टी के नए मालिक मणिकंदन ने अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया कि पिचाई के पिता जब प्रॉपर्टी के दस्तावेज सौंप रहे थे तो बहुत भावुक हो गए थे, क्योंकि ये उनकी पहली प्रॉपर्टी थी। मणिकंदन ने कहा, पिचाई के पिता ने रजिस्ट्रेशन ऑफिस में कागजी कार्रवाई पूरा करने के लिए घंटों तक धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा की। लेन-देन की प्रक्रिया को पूरा होने में लगभग चार महीने लगे, क्योंकि उस समय पिचाई के पिता अमेरिका में रह रहे थे।

सुंदर की मां ने मेरे लिए पर्सनली फिल्टर कॉफी बनाई

मणिकंदन ने बताया कि जब इस घर को खरीदने की बातचीत चल रही थी तब सुंदर की मां ने मेरे लिए पर्सनली फिल्टर कॉफी बनाई। वहीं उनके पिता ने प्रारंभिक मुलाकात के दौरान दस्तावेज दिखाए। पिचाई आखिरी बात अक्टूबर 2021 में चेन्नई आए थे। एयरपोर्ट जाते समय वो अपनी बचपन की यादों को ताजा करने वाना वाणी स्कूल पहुंचे थे।

अभी कैलिफोर्निया के लग्जरियस मेंशन में रहते हैं पिचाई

सुंदर पिचाई गूगल के साथ ही अल्फाबेट इंक के भी सीईओ हैं। 2015 में पिचाई को गूगल का सीईओ नियुक्त किया गया था और 2019 में वे अल्फाबेट इंक के भी सीईओ बने। अभी वो कैलिफोर्निया में रहते हैं। यहां उनके पास एक लग्जरियस मेंशन है।

गूगल के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी में सरकार

राजीव चंद्रशेखर ने कहा- एंटी-कॉम्पिटिटिव पैक्ट्रिस के मामले में सीसीआई की फाइंडिंग गंभीर, कार्रवाई करेंगे

नई दिल्ली।

भारत सरकार एंटी-कॉम्पिटिटिव पैक्ट्रिस के मामले में गूगल के खिलाफ कार्रवाई करने का प्लान बना रही है। इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के लिए फेडरल डेप्यूटी मिनिस्टर राजीव चंद्रशेखर ने ये जानकारी दी है। पिछले साल एंटीट्रस्ट वॉचडॉग ने पाया था कि गूगल ने अपनी मार्केट पोजीशन का गलत इस्तेमाल किया था। दो मामलों में गूगल पर 275 मिलियन डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया था।

सूचना प्रौद्योगिकी के फेडरल डेप्यूटी मिनिस्टर राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि इस तरह की फाइंडिंग गंभीर हैं और भारत सरकार के लिए गहरी चिंता पैदा करने वाली है। इसलिए वो गूगल के खिलाफ अपनी कार्रवाई करेगी। चंद्रशेखर ने कहा कि मंत्रालय को कार्रवाई करनी होगी। हमने इसके बारे में सोचा है। आप इसे आने वाले हफ्तों में देखेंगे। मंत्री ने यह बताने से इनकार कर दिया कि सरकार किस तरह की नीति या नियामक कार्रवाई कर सकती है।

यह पूरे डिजिटल ईकोसिस्टम के लिए चिंताजनक

चंद्रशेखर ने कहा कि यह मुद्दा न केवल हमारे लिए बल्कि यह भारत में पूरे डिजिटल ईकोसिस्टम के लिए चिंताजनक है। हालांकि गूगल ने चंद्रशेखर की टिप्पणी पर कोई जवाब नहीं दिया है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने इस मुद्दे पर गूगल के साथ बातचीत की है, चंद्रशेखर ने कहा कि किसी भी चर्चा की कोई आवश्यकता नहीं है। चंद्रशेखर का यह बयान भारतीय कंपनियों और गूगल के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है।

पिछले साल गूगल पर दो मामलों में लगा था जुर्माना

सीसीआई ने एंड्रॉइड मोबाइल डिवाइस इकोसिस्टम में अपनी डॉमिनेंट पोजीशन के

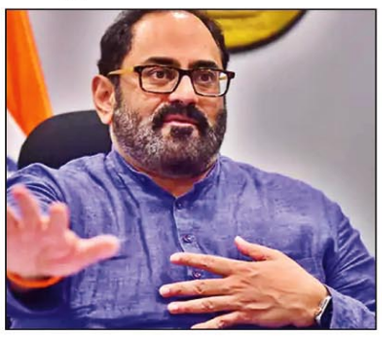

दुरुपयोग के लिए गूगल पर 1,337 करोड़ का जुर्माना लगाया था।

सीसीआई ने गूगल पर उसकी प्ले स्टोर पॉलिसीज के जरिए डॉमिनेंट पोजिशन का दुरुपयोग करने के मामले में 936.44 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था।

प्ले-स्टोर मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था गूगल

गूगल प्ले-स्टोर पर अपने वर्चस्व का दुरुपयोग करने के मामले में कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया के लगाए जुर्माने के खिलाफ गूगल कुछ महीने पहले सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था, सीसीआई की रिपोर्ट में कोई खामी नहीं मिली, इसलिए जुर्माना सही है। सीसीआई ने गूगल प्ले-स्टोर पर अपने वर्चस्व का दुरुपयोग करने के लिए 1,337 करोड़ रुपए जुर्माना लगाया था।

सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद गूगल ने कहा, हम फैसले की समीक्षा कर रहे हैं। एंड्रॉइड ने भारतीय यूजर्स, डेवलपर्स और ओईएम को बहुत लाभान्वित किया है और भारत के डिजिटल परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम सीसीआई के साथ सहयोग करेंगे।

गूगल के बिजनेस के 2 तरीकों को सीसीआई ने गलत माना था-

1. गूगल-पे को हर ऐप का डिफॉल्ट पेमेंट सिस्टम बनाने का दबाव - गूगल ने अपने प्ले स्टोर पर पब्लिश होने वाले हर ऐप पर यह दबाव बनाया था कि वह ऐप से जुड़े हर पेमेंट को गूगल के पेमेंट प्लेटफॉर्म गूगल-पे के जरिये प्रोसेस करे। यह हर गूगल-पे के जरिये किया जाए। इस पर ऐप पब्लिशर्स ने आपत्ति जताई थी।

सीसीआई ने भी माना कि यह दबाव गलत है। इससे ऐप पब्लिशर्स बेहतर डील मिलने के बावजूद बाकी पेमेंट प्लेटफॉर्म्स से टाई-अप नहीं कर पाते। साथ ही इसे बाकी पेमेंट प्लेटफॉर्म्स को गलत तरीके से दबाने और बाजार में मोनोपली बनाने का जरिया माना गया।

2. एंड्रॉयड पर गूगल के ऐप्स की बंडलिंग अनिवार्य करना - गूगल का एंड्रॉयड मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला मोबाइल है। गूगल ने फोन निर्माता कंपनियों पर दबाव बनाया था कि वह हर नए फोन गूगल के ऐप्स (गूगल सर्च, यू-ट्यूब, क्रोम आदि) डिफॉल्ट के तौर पर शामिल करें।

उन्हें इसी शर्त पर एंड्रॉयड के इस्तेमाल की इजाजत मिलती है। सीसीआई ने इसे भी गलत माना। इससे एंड्रॉयड फोन्स पर गूगल के ऐप्स की मोनोपली बन रही थी। सैमसंग जैसी कंपनियां जो अपने सर्च इंजन भी यूजर्स को देती हैं, उनके लिए यह शर्त मुश्किलें बढ़ा रही थी।

सौंदस मौफकीर के हुस्न ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

-कई वीडियो और फोटो शेयर कर रही एक्ट्रेस

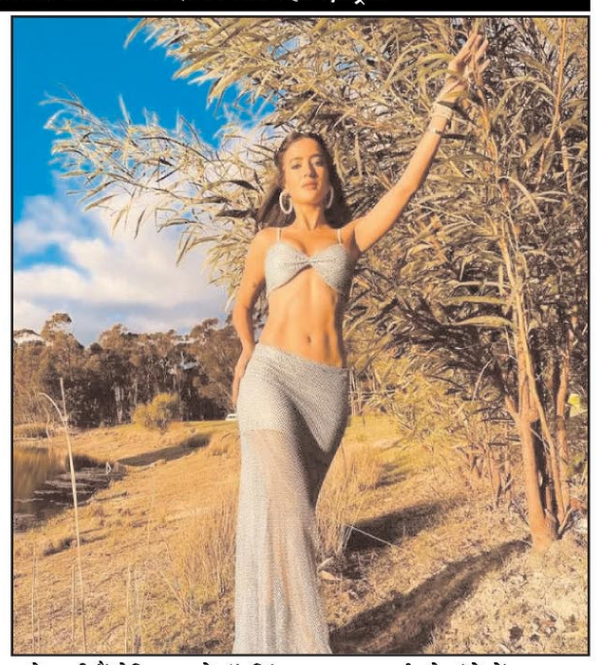

मुंबई (ईएमएस)। टीवी एक्ट्रेस सौंदस मौफकीर साउथ अफ्रीका के केप टाउन में गदर काट रही हैं। वह वहां से कई वीडियो और फोटो शेयर कर रही हैं। वह अपने को-कंटेस्टेंट्स के साथ मस्ती करती भी नजर आ रही हैं। सौंदस मौफकीर हालांक खुद के साथ भी वक्त बिता रही हैं। उन्होंने अपने कातिलाना फोटोज भी अपलोड किए हैं। ब्लालेट टॉप और स्लिट स्कर्ट में उन्होंने अपनी फोटो पोस्ट की है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, कौन बोला जलपरी खिलाड़ी नहीं हो सकते। इन फोटो में वह अपना दिलकश अंदाज बिखेर रही हैं। साथ ही उनका एक और वीडियो है जिसमें वह शिव ठाकरे के साथ मैं तेरी हूं जानम पर रोमांटिक डांस कर रही हैं। दोनों इस गाने में एकदम डूब गए हैं और नदी के किनारे पूरे फील के साथ इस पर परफॉर्म कर रहे हैं। इस वीडियो को देखने के बाद हर कोई इनकी तारीफ कर रहा है। प्यार लुटा रहा है ।बता दें कि सौंदस मौफकीर मटीवी रोडीज में नजर आ चुकी हैं और स्प्लिट्सविला 14 जीत चुकी हैं। अब वो एक और रियलिटी शो करने जा रही हैं जिसका नाम खतरों के खिलाड़ी 13 है। यह मोरक्को की रहने वाली हैं लेकिन इनको मॉडलिंग का शौक था तो ये भारत आ गई थीं। इन्होंने कई म्यूजिक एल्बम में भी काम किया है। इतना ही नहीं, उलझे हुए फिल्म में भी नजर आ चुकी हैं। मालूम हो कि रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 13 की शूटिंग शुरू हो चुकी है। 10-11 मई को कंटेस्टेंट्स साउथ अफ्रीका के केप टाउन भी पहुंच गए हैं। यहां टीवी के तमाम चर्चित सितारों का मजमा सज गया है। इसमें ऐश्वर्या शर्मा, अर्चना गौतम, शिव ठाकरे, शीजान खान, रोहित रॉय, अंजुम फकीह समेत कई नामी सेलेब्स पहुंचे हैं।

फिल्म 2018 में केरल में आई जबरदस्त बाढ़ की कहानी

-फिल्म का ट्रेलर देख बढ़ा रोमांच

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में कन्नड़ भाषा में बनी फिल्म 2018 की अप्रत्याशित सफलता ने इस फिल्म को भी हिन्दी प्रदर्शित करने की राह सुगम कर दी है। यह फिल्म 2018 में केरल में आई जबरदस्त बाढ़ की कहानी है, जिसे वहाँ के दर्शकों ने द रियल केरल स्टोरी कहकर सफल बनाया है। 12 करोड़ की मामूली लागत में बनी इस फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर 130 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली है इस बीच दक्षिण के एक और सितारे राम पोथिनेनी की अगली फिल्म का टीजर जारी हुआ है, जिसे देखने के बाद इसके प्रति दर्शकों का रोमांच बढ़ गया है।

ब्लॉकबस्टर निमार्ता बोयापति श्रीनू और उस्ताद राम पोथिनेनी के प्रोजेक्टर बोयापति रैपो का लुक रिलीज हो गया है। धमाके की शुरूआत धमाकेदार एपिसोड से होती है और फिर राम अपनी तरह के पहले अंदाज में एंट्री करते हैं। इस फर्स्ट लुक में जबरदस्त एक्शन नजर आ रहा है और समझा जा सकता है कि आखिर साउथ, बॉलीवुड से कहां आगे निकलता जा रहा है। इस ट्रेलर में सदर उत्सव में राम पोथिनेनी की एंट्री एक विशाल भैंसे के साथ होती है और फिर जमकर गुंडों की पिटाई होती है। राम पोथिनेनी को पहली बार इस तरह के शानदार अंदाज में देखा जा रहा है, फिर उनका संवाद बोलने का अंदाज भी कमाल का है। संतोष डेटेक अपने असाधारण छायांकन से प्रभावित करते हैं, जबकि एसएस थमन अपने शानदार बैकग्राउंड स्कोर के साथ दृश्यों को बेहतर बनाते हैं। श्रीनिवास चित्तूरी को अपने शानदार प्रोडक्शंस के लिए पहचाना जाता है। फिल्म हिंदी समेत सभी साउथ इंडियन लैंग्वेंज में 20 अक्तूबर को दशहरा के मौके पर रिलीज होने जा रही है। बता दें कि हिन्दी फिल्मों की लगातार असफलता के बीच दक्षिण भारतीय फिल्मों की सफलता ने दर्शकों को इन फिल्मों का दीवाना बना दिया है। अब हालत यह हो गई है कि दक्षिण की भाषाओं तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम में बनने वाली हर दूसरी फिल्म को हिन्दी में डब करके पैन इंडिया प्रदर्शित किया जा रहा है।

बोयापति रैपो का ट्रेलर देख बढ़ा रोमांच

-दक्षिण से आई एक और पैन इंडिया पर

चेन्नई (ईएमएस)। दक्षिण भारतीय फिल्मों की सफलता ने दर्शकों को इन फिल्मों का दीवाना बना दिया है। दक्षिण की भाषाओं तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम में बनने वाली हर दूसरी फिल्म को हिन्दी में डब करके पैन इंडिया प्रदर्शित किया जा रहा है। हाल ही में कन्नड़ भाषा में बनी फिल्म 2018 की अप्रत्याशित सफलता ने इस फिल्म को भी हिन्दी प्रदर्शित करने की राह सुगम कर दी है। यह फिल्म 2018 में केरल में आई जबरदस्त बाढ़ की कहानी है, जिसे वहाँ के दर्शकों ने द रियल केरल स्टोरी कहकर सफल बनाया है। इस बीच दक्षिण के एक और सितारे राम पोथिनेनी की अगली फिल्म का टीजर जारी हुआ है, जिसे देखने के बाद इसके प्रति दर्शकों का रोमांच बढ़ गया है। ब्लॉकबस्टर निमार्ता बोयापति श्रीनू और उस्ताद राम पोथिनेनी के प्रोजेक्टर बोयापति रैपो का लुक रिलीज हो गया है। धमाके की शुरूआत धमाकेदार एपिसोड से होती है और फिर राम अपनी तरह के पहले अंदाज में एंट्री करते हैं। इस फर्स्ट लुक में जबरदस्त एक्शन नजर आ रहा है और समझा जा सकता है कि आखिर साउथ, बॉलीवुड से कहां आगे निकलता जा रहा है। इस ट्रेलर में सदर उत्सव में राम पोथिनेनी की एंट्री एक विशाल भैंसे के साथ होती है और फिर जमकर गुंडों की पिटाई होती है। राम पोथिनेनी को पहली बार इस तरह के शानदार अंदाज में देखा जा रहा है, फिर उनका संवाद बोलने का अंदाज भी कमाल का है। संतोष डेटेक अपने असाधारण छायांकन से प्रभावित करते हैं, जबकि एसएस थमन अपने शानदार बैकग्राउंड स्कोर के साथ दृश्यों को बेहतर बनाते हैं।

सत्यप्रेम की कथा का शानदार टीजर रिलीज

साजिद नाडियाडवाला और नमह पिक्चर्स की अपकमिंग फिल्म सत्यप्रेम की कथा का टीजर रिलीज कर दिया गया है। खूबसूरत दृश्य, एक सोलफूल धुन और ब्लॉकबस्टर ऑन-स्क्रीन जोड़ी, कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी के साथ, फिल्म निश्चित रूप से एक खूबसूरत प्रेम कहानी की गारंटी देती है। सत्यप्रेम की कथा 29 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।टीजर के बारे में बात करते हुए सोशल मीडिया यूजर्स ने #सत्य प्रेम की कथा को ट्रेंड करना शुरू कर दिया है। सत्यप्रेम की कथा के टीजर को रिलीज हुए अभी कुछ ही समय हुए है और इसने अपने प्यार के रंग से एक मदहोश भर दी है। इस आगामी संगीतमय प्रेम गाथा के टीजर ने लोगों को फिल्म के बारे में बात करने लिए छोड़ दिया है और यही कारण है कि #सत्य प्रेम की कथा #1 पर ट्रेंड कर रहा है। सत्यप्रेम की कथा एनजीई और नमह पिक्चर्स के बीच बड़े पैमाने पर सहयोग का प्रतीक है। दिलचस्प बात यह है कि साजिद नाडियाडवाला और शरीन मंत्री केडिया ने किशोर अरोड़ा और निर्देशक समीर विदवान्स के साथ अपनी संबंधित फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता।

सपना बिखेरेंगी कान्स फिल्म फेस्टिवल में जलवा

हरियाणवी छोरी सपना चौधरी अब दुनिया के सबसे बड़े कान्स फिल्म फेस्टिवल में जलवा बिखेरेंगी। सपना पहली ऐसी हरियाणवी कलाकार है, जो कान्स फेस्टिवल में हिस्सा ले रही है। कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने को लेकर सपना चौधरी ने कहा कि इस इंटरनेशनल शो में डेब्यू करने के लिए न्योता मिलना बेहद गौरव की बात है, जिससे वह काफी उत्साहित भी है। ऐसा लगता है कि मैं इस अंतरराष्ट्रीय मंच को प्रेजेंट करने जा रही हूं। मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं सभी को गौरवान्वित करूंगी। वहीं सपना चौधरी ने कहा कि कांस फिल्म फेस्टिवल को लेकर उन्होंने कोई विशेष तैयारी तो नहीं की है, लेकिन इसको लेकर वह काफी उत्साहित है। बता दें, कान 2023 में अब तक एक्ट्रेस सारा अली खान, मानुषी चिल्लर, ईशा गुप्ता, मृणाल ठाकुर और उर्वशी रौतेला समेत कई एक्ट्रेस अपने हुस्न का जलवा बिखेर चुकी हैं। अब फैंस सपना चौधरी को कान के रेड कार्पेट पर देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। बता दें कि हरियाणवी क्वीन सपना चौधरी अपने डांस और सॉन्स को लेकर खूब चर्चा में रहती हैं।

स्टारप्लस दर्शकों के लिए लेकर आया तितली

टीवी चैनल स्टारप्लस अपने दर्शकों के लिए नया शो तितली लेकर आया है। इससे पहले दर्शकों न ऐसा शो नहीं देखा होगा। यह शो आपको रोमांस के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर देगा कि क्या यह वाकई प्यार है? तितली का निर्माण स्टोरी स्क्वायर प्रोडक्शंस द्वारा किया गया है। नेहा सोलंकी तितली की टाइटिलर रोल निभाती नजर आएंगी। तितली शो एक ट्विस्टेड लव स्टोरी है जहां तितली नाम की एक खुशमिजाज और जीवंत लड़की अपने आइडियल पार्टनर को खोजने और उसके साथ एक फेयर-टेल लाइफ जीने की तलाश में है। लेकिन क्या वह हमेशा के लिए खुशी रहेंगी? तितली में नेहा सोलंकी के अपोजिट गर्व का किरदार निभा रहे हैं अविनाश मिश्रा। दर्शकों को तितली और गर्व के किरदारों में एक बदलाव देखने को मिलेगा। यह देखा जा सकता है कि गर्व और तितली एक खुशहाल जगह पर हैं, लेकिन शादी के बाद का जीवन तितली के लिए अनजाने में चीजों को बदल देगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि तितली के जीवन में ड्रामा कैसे सामने आता है और क्या यह हमेशा के लिए खुशहाल जिंदगी जिएगी?स्टार प्लस ने हाल ही में तितली का प्रोमो रिलीज किया है।

शाहरुख ने किया अमेरिकी राजदूत का स्वागत

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने मुंबई में अपने घर मन्नत में भारत में नवनियुक्त अमेरिकी राजदूत एरिक गासेर्टी का स्वागत किया। अपनी यात्रा की कई तस्वीरें गासेर्टी ने ट्विटर पर साझा कीं, जिसमें शाहरुख खान, उनकी पत्नी गौरी और उनकी मैनेजर पूजा डडलानी भी हैं। उन्होंने कैप्शन दिया: क्या यह मेरे बॉलीवुड डेब्यू का समय है? सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ शानदार बातचीत हुई। इस दौरान मैंने बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के बारे में जाना और मैंने बॉलीवुड और हॉलीवुड के उन पहलुओं पर बात की जिसका कल्चरल इम्पैक्ट दुनियाभर में देखने को मिला है। बता दें, शाहरुख खान को हाल ही में जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण के साथ ब्लॉकबस्टर पठान में देखा गया था। वह अब एटली द्वारा अपने अगले प्रोजेक्ट जवान की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म में नयनतारा, विजय सेतुपति और सान्या मल्होत्रा भी लीड रोल में हैं।

कान डेब्यू में बालीवुड की हसीनाओं ने बिखेरा जलवा

-किसी ने लहंगा तो किसी ने पहनी साड़ी

मुंबई (ईएमएस)। कान फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन बॉलीवुड की 3 एक्ट्रेसेज ने रेड कार्पेट पर वॉक किया, जिसमें सारा अली खान, ईशा गुप्ता और मानुषी छिल्लर शामिल रही। 76वें कान फिल्म फेस्टिवल की शुरूआत हो चुकी है। हर साल की तरह इस साल भी कई बॉलीवुड एक्ट्रेसेज इस रेड कारपेट पर नजर आने वाली है। अपने लुक को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा सारा अली खान की हो रही है। उन्होंने रेड कारपेट पर भारतीय संस्कृति की झलक दिखाई। वैसे सारा पहली एक्ट्रेस नहीं, जिन्होंने कान डेब्यू देसी लुक में किया हो। इससे पहले दीपिका पादुकोण, ऐश्वर्या राय बच्चन और विद्या बालन समेत कई एक्ट्रेसेज है जिन्हें देसी अवतार में देखा जा चुका है। आइए देखते है किसने अपने डेब्यू में क्या पहना था। साल 2023 में 76वें कान फिल्म फेस्टिवल मनाया जा रहा है। इसमे सारा अली खान ने डेब्यू किया है। अदाकारा ने इस मौके अपने फेवरेट डिजाइनर अबू जानी-संदीप खोसला का डिजाइन किया आइवरी क्रीम कलर का लहंगा पहना, जिसमे वह बेहद खूबसूरत नजर आई। इस लुक को पूरा करने के लिए एक्ट्रेस ने सर पर दुपट्टा भी कैरी किया है। इसे साथ उन्होंने स्टेटमेंट ड्रॉप इयररिंग्स कैरी किए। इस साल दीपिका पादुकोण का कान लुक अभी सामने नहीं आया है, लेकिन जब एक्ट्रेस ने डेब्यू किया था रेड कारपेट पर साड़ी पहनी थी। बता दें, कान में दीपिका का डेब्यू साल 2010 में हुआ था। इस दौरान एक्ट्रेस व्हाइट और गोल्डन कलर की साड़ी में रेड कारपेट पर वॉक करती दिखाई दी थी। एक्ट्रेस के इस लुक ने लोगों का दिल जीता था। ऐश्वर्या राय बच्चन का कान फिल्म फेस्टिवल से पुराना नाता है या यूं कहे की बॉलीवुड इंडस्ट्री में ऐश्वर्या ने की कान में जाने की शुरूआत की थी। एक्ट्रेस पहली बार साल 2002 में कान में शामिल हुई थी। एक्ट्रेस पहली बार कारपेट पर येलो कलर की साड़ी और हेवी जूलरी के साथ डेब्यू किया था। हमेशा अपने फैशन सेंस से लोगों के दिलों पर राज करने वाली एक्ट्रेस सोनम कपूर आहूजा ने 2013 में 66वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लिया था। इस साल सोनम का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला था। सोनम ने इस इवेंट के लिए ऑफ व्हाइट कलर की साड़ी चुनी थी। खूबसूरत थ्रेड वर्क के साथ गोल्डन सिक्विन वर्क वाली यह साड़ी फैशन डिजाइनर अनामिका खन्ना ने डिजाइन किया था। इस साड़ी के साथ सोनम ने फुल स्लीव्स का ब्लाउज कैरी किया था। एक्ट्रेस विद्या बालन ने साल 2014 में कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की थी। इस इवेंट के दौरान उन्होंने रेड कलर की साड़ी पहनी हुई थी, जो लोगों को उनका लुक खास पसंद नहीं आया।

भिड़े को जेनिफर ने लगाई लताड़

-एक्ट्रेस ने एक्टर को लेकर किए ये खुलासे

मुंबई (ईएमएस)। टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने पिछले 15 वर्षों से शो में रोशन सिंह सोढ़ी बनकर लोगों का एंटरटेंनमेंट किया, लेकिन मेकर्स के दुर्व्यवहार के चलते उन्होंने अब शो छोड़ दिया है। इस बीच जेनिफर ने शो में आत्माराम तुकाराम भिड़े का रोल प्ले करने वाले मंदार चंदवाडकर को भी लताड़ लगाई है। मंदार ने जेनिफर के लगाए इल्जामों को बेबुनियाद बताया था। इस पर पलटवार करते हुए जेनिफर ने उनसे जुड़ी कुछ बातों का खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में जेनिफर ने बताया कि जब उन्होंने एक ड्राफ्ट में सोहेल रमानी को कम्पलेन सेंड की थी, तो मंदार ही वह पहले शख्स थे, जिसने उन्हें कॉल किया था। जेनिफर ने कहा कि प्रोडक्शन टीम से कोई भी उनके फेवर में नहीं बोलेगा, लेकिन वह जिन्हें अपना सबसे अच्छा दोस्त मानती थीं (मंदार चंदवाडकर), उन्होंने ही उनका साथ नहीं दिया। एक्ट्रेस ने कहा, मैंने हर साल उनके बर्थ डे पर पोस्ट शेयर किया। वह मेरे करीबी दोस्त थे, लेकिन मैं यह देखकर हैरान हूं कि वह ऐसा कह रहे कि मैंने यह सब क्यों किया, जबकि वो पूरा सच जानते हैं। मंदार ने सेट पर पुरुषवादी माहौल होने से भी मना कर दिया। पहली बात तो ये कि वह खुद ही पुरुष हैं, तो वह ऐसी किसी भी बात से इनकार ही करेंगे। जबकि, वह अच्छी तरह से जानते हैं कि मैं सच बोल रही हूं। सोनालिका, अंबिका रंजनकर और मंदार, हम सब अच्छी बॉन्डिंग शेयर करते हैं। मंदार एक-एक बात जानते हैं। जेनिफर यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने आगे कहा, जब सोहेल रमानी को 04 अप्रैल को कम्पलेन भेजी, तो इस बात की जानकारी होने पर सबसे पहले मंदार ने ही कॉल किया था। मंदार ने छह बार कॉल किया और कई मेसेज भी भेजे। जब बात हुई तो कहा कि उन्हें सोहेल से इस बात का पता लगा कि उन्होंने मेकर्स के खिलाफ सेक्शुअल हैरेसमेंट का केस करने की प्लानिंग की है। आखिर वह ऐसा क्यों कर रही है? मंदार के इतना कहते ही वह उन पर भड़क गईं, और उन्हें उनके मामले में दूर रहने की नसीहत दी। तारक मेहता... ने बताया कि उन्होंने मंदार से साफ कहा कि अगर वह उनका साथ नहीं दे सकते, तो झूठ भी न बोलें। वह इस पूरे मामले में मंदार का नाम नहीं लेतीं अगर वह उनके खिलाफ बात नहीं करते। मंदार ने उन्हें हर पांच दिन कॉल किया सिर्फ यह जानने के लिए कि आखिर हो क्या रहा है। वह सब जानते हैं, और कभी भी आरोपों से इनकार नहीं किया। बता दें कि इन दिनों सुर्खियों में है। वजह शो की कहानी नहीं, बल्कि जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल द्वारा शो के प्रोड्यूसर असित मोदी और प्रोडक्शन के बाकी मेंबर्स सोहेल रमानी और जतिन बजाज पर लगाए आरोप हैं।

सूडोकु नवताल- 6437

कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6436 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्दजाल - 7184

प्र	क	ल	प्र	कृ	ति	र्ल	धी	प्र	ल	ज
र	जा	ल	दे	प्र	ता	प	इं	ति	ट	वा
त	स	ति	ल	र्म	छ	रा	रा	शो	ख	प्र
प्र	ज	ज	सु	पु	र	प्र	प	ध	ली	ति
म	ती	दो	ग	ल्ता	लं	णा	तू	गी	झ	कू
प्र	क	क्षा	प	ह	न	म	ना	ता	घ	ल
जा	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
प	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
ति	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	प्र	ख	र	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	प्र	का	श	त

शब्दजाल में 'प्र' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

प्रणाम,प्रकाश,प्रकृति,प्रजापति,प्रतीक्षा, प्रताप,प्रखर,प्रजाति,प्रतिकूल,प्रतिशोध

शब्दजाल - 7183 का हल

जी	न	त	अ	मा	न	र	तू	ग	झ	डिं
ज	प्री	ल	म	आ	ज	या	भा	दु	ड़ी	प
अं	ती	नु	दि	ल	दा	ल	व	र	ला	ल
ज	जिं	का	जो	ल	ला	क	ही	रि	श	क
स	य	श	दे	रा	खी	स	दा	ग	वी	पा
री	रं	ल	चु	व	लि	र्त	र	ती	प	ड़ि
रा	गा	ल	के	गा	प	म	ह	कौ	या	या
नी	बा	रे	खा	त	क	छ	मा	ग	श	थ
मु	स	मि	न	व	न	ज	न	शा	जू	द
ख	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
र्जी	ऐ	श्व	र्या	रा	य	य	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6137

7		1	6		5	4
2	34		30	4	28	
	5		3		7	1
3	30		32	6	39	
1		2		5		
	28		33	7	38	3
4		3	6		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6136 का हल

1	6	5	4	3	7	2
5	32	7	32	1	30	3
3	1	4	6	2	5	7
2	22	3	37	7	39	6
4	3	2	7	6	1	5
6	34	1	34	5	28	4
7	5	6	3	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

बीसीसीआई की एसजीएम 27 मई को : वनडे वर्ल्ड कप के शेड्यूल पर होगी चर्चा, डब्लूटीसी फाइनल के लिए 3 बैचों में रवाना होगी टीम इंडिया

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को लेकर स्पेशल जनरल मीटिंग बुलाई है। यह मीटिंग इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल से पहले 27 मई को अहमदाबाद में होगी। ऐसी संभावना है कि मीटिंग के बाद वर्ल्ड कप को लेकर खास घोषणा हो सकती है।

वर्ल्ड कप का पूरा शेड्यूल जारी किया जा सकता है

रिपोर्ट के अनुसार, एसजीएम एजेंडे में से एक, आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के लिए कार्य समूह का गठन है। चर्चा है कि मीटिंग के बाद अक्टूबर-नवंबर में होने वर्ल्ड कप टूर्नामेंट का पूरा शेड्यूल जारी किया जा सकता है। साथ ही आयोजन समिति के सदस्यों की भी घोषणा हो सकती है।

आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड कप की तारीखों और वेन्यू की घोषणा अभी तक नहीं की गई है, लेकिन ऐसी अटकलें हैं कि टूर्नामेंट 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होगा। इसे देश के 12 शहरों में खेला जाएगा। अहमदाबाद फाइनल की मेजबानी करेगा। लेकिन, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि कार्यक्रम की घोषणा भी होगी या नहीं।

महिला प्रीमियर लीग और यौन उत्पीड़न नीति

रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई महिला प्रीमियर लीग के लिए एक समिति के गठन की घोषणा करेगा। पहला सीजन इस साल मार्च में आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल द्वारा आयोजित किया गया था। अब बीसीसीआई महिला लीग के लिए एक अलग निकाय का गठन कर सकता है।

27 मई की इस बैठक में राज्य टीमों में फिजियोथेरेपिस्ट और प्रशिक्षकों की नियुक्ति के लिए दिशानिर्देश दिए जा सकते हैं। इस बैठक में यौन उत्पीड़न नीति की पुष्टि जैसे मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है।

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए टीम इंडिया के खिलाड़ी 3 बैचों में रवाना होगा

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टीम इंडिया के सदस्य तीन बैच में इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। आईपीएल के लीग स्टेज के खत्म होने के तुरंत बाद पहला बैच 23 मई को उड़ान भरेगा। दूसरा बैच 23 और 24 मई को पहले दो प्ले-ऑफ मैचों के बाद जाएगा।

आखिरी बैच 28 मई के फाइनल के बाद 30 मई को रवाना होगा। इसके अलावा बीसीसीआई इंग्लैंड में टीम के लिए एक प्रैक्टिस मैच आयोजित कराने की योजना बना रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 7 से 12 जून तक ओवल में खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

श्रीसंत ने की भारत के युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की तारीफ

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए सुपर सैटरडे को दोपहर के

मैच में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी और बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स शाम के मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स की मेजबानी करेगी। एक जीत सीएसके और एलएसजी के लिए प्लेऑफ बर्थ की पुष्टि करेगी जबकि डीसी और केकेआर विपक्षी टीमों के खेल को खराब करने और चीजों को और जटिल बनाने के लिए सामने आएंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच विजयी अर्धशतक बनाने के लिए भारत के युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की सराहना की है। शॉ - जिनका आईपीएल 2023 में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था - को लगभग एक महीने तक बेंच पर बैठने के बाद मौका मिला। दाएं हाथ के प्रतिभाशाली बल्लेबाज ने धर्मशाला में बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान दिया और टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि मुंबईकर इस सीजन का अंत शानदार तरीके से करेंगे। श्रीसंत ने कहा, मैं पृथ्वी शॉ से बहुत खुश हूं कि सीजन के आखिरी छोर पर उनके नाम पर कुछ रन आये। वह सीएसके के खिलाफ भी इसे जारी रखेंगे । श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना एक और युवा खिलाड़ी हैं जो मैच में आकर्षण का केंद्र होंगे। सीएसके के तेज गेंदबाज ने येलो आर्मी के लिए अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम के लिए जीत में एक और महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह का मानना है कि युवा तेज गेंदबाज का कप्तान एमएस धोनी ने अच्छा उपयोग किया है और गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो उन्हें अच्छी तरह से तैयार कर रहे हैं। पथिराना का एमएस धोनी द्वारा शानदार उपयोग किया गया है। वह अपने छोर से रनों के प्रवाह को रोकते हैं। अपने अनूठे एक्शन से उनकी गेंदों को समझना बहुत मुश्किल है।

ड्यूक नहीं कूकाबूरा गेंद से खेला जाएगा वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल: इंग्लैंड में पहली बार ड्यूक से नहीं खेलेगी टीम इंडिया

मुंबई । इंग्लैंड में 7 जून से वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेला जाना है, जो ओवल पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होगा। इस मुकाबले में ड्यूक नहीं बल्कि कूकाबूरा गेंद का इस्तेमाल किया जाएगा। दोनों ही टीमों ने लाल गेंद के ऑस्ट्रेलियन वैरिएंट का इस्तेमाल करने पर सहमति जताई है। यह पहला मौका होगा, जब भारतीय टीम इंग्लैंड में ड्यूक गेंद से नहीं खेलेगी। 2021 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल में ड्यूक गेंद का इस्तेमाल हुआ था। हालांकि, काउंटी टीमों ने रेड ड्यूक्स गेंदों की खराब गुणवत्ता की शिकायत की है। शायद यही वजह है कि दोनों टीमों ने कूकाबूरा के साथ जाने का फैसला किया है। रिकी पोंटिंग ने पुष्टि की है कि आईसीसी ने ड्यूक की बजाय कूकाबूरा के इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। पिछले साल जब न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड का दौरा किया था, तब कीवी कप्तान विलियम्सन ने भी ड्यूक गेंदों के बारे में शिकायत की थी और कहा था कि ये गेंदें जल्दी आकार खो रही हैं। जल्दी नरम हो रही हैं और स्विंग भी नहीं मिल रही। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का पहला सीजन न्यूजीलैंड ने जीता था। कीवी टीम ने फाइनल मुकाबले में भारत को 8 विकेट से हराया था। उस मुकाबले का रिजल्ट रिजर्व-डे पर निकला था।

सेविला ने सातवीं बार फाइनल में बनाई जगह, रोमा से होगा महामुकाबला

नई दिल्ली। सेविला ने 120 मिनट के रोमांचक मुकाबले में जुवेंटस को 2-1 से हराकर यूरोपा लीग

के फाइनल में जगह बनाई। यूरोपा लीग के फाइनल में सेविला का मुकाबला रोमा से होगा। सेविला ने सातवीं बार यूरोपा लीग के फाइनल में जगह बनाई है। कोच जोस लुइस मेंडिलिबार के नेतृत्व में सेविला ने पिछले 12 मुकाबलों में 1 मैच गंवाया है। सेविला और जुवेंटस ने शुरुआत हाफ में जबरदस्त खेल दिया। सेविला के गोलकीपर बोनो ने गेम के 12वें मिनट में कार्नर किक को डिफ्लेक्ट करते हुए शानदार बचाव किया। वहीं, जुवेंटस के गोलकीपर वोज्शिएक स्जेसनी ने 23वें मिनट में लुकास ओकाम्पोस के डाइविंग हेडर को आखिरी सेकंड में विफल कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने कई मौके गंवाए। दूसरे हाफ में व्लाहोविच ने जुवेंटस को बढ़त दिलाई। सेविला डिफेंस में खराब नियंत्रण का फायदा उठाते हुए 65वें मिनट में बोनो के ऊपर से गेंद को क्लिप कर गोल में पहुंचा दिया। हालांकि, सेविला ने वापसी की। सुसो ने बॉक्स के बाहर से एक जबरदस्त शॉट के माध्यम से सिर्फ छह मिनट बाद बराबरी कर ली।

विराट कोहली ने किया संन्यास पर खुलासा, फैंस की उम्मीदों पर खरा उतरना जरुरी

मुंबई ।

विराट कोहली ने कहा है कि हमें अपने फैंस की उम्मीदों पर खरा उतरना जरुरी है, तभी हमारे खेलने का कोई मतलब है। उन्होंने सन्यास पर खुलासा करते हुए कहा कि उस समय वह हताश जरा भी नहीं थे। गौरतलब है कि विराट कोहली आईपीएल 2023 में बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। वे 500 से अधिक रन बना चुके हैं। टी20 लीग के 16वें सीजन में उन्होंने अपने पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ताबड़तोड़ शतक ठोका। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को इस मैच में जीत मिली और उसके प्लेऑफ की उम्मीद बची हुई है। टीम के 13 मैच में 14 अंक हैं। अंतिम मुकाबले में उसे रविवार 21 मई को गुजरात टाइटंस से भिड़ना है। कोहली अब तक इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब नहीं जीत सके हैं। पिछले साल एशिया कप से पहले विराट कोहली ने ब्रेक लिया था। अब उन्होंने इसे लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने एक चैनल पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा से बातचीत करते हुए कहा कि मैं जब ब्रेक के बाद वापसी कर रहा था, तो मेरे साथ यह भी सोच थी कि यह मेरा कॉम्पेटेटिव क्रिकेट का अंतिम महीना हो सकता है। यानी वे संन्यास की सोच रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं इसके साथ बिल्कुल ठीक था।

मैं खुश था कि भगवान ने मुझे क्या दिया है। मैं हताश नहीं था। गौरतलब है कि विराट कोहली ने एशिया कप के दौरान ही अफगानिस्तान के खिलाफ अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक ठोका था। लगभग 3 साल से अधिक समय बाद वे इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक लगाने में कामयाब हुए

थे। अफगानिस्तान के खिलाफ ओपनिंग करने को लेकर उन्होंने खुलासा किया कि कोच राहुल द्रविड़ ने मैच से एक दिन पहले मुझसे पूछा कि क्या तुम कल ओपनिंग करना चाहते हो। मैंने कहा कि 100 फीसदी। विराट कोहली ने कहा कि मेरे लिए यह मौका अच्छा रहा। मैंने ओपनिंग की और गेंद को हिट करना शुरू कर दिया। सब कुछ मेरे लिए अच्छा हो गया और मुझे वह उत्साह फिर से मिल गया। यह इसलिए हुआ, क्योंकि मैं खुद को लेकर कभी असुरक्षित नहीं था। मैं खुद फैंस की उम्मीदों की पर खरा उतरना चाह रहा था। इसे मैं कह नहीं सकता था, लेकिन इसके लिए मेरी कड़ी मेहनत लगातार जारी थी। विराट कोहली ने कहा कि अंत में मुझे में इसमें सफलता भी मिली। खराब दौर से उबरने के लिए मैंने ब्रेक लिया था। कोरोना का समय किसी के लिए भी काफी कठिन था। मैंने भी इस कारण ब्रेक लिया और वो फिर से हासिल कर लिया, जो मैं चाहता था। उन्होंने बताया कि कोरोना के कारण हम 10 महीने तक कोई क्रिकेट नहीं खेल सके थे। 2020 में मैंने सिर्फ 6 मैच खेले थे। इसके बाद भी सिर्फ मेरे शतक की बात हो रही थी। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने बताया कि उस समय हर मैच के बाद मुझसे खराब प्रदर्शन के बारे पूछा जा रहा था। क्या मेरे 70 रन काफी नहीं थे। उन्होंने कहा कि मैं समझ गया कि लोग मुझसे क्या उम्मीद कर रहे हैं। इस कारण बार-बार ये सवाल किए जा रहे थे। लेकिन इसे लेकर मैं अधिक परेशान नहीं हुआ और यही सोच रहा था कि अभी मैं टीम के लिए योगदान दे रहा हूं।

तीरंदाजी में ओजस और ज्योति स्वर्ण की दहलीज पर, सेमीफाइनल में इटली को हराया, कोरिया से फाइनल

शंघाई । भारत की कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने यहां फाइनल में जगह बनाकर विश्व कप के दूसरे चरण में पदक पक्का किया लेकिन रिकर्व तीरंदाजों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेनम की भारतीय जोड़ी ने एक रोमांचक सेमीफाइनल में इटली की अपनी प्रतिद्वंदी टीम को 157-157 (19*-19) से हराकर विश्व कप में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। भारत की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी का सामना होने वाले फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया से होगा। पिछले महीने अंताल्या में विश्वकप के पहले चरण में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय जोड़ी की फाइनल में यहां कड़ी परीक्षा होगी। भारतीय जोड़ी ने प्री-क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश को 158-151 से आसानी से पराजित किया, जबकि अगले दौर में उन्होंने तुर्की की मजबूत टीम पर 157-156 से जीत हासिल की। सेमीफाइनल में इटली की एलिसा रोनर और एलिया फ्रीगनन ने पहले चक्र में परफेक्ट 40 का स्कोर बनाते हुए एक अंक की बढ़त हासिल की। इटली की टीम ने तीसरे चक्र में 40 का स्कोर बनाया और अपनी बढ़त दो अंकों (117-119) की कर दी। लेकिन ओजस और ज्योति ने बेहतरीन वापसी की और चौथे दौर में 40 का स्कोर बनाकर मुकाबले को शूट ऑफ तक खींच दिया जिसमें भारतीय जोड़ी के तीर केंद्र के अधिक करीब रहे और इस आधार पर उसने फाइनल में जगह बनाई।

नीरज चोपड़ा पावो नूरमी खेल में लेंगे हिस्सा

13 जून को फिनलैंड के तुर्कू में होगा टूर्नामेंट; इसमें पहले जीत चुके सिल्वर मेडल

पानीपत।

हरियाणा के पानीपत से ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा मिशन पेरिस के लिए लगातार कड़ा अभ्यास कर रहे हैं। इस साल की वे पहली प्रतियोगता दोहा लीग खेल चुके हैं। जिसमें उन्होंने गोल्ड मेडल हासिल किया है। इसके बाद अब वे वह चार जून को नीदरलैंड के हेंगेलो में 'फैनी ब्लैंकर्स-कोएन गेम्स' में हिस्सा लेंगे। साथ ही उनकी जून माह में दो और प्रतियोगिताएं होंगी। जिनमें नीरज चोपड़ा 13 जून को फिनलैंड के तुर्कू में होने वाले पावो नूरमी खेलों में अपने रजत पदक जीतने के प्रयास को बेहतर करने की कोशिश करेंगे, जो इस सत्र की उनकी तीसरी प्रतियोगिता होगी। एक साल पहले तुर्कू में चोपड़ा ने रजत जीतने के लिए 89.30 मीटर की दूरी तय की, और बाद में यूजीन, यूएसए में विश्व चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहने के लिए 89.94 मीटर की दूरी में सुधार किया। इन दिग्गजों से होगा नीरज का मुकाबला जर्मन स्टार जोहान्स वेटर, जो चतुष्कोणीय खेलों में हॉट फेवरेट के रूप में प्रवेश करने के बाद टोक्यो ओलिंपिक खेलों के अंतिम दौर के लिए भी क्वालीफाई करने में असफल रहे, लगभग दो वर्षों में चोपड़ा के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता को नवीनीकृत करेंगे। पावो नूरमी गेम्स एक वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड-लेवल मीट है। वेटर के अलावा, चोपड़ा टोक्यो ओलिंपिक के रजत पदक विजेता जैकब वडलेज्च, त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट, जर्मनी के यूरोपीय चैंपियन जूलियन वेबर और फिनलैंड के यूरोपीय चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लस्सी एटेलाटोलो से भी मुकाबला करेंगे। एक साल पहले तुर्कू में, चोपड़ा ने रजत जीतने के लिए 89.30 मीटर की दूरी तय की, और बाद में यूजीन, यूएसए में विश्व चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहने के लिए 89.94 मीटर की दूरी में सुधार किया।

15 भार वर्गों में आठ हरियाणा के पहलवान चयनित, ट्रायल का अंतिम दिन

नई दिल्ली/सोनीपत ।

एशियाई अंडर-17 और अंडर-23 कुश्ती चैंपियनशिप के लिए आईओए तदर्थ समिति की ओर से एनआईएस पटियाला और साई सेंटर सोनीपत में कराए जा रहे ट्रायल के तीसरे दिन हरियाणा के पहलवानों ने दबदबा जारी रखा। 15 में से आठ भार वर्गों में हरियाणा के पहलवानों ने भारतीय टीम में जगह बनाई। ट्रायल का अंतिम दिन होगा।

तदर्थ समिति के सदस्य भूपेंदर सिंह बाजवा और ओलंपियन निशानेबाज सुमा शिरूर की अगुवाई में कराए जा रहे ट्रायल के अंडर-17 फ्रीस्टाइल वर्ग में सौरभ (हरियाणा, 65), सौरभ यादव (यूपी, 80), ग्रीको रोमन में सचिन कुमार (हरियाणा, 65), अमन (हरियाणा, 80), लड़कियों में नेहा (हरियाणा, 57), शिक्षा (दिल्ली, 65) का चयन हुआ। अंडर-23 पुरुष फ्रीस्टाइल में अभिमन्यु (दिल्ली, 70), यश (दिल्ली, 74), सागर जगलान (हरियाणा, 79), ग्रीको रोमन में विनायक पाटिल (महाराष्ट्र, 67), अंकित गुलिया (हरियाणा, 72), विकास (हरियाणा, 77) और लड़कियों में रजनी (दिल्ली, 57), निकिता (दिल्ली, 62), भटेरी (हरियाणा, 65भार वर्ग) का चयन हुआ।

पदक 15 रुपये के नहीं ये हमारी 15 साल की मेहनत हैं: बजरंग

यौन उत्पीड़न के आरोपों में घिरे भारतीय कुश्ती

संघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह की ओर से पदक की कीमत 15 रुपये बताए जाने पर धरना दे रहे पहलवान बजरंग और साक्षी मलिक ने कहा इसकी कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती है। यह हमारी 15 साल की मेहनत का नतीजा है। बृजभूषण ने कहा था कि अगर पहलवानों को लौटाना ही है तो पदक के साथ मिली करोड़ों रुपये की इनामी राशि लौटाएं।

पदक की कीमत तो सिर्फ 15 रुपये है उससे क्या होगा। इस पर बजरंग ने कहा कि ये पदक हम देश के लिए अपना खून-पसीना बहाकर लाए हैं। ये हमारी 15 साल की मेहनत का नतीजा हैं। साक्षी ने कहा कि गुड्डे-गुडिया की खेलने की उम्र से उन्होंने अखाड़े की मिट्टी को अपना दोस्त बनाया है। जिस पदक को 15 रुपये का बताया जा रहा है। उस पर हमने अपना सब कुछ कुर्बान किया है। इस पदक की कोई कीमत नहीं है।

पाकिस्तानी टीम को बड़ा झटका, इस्तीफा देकर घर लौटे हेड कोच, 12 महीने से नहीं मिली थी सैलरी

कराची ।

पाकिस्तान के डच हॉकी कोच सिगफ्रीड ऐकमैन ने पिछले 12 महीनों से वेतन नहीं मिलने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ऐकमैन, जो पिछले साल राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए थे, उन्होंने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उन्होंने आधिकारिक तौर पर पाकिस्तानी हॉकी टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है।

पिछले साल ही घर लौट गए थे ऐकमैन, नहीं छोड़ा था पद - हालांकि, ऐकमैन वेतन विवाद को लेकर पिछले साल के अंत में पाकिस्तान से स्वदेश लौटे थे, लेकिन उन्होंने अपने बकाया के भुगतान की प्रतीक्षा में पद नहीं छोड़ा था, लेकिन कोई समाधान न होने पर उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया है। जिस समय ऐकमैन ने पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) को अपना इस्तीफा भेजा, उसी समय एक और डच कोच रोलेंट ओल्टमैंस पाकिस्तान पहुंचे। वह एशिया जूनियर कप के लिए राष्ट्रीय जूनियर टीम के साथ मस्कट के लिए उड़ान भरेंगे।

तय नहीं कि ऐकमैन को सैलरी मिलेगी या नहीं - पीएचएफ ने पुष्टि की कि ओल्टमैन्स लाहौर पहुंच गए हैं और उन्होंने

कॉन्टिनेंटल इवेंट के लिए जूनियर टीम की कमान संभाली है। पीएचएफ ने यह संकेत नहीं दिया है कि ओल्टमैन के वेतन का भुगतान कौन करेगा या ऐकमैन का बकाया चुकाया जाएगा या नहीं। पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड (पीएसबी) ने कहा कि वह डच कोच के वेतन का भुगतान करेगा। इसके बाद ऐकमैन को पीएचएफ द्वारा नियुक्त किया गया था। चुनाव और संवैधानिक मुद्दों को लेकर पीएचएफ के बीच गतिरोध के कारण ऐसी स्थिति पैदा हो गई, जहां राज्य-नियंत्रित संस्था ने पीएचएफ को फंड देना बंद कर दिया है।

ओमान भी पैसे जुटाकर गई पाकिस्तानी टीम - पीएचएफ के एक अधिकारी ने कहा, यहां तक कि (फंडिंग) टीम को हमने ओमान भेजा है, जो निजी दानदाताओं और प्रायोजकों के माध्यम से पैसा जुटाकर किया गया है।

काजू की फैक्टरी और घरों पर काम कर एथलीट बनीं शीबा, अब एशियाई मास्टर्स में जाने का नहीं मिल रहा सहारा

नई दिल्ली ।

शीबा ने न तो स्कूल स्तर पर कभी एथलेटिक्स किया और न ही बाद में उन्हें किसी ने एथलीट बनने के लिए प्रेरित किया। दो वक्त की रोटी के लिए काजू की फैक्टरी में समय पर पहुंचने के लिए लगाई गई रोजाना की दौड़ और तेज चलने ने उन्हें एथलीट बना दिया।

फैक्टरी के अलावा दूसरों के घरों में काम करने वाली 38 वर्षीय दो बच्चों की मां शीबा मास्टर्स एथलीट में देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत रही हैं। माय्यनाड़ की शीबा को नवंबर में फिलीपींस में होने वाली एशियाई मास्टर्स एथलेटिक्स में खेलने जाना है, लेकिन उनके पास वहां जाने के लिए डेढ़ लाख रुपया नहीं है। अभी तक उनकी मदद को भी कोई आगे नहीं आया है।

ट्रैक सूट पहनकर अभ्यास करने के दौरान बना मज़ाक

विश्व मास्टर्स एथलेटिक्स में पदक जीत चुकीं शीबा बताती हैं कि रोजाना की भागदौड़ और जल्दी फैक्टरी पहुंचने के लिए लगाई गई दौड़ ने उन्हें एथलीट बना दिया। वह फैक्टरी से अनुमति लेकर शाम को जल्दी निकल जाती हैं और लोगों

के घरों पर काम करती हैं। इसके बाद उन्हें जो भी समय मिलता है वह ट्रैक सूट पहनकर अभ्यास करती हैं। इस दौरान लोग उनका मजाक उड़ाते हैं। वे कहतें कि इस उम्र में उन्हें और कोई काम नहीं मिला, लेकिन वे उन्हें नजरअंदाज करती हैं। वह कहती हैं कि उन्होंने कभी स्कूल स्तर पर एथलेटिक्स में भाग नहीं लिया, लेकिन जब से वह इस खेल में आई हैं तब से यह उनका जुनून गया है। शीबा उनकी ओर से जीते गए खिड़की पर टंगे पदक और झोले में भरे ढेरे प्रमाण पत्रों को दिखाती हैं।

पहले कई लोग मदद के लिए आए हैं आगे

राज्य सरकार की ओर से मास्टर्स एथलेटिक्स को मान्यता नहीं दे रखी गई है। इस कारण उन्हें सरकारी मदद नहीं मिल पाती है और खुद ही अंतरराष्ट्रीय इवेंटों में खेलने के लिए राशि जुटानी होती है। वह बताती हैं कि इससे पहले वह कई अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स एथलीट मीट और देश में होने वाली मीटों में पदक जीत चुकी हैं। हर बार उनकी मदद को कोई न कोई दयालु इंसान सामने आया है।

उम्मीद इस बार भी मदद कोई आगे आएगा कोई

बीते वर्ष बंगाल में हुई राष्ट्रीय मास्टर्स में शीबा ने 400 मीटर रिले और 3000 मीटर पदचाल में पदक जीते। यहीं से उन्होंने एशियाई मास्टर्स के लिए क्वालिफाई किया। शीबा को विश्वास है कि इस बार भी उनकी मदद को कोई न कोई आगे आएगा और उनका एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय इवेंटों में पदक जीतने का सपना पूरा होगा।

40 खिलाड़ियों के पूल में टेबल टेनिस लीग का ड्रॉफ्ट अगले माह, एक टीम में छह खिलाड़ी, इनमें दो विदेशी

मुंबई । अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल, जी. साथियान और मनिका बत्रा अल्टीमेट टेबल टेनिस के आगामी सीजन में भारतीय सितारों में आकर्षण का केंद्र होंगे। इसके अलावा विदेशी खिलाड़ियों में नाइजीरिया की दुनिया की 12वें नंबर की अरुणा कादरी भी हिस्सा लेंगी। लीग के चौथे सत्र का आयोजन पुणे के बालेवाडी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में 13 से 30 जुलाई तक होगा। खिलाड़ियों का ड्रॉफ्ट अगले महीने मुंबई में होगा।चालीस खिलाड़ियों के पूल में टीमें दो विदेशियों का चयन कर सकती हैं। इनमें एक पुरुष और एक महिला शामिल होगी, इसके अलावा चार भारतीय होंगे। हर टीम पिछले सत्र से एक खिलाड़ी को अपनी टीम में कायम रख सकती है। भारतीय खिलाड़ियों में गत राष्ट्रीय चैंपियन श्रीजा अकुला शामिल हैं, जिन्होंने हाल में लगातार दूसरा राष्ट्रीय खिताब जीता है। इसके अलावा अंडर-19 पुरुष वर्ग के राष्ट्रीय चैंपियन पायस जैन, दिया चितले, एस फिडेल, आर स्नेहित और अंकुर भट्टाचार्जी शामिल होंगे। अरुणा के अलवा दुनिया के 32वें नंबर के जर्मनी के बेनेडिक्ट डूडा, दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी मिस्र के ओमर एसार , 2019 विश्व चैंपियनशिप में युगल का रजत जीतने वाले स्पेन के अल्वारो रोबल्स भी चौथे सत्र का हिस्सा होंगे। दुनिया की 24वें नंबर की खिलाड़ी अमेरिका की लिली झांग, ऑस्ट्रेलिया के यांगजी लियू, थाईलैंड के सुथासिनी स्वेटाबट, स्लोवाकिया की बारबोरा ड्रॉफ्ट पूल में शामिल महिला खिलाड़ी होंगी। बेंगलुरु स्मैशर्स, चेन्नई लॉयंस, दबंग दिल्ली टीटीसी, गोवा चैलेंजर्स, पुनेरी पलटन और यू मुंबा।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है करेले का जूस

करेले में कई औषधीय गुण होते हैं, जिसकी वजह से परंपरागत चिकित्सा और आयुर्वेद में इसका काफी इस्तेमाल होता है। हालांकि टेस्ट में कड़वा होने के कारण कई लोगों को ये पसंद नहीं होता, लेकिन करेले का जूस रोज पीने से आप कई स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं। ब्लड शुगर लेवल कम करे झ तीन दिन में एक बार सुबह खाली पेट करेले का जूस पियें, इससे ब्लड ग्लूकोज लेवल कंट्रोल में रहता है। इस जूस में मोमोर्सिडिन और केरेटिन नाम के दो एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक तत्व होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को मसल्स तक पहुंचाते हैं। भूख बढ़ाए झ अगर आपको कम भूख लगती है तो मुमकिन है कि आपके शरीर में पोषक तत्वों की कमी रहे, और आपको कई स्वास्थ्य समस्याएं हो जाएं। ऐसे में एक ग्लास करेले का जूस पीने से पाचन तंत्र के रस का स्राव होने लगता है, जिससे भूख खुद ब खुद बढ़ जाती है। इसके अलावा करेले के जूस कई अनगिनत फायदे हैं।

फिनलैंड में हैं सबसे कम मरीज

यह छोटा सा और बिना शोर शराबे से धड़कने वाला दिल आखिर इतने बड़े 'अटैक' का शिकार क्यों हो जाता है। भारत में जहां दिल के रोगी सबसे ज्यादा हैं, वहां फिनलैंड एक ऐसा देश है जहां दिल के मरीज सबसे कम हैं। इस संबंध में वहां जब रिसर्च की गई तो इसकी प्रमुख वजह वहां के लोगों के संतुलित खान-पान के तौर पर देखने को मिली। लोगों को भोजन में सावधानी बरतने की जरूरत है।

कान छिदवाने के अनेक फायदे

हिन्दूधर्म ही विश्व का एकमात्र ऐसा धर्म है जिसकी परंपराएं विज्ञान पर आधारित है। कान छिदवाना सिर्फ परंपरा नहीं हैं बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी जुड़े हैं, आइए कान छिदवाने से जुड़े वैज्ञानिक कारणों के बारे में जानते हैं।

मानसिक क्षमता में वृद्धि

वैज्ञानिक दृष्टि के अनुसार कान छिदवाने से व्यक्ति के ब्रेन में ब्लड सर्कुलेशन सही प्रकार से होता है। और ब्रेन में ब्लड का सही तरह से सर्कुलेशन होने से आपकी बौद्धिक योग्यता बढती है। इसीलिए पहले के समय में गुरुकुल में जाने वाले हर विद्यार्थी को कान में छेद करना पड़ता था, जिससे उसकी दिमागी क्षमता में वृद्धि होती थी और विद्यार्थी बेहतर ज्ञान की प्राप्ति करता था।

सही रखें प्रजनन क्षमता

कान में छेद करवाना महिलाओं और पुरुष दोनों के लिए फायदेमंद होता है। क्योंकि कान के बीच की सबसे खास जगह जिसे प्रजनन के लिए जिम्मेदार माना जाता है, न केवल पुरुषों के लिए फायदेमंद होता है, बल्कि महिलाओं की अनियमित पीरियड्स की समस्या को भी दूर करता है।

पुरुषों के लिए फायदेमंद

ये भी माना जाता है कि कान छिदवाने से व्यक्ति को लकवे की शिकायत कभी नहीं होती, साथ ही ये पुरुषो के अंडकोष को और वीर्य को संचित करने में भी लाभदायक होता है। कान छिदवाने से कई प्रकार के इन्फेक्शन, हाइड्रोसील और पुरुषों में ज्यादातर देखी जाने वाली हर्निया की समस्या भी दूर होती है। इसके अलावा व्यक्ति के चेहरे पर चमक और कान्ति आती है और व्यक्ति के रूप में निखार आता है।

आंखों के लिए अच्छा

कान में छेद करवाना आपकी दृष्टि में सुधार करने में मदद करता है। एक्यूपंक्चर के अनुसार, कान के बीच के केंद्रीय बिंदु का संबंध आंखों की रोशनी से होता है। एक्यूपंक्चर में इसी जोड़ पर दबाव डाला जाता है, जिससे आंखों की रोशनी सही रहती है।

कान रखता है स्वस्थ

कान का छेद वाले हिस्से पर दो बहुत जरूरी एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स मौजूद होते हैं, मास्टर सेंसोरियल और दूसरा मास्टर सेरेब्रल। यह प्वाइंट सुनने की क्षमता को सही बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक्यूप्रेशर एक्सपर्ट के अनुसार टिनिटस के लक्षणों से राहत पाने के लिए भी कान छिदवाना बहुत अच्छा रहता है।

पाचन तंत्र को रखता है दुरुस्त

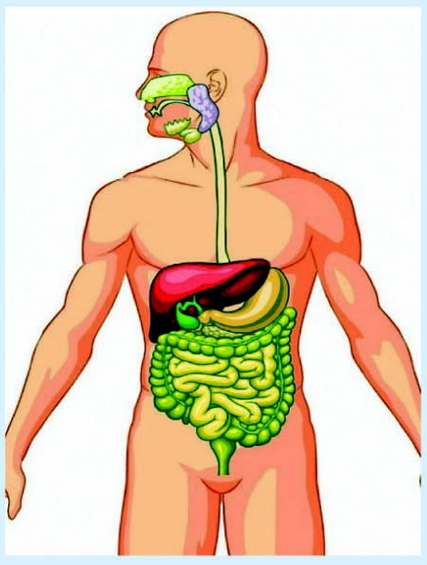

कान छिदवाने का एक बड़ा कारण पाचन तंत्र को दुरुस्त रखना भी है, क्योंकि इस प्वाइंट पर उत्तेजना से पाचन प्रणाली को स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है। विशेष रूप से यह प्वाइंट हंगर प्वाइंट का (एक्यूप्रेशर में कहा जाता है) केन्द्र है। हंगर प्वाइंट मानव की पाचन तंत्र की कार्यप्रणाली पर नजर रखने और मोटापे की संभावना को कम करने में मदद करता है।

कान छिदवाने से जुड़े वैज्ञानिक कारण

कान छिदवाने की परंपरा भारत में काफी पुरानी है। इसके पीछे कई सारी मान्यताएं और रीति-रिवाज हैं, लेकिन अब इंडिया में ही नहीं और भी कई देशों में भी लोग कान छिदवा रहे हैं। महिलाएं तो कान छिदवाती थीं लेकिन अब फैशन के चक्कर में पुरुष भी इसे अपनाने लगे हैं। कान छिदवाने के पीछे हर किसी के अपने विचार है, कुछ लोग कुछ मानते है कि ये एक्युपंचर का विशेष बिंदु होता है जिसका इस्तेमाल उपचार के महत्व से किया जाता है, वहीं कुछ का मानना हैं कि लोग सिर्फ सौंदर्य कि दृष्टि से ही कानों को छिदवाते है। लेकिन यह सिर्फ परंपरा नहीं हैं बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी जुड़े हैं।

हर कदम पर जरूरी है सावधानी

एचआईवी यानी ह्यूमन इम्यूनोडीफिशिएंसी वायरस और एड्स यानी एक्वायर्ड इम्यूनोडीफिसिएंसी सिंड्रोम। एचआईवी वह वायरस है, जो एड्स के लिए जिम्मेदार है। यह वायरस शरीर की कुछ खास कोशिकाओं पर हमला करके बॉडी के इम्यून सिस्टम को नुकसान पहुंचाकर उसे कमजोर बना देता है। परिणामतः व्यक्ति एड्स और सेक्स संबंधी कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। जब एचआईवी की वजह से किसी व्यक्ति का इम्यून सिस्टम इस कदर कमजोर हो चुका होता है कि उस कमजोरी का फायदा उठाकर उसके शरीर में 25 अलग-अलग तरह के इन्फेक्शन डिवेलप हो जाते हैं, तब एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति के अंदर एड्स पूरी तरह से डिवेलप हो चुका होता है। ऐसे में एड्स की जांच करवाना अनिवार्य हो जाता है। इस स्थिति में शरीर में एचआईवी वायरस की संख्या नियत लेवल से बढ़ती है।

इनसे नहीं फैलता एड्स

एड्स गले लगने, छूने, छींकने, साथ-साथ खेलने, एक ही बर्तन में खाने या बाथरूम या स्विमिंग पूल शेयर करने से नहीं फैलता। मच्छर के काटने से भी इसके फैलने का खतरा नहीं रहता।

टेस्ट पॉजिटिव होने पर

यदि टेस्ट एचआईवी पॉजिटिव बताता है तो रोगी अपनी मदद के लिए मेडिकल हेल्प ले सकते हैं। साथ ही एचआईवी की वजह से होने वाली कई बीमारियों से बच सकते हैं, लेकिन यह सब तभी संभव है जब एचआईवी टेस्ट करवाएं।

जांच में एचआईवी पॉजिटिव होने की जानकारी मिलने के बाद ही रोगी मेडिकल केयर, काउंसलिंग और जरूरत पड़ने पर सबका सहयोग भी पा सकता है।

ध्यान रखें

- कोई अपना जिस पर आपको पूरा यकीन हो, उसे बताना क्योंकि परिवार वालों और दोस्तों का सहयोग काफी मायने रखता है।
- रिजल्ट जानने के लिए कोई खास समय निश्चित करें। इसे टालें नहीं क्योंकि टेस्ट रिजल्ट फायदा तभी पहुंचाता है जबकि जल्द से जल्द इसे जान लें।

एचआईवी टेस्ट के स्टेप्स

डॉक्टर के ऑफिस या फिर क्लीनिक जाएं - नर्स या काउंसलर टेस्ट के बारे में बता सकता है। रोगी सवाल कर सकता है और अपने डर को दूर कर सकता है।

एचआईवी से जुड़े टेस्ट ब्लड में कर लिए जाएं- यदि पहला टेस्ट, जिसे एलीसा कहा जाता है, पॉजिटिव आता है (यह एचआईवी पॉजिटिव की निशानी है) तो एक बार फिर से ब्लड चेक होगा। यदि दूसरी बार भी ब्लड टेस्ट रिजल्ट पॉजिटिव आता है, जो कि वेस्टर्न ब्लॉट कहलाता है, तो वह एड्स है। यह रिजल्ट फिर से क्लीनिक पहुंचता है- इसके बाद नर्स या काउंसलर बताएंगे कि क्या करना है।

पूरी तरह कारगर नहीं दवाएं

एचआईवी से बचाव के लिए अब तक न तो कोई वैक्सीन निकाला जा सका है और न ही अन्य कोई उपाय। हालांकि 'एंटीरेट्रो वायरल्स' जैसी कुछ दवाएं जरूर तैयार की गई हैं जिनसे एचआईवी या सेक्स से जुड़ी अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों को कुछ और दिन जीने का मौका दिया जा सकता है। हालांकि ये दवाएं महंगी हैं।

इलाज के बजाय बचाव

वक्त बदल चुका है। एड्स के मरीजों को अब पहले की तरह घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि अब इसे कंट्रोल करने के लिए दवाएं उपलब्ध हैं। डॉक्टर के अनुसार बेहतर होगा कि एचआईवी एड्स की चपेट में आने संबंधी सुरक्षा बरती जाए, लेकिन इसके बावजूद यदि इसकी चपेट में कोई आ जाता है तो उसे घबराने की जरूरत नहीं है।

जल्द से जल्द सभी जरूरी जांच कराएं और दवाएं शुरू कर दें। खासतौर से ध्यान रखें कि नियमित रूप से जीवन भर एचआईवी एड्स की दवाएं लेते रहें। इसमें कोताही बिल्कुल भी न बरतें। डॉक्टर अनुसार यूं तो दुनिया भर में कई तरह से इसकी जांच की जाने लगी है, लेकिन हमारे देश में अभी ब्लड टेस्ट का ही मुख्य रूप से उपयोग किया जा रहा है।

एचआईवी टेस्ट है जरूरी

कोई एचआईवी ग्रस्त है या नहीं, जानने का एकमात्र तरीका टेस्ट ही है। खून में मौजूद सीडी4 की संख्या जब 350 से कम हो जाती है तो इसकी जांच कर ली जानी चाहिए। डॉक्टर के अनुसार जितना जरूरी एचआईवी टेस्ट करवाना जरूरी है, उतनी ही जरूरी उससे पहले की काउंसलिंग है। इसके अभाव में मरीज को इस टेस्ट के लिए तैयार करना या फिर इसका रिजल्ट बताना सही नहीं माना जा सकता।

डॉक्टर कहते हैं कि एड्स होने पर घबराएं नहीं, डॉक्टर की हर सलाह पर अमल करें। कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो इससे होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। आज देश के तकरीबन 300 अस्पतालों और सरकारी संस्थानों में यह जांच मुफ्त में की जा रही है और एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने पर मरीजों को इलाज और दवाएं मुफ्त बांटी जा रही हैं।

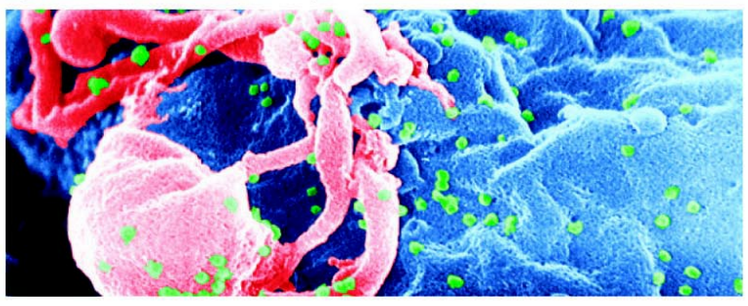

जरूरी है एचआईवी टेस्ट

कोई व्यक्ति एचआईवी ग्रस्त है या नहीं, इसे जानने का एकमात्र तरीका एचआईवी परीक्षण ही है। पूरी तरह से स्वस्थ नजर आने वाला व्यक्ति भी एचआईवी ग्रस्त हो सकता है।

एचआईवी टेस्ट जरूर करवाएं चाहिए

- किसी ऐसे व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध बनाना, जिसके बारे में निश्चित नहीं कि वह एचआईवी एड्स का शिकार है या नहीं।
- यह पता होना कि जिस व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंध बनाए गए हैं वह एचआईवी ग्रसित है।
- पहले कभी दोनों में से कोई भी सेक्स से जुड़ी किसी बीमारी के शिकार रहे हों तो भी एचआईवी का खतरा हो सकता है।
- एक से ज्यादा व्यक्तियों से सेक्स संबंध या फिर किसी ऐसे व्यक्ति के साथ संबंध जिसका संबंध पहले कई व्यक्तियों से रहा हो।
- किसी ऐसे व्यक्ति के साथ फिजिकल रिलेशन, जो दवाएं लेने के लिए सुई का इस्तेमाल करता हो या फिर उसने दवाएं लेने के लिए कभी किसी अन्य की इस्तेमालशुदा की सिरिंज इस्तेमाल की हो।
- इनमें से किसी भी सवाल का जवाब 'हां' है तो एचआईवी एड्स का टेस्ट जरूर करवा लेना चाहिए।

हाई न्यूट्रीशनल डाइट जरूरी

एड्स के मरीजों के लिए मिल्क शेक, मैंगो शेक, बनाना शेक जैसी हाई कैलोरी और अंडा, दालें, पीनट्स, बटर, मीट, मछली, दूध जैसी हाई प्रोटीन न्यूट्रीशनल फूड्स दी जाती है।

- एड्स के वैसे मरीज, जिन्हें भूख नहीं लगती, उन्हें हाई फैट वाली फैटी या फ्राइड चीजें खाने में न दें।
- जिन मरीजों को दस्त की शिकायत रहती है, उन्हें सॉल्युबल फाइबर दे सकते हैं। आलू, केला, फ्रूट जूस, नारियल पानी, इलैक्ट्रोलाइट वगैरह उनके लिए बेहतर डाइट कहा जाता है।

जरूरी यह है कि एचआईवी के जिन मरीजों की दवाएं शुरू कर दी गई हों, उन्हें एक ही बार में पूरी डाइट न दें, बल्कि उन्हें कई बार थोड़ा-थोड़ा करके तरल पदार्थ या खाने को दें।

एचआईवी और सेक्स से जुड़ी अन्य बीमारियों के बीच संबंध

- सेक्स से जुड़ी अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों के लिए एचआईवी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। वैजिनल, एनल या ओरल सेक्स से भी यह खतरा बना रहता है। इनसे बचने के लिए कंडोम या अन्य सावधानियां बरतना जरूरी है।
- केवल अपने पार्टनर पर भरोसा करके ही एचआईवी से सुरक्षित नहीं रहा जा सकता। एचआईवी से बचने के लिए इसके कारणों के साथ-साथ इसके बढ़ने की वजहों के बारे में विस्तार से जानें और उसे अमल में लाएं।
- अपने पार्टनर के अलावा किसी से भी सेक्स संबंध न बनाएं। इस बात का भी ध्यान रखें कि आपका पार्टनर एचआईवी पॉजिटिव न हो।
- असुरक्षित यौन संबंध और जहां-तहां ब्लड टेस्ट करवाने से बचें। इस्तेमालशुदा सुई दोबारा काम में न लाएं।

एक साल में महिलाएं 47 तो पुरुष रोते हैं 7 बार

रोने के फायदे..नहीं होता ब्लड प्रेशर

हंसने के लिए हम कई तरह के फंडे अपनाते हैं और इसको लेकर कई एक्सरसाइज भ्झी की जाती हैं। कहा जाता है कि हंसने से लंबी उम्र होती है, लेकिन क्या आपको पता है कि रोने से भी ऐसे ही कई फायदे हैं। एक शोध में इसका खुलासा हुआ है। रिसर्च में माना गया है कि रोने से हार्ट और ब्लड प्रेशर, कॉर्डियो जैसी खतरनाक बीमारियों की संभावना काफी कम होती है। इसे लेकर कुछ लोगों पर सर्वे भी किया जा चुका है।

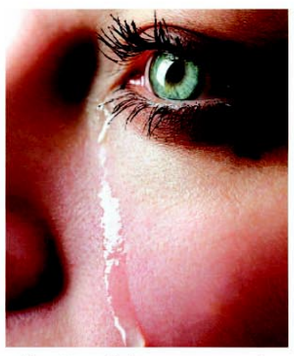

आंसू बहाना आंखों की सेहत के लिए जरूरी

रोना आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। आंसू निकलने के बाद हमे साफ देखने में मदद मिलती है। दरअसल आंसू आइबॉल और पलकों को ल्यूब्रिकेट करते हैं और म्यूकस झिल्ली को सूखने से बचाते हैं। इतना ही नहीं रोने से किसी भी इंसान का मैगनीज लेवल कम हो जाता है। क्योंकि अगर यह हाई होगा तो चिंता, घबराहट, चिड़चिड़ापन, थकान, मेंटल डिसबैलेंस जैसी प्रॉब्लम्स पैदा हो जाती हैं।

दूर होगी निराशा और चिंता आंसू चिंता और निराशा को बाहर निकालते हैं। रोने से मन की सफाई हो जाती है। इसके अलावा आंसू स्ट्रेस की वजह से शरीर से निकलने वाले केमिकल को दूर कर देते हैं। आंसू को रोकने से ब्लडप्रेशर, अल्सर और हार्ट का खतरा बढ़ता है।

मरते हैं बैक्टीरिया आंसू एंटी बैक्टीरियल और एंटी वाइरल एजेंट की तरह काम करते हैं। इनमें लाइसोजाइम द्रव पाया जाता है और 90 से 95 प्रतिशत बैक्टीरिया को केवल 5 से 10 मिनट में ही मारने की शक्ति रखता है।

रोने से कम हो जाता है गुस्सा

- एक शोध के मुताबिक करीब प्रतिशत महिलाओं और 73 प्रतिशत पुरुषों का गुस्सा रोने के बाद कम हुआ ।
- आंकड़ों के मुताबिक महिलाएं एक साल में 47 बार रोती हैं, वहीं पुरुष 7 बार।
- औसत रोने का समय 6 मिनट तक था शोध में ।
- शाम के 7 बजे से 10 बजे तक लोग सबसे ज्यादा रोते हैं।

1 माह पहले वार्निंग देने लगता है हार्ट अटैक

दुनिया में ज्यादातर लोगों की मौत की वजह हार्ट अटैक होती है। कुछ मरीजों को तो हार्ट अटैक के बारे में पता ही नहीं चलता, लेकिन थोड़ी एहतियात बरती जाएं तो दिल के दौरे को टाला जा सकता है। हार्ट अटैक के लक्षण 1 महीने पहले दिखने लग जाते हैं। खासतौर पर बॉडी में जब यह 6 लक्षण नजर आएं तो जरा सावधान रहिए, क्योंकि यह हार्ट अटैक का यह संकेत हो सकते हैं।

बॉडी में ये 6 लक्षण दिखें तो रहें जरा सावधान

ज्यादा थकान हो तो संभलें

बिना किसी वर्क आउट के थकान होना हार्ट अटैक की दस्तक हो सकती है। दिल को ज्यादा मेहनत की जरूरत तब होती है, जब हृदय धमनियां कोलेस्ट्राल के कारण बंद हो जाती है। अच्छी नींद के बाद आलस और थकान का अनुभव हो और दिन में भी नींद आए तो खतरा है।

सीने में जलन तो रहें सतर्क

सीने में दर्द हार्ट अटैक का शिकार बना सकता है। सीने में दबाव या जलन हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

सर्दी का बना रहना टेंशन

लंबे समय तक सर्दी बना रहना भी दिल के दौरे की ओर इशारा करता है। सर्दी में कफ के साथ सफेद या गुलाबी रंग का बलगम, फेफड़ों में स्रावित रक्त के कारण हो सकता है।

चक्कर आना भी गंभीर

दिल कमजोर होने से खून का संचार सही से नहीं होता है। ऐसे में दिमाग को आक्सीजन नहीं मिल पाती जिससे चक्कर आने लगते हैं। यह हार्ट अटैक के लिए जिम्मेदार एक गंभीर लक्षण है, जिस पर ध्यान देना चाहिए।

पैरों में सूजन तो है खतरा दिल को शरीर के अंगों में रक्त पहुंचाने अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे शिराएं फूलती हैं और उनमें सूजन आती है। इसका असर पैर के पंजे, टखने और अन्य हिस्से में में नजर आता है। होंठों की सतह का रंग नीला हो जाता है। यह लक्षण दिखें तो डॉक्टर से मिलें।

रेसिपी

गट्टे की कढ़ी

सामग्री-गट्टों के लिए

1 प्याला बेसन
1/4 छोटा चम्मच नमक
2 चुटकी हींग
1/4 छोटा चम्मच अजवाइन
2 चुटकी हल्दी
2 बड़े चम्मच दही
1/2 छोटा चम्मच पिसा धनिया
1 छोटा चम्मच अदरक और हरी मिर्च पिसी हुई
2 बड़े चम्मच पानी बेसन गूथने के लिए
1 छोटा चम्मच तेल बेसन गूथने के लिए
1 बड़ा चम्मच तेल गट्टे भूनने के लिए

सामग्री-झोल के लिए

1 बड़ा चम्मच बेसन
1 प्याला खट्टा दही
1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
नमक स्वादानुसार
1/2 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
1/2 छोटा चम्मच जीरा
1 बड़ा चम्मच तेल/ घी
1/2 छोटा चम्मच राई/ सरसों (वैकल्पिक)
2 चुटकी हींग
1/4 छोटा चम्मच गरम मसाला
1 प्याला पानी

गट्टे बनाने की विधि

बेसन को छान लें। पानी को छोड़कर बाकी सभी सामग्री इसमें डालें और अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए कड़ा आटा गूंथ लें। इस आटे को गीले कपड़े से ढककर 5-10 मिनट के लिए रख दें। आटे को चार हिस्सों में बांटें। हाथ में दो बूंद तेल लगाकर एक हिस्से को हथेलियों के बीच में चिकना करें, और लगभग 4 इंच लंबा और 3/4 इंच गोल बेलन जैसा आकार बनाएं। इसी प्रकार बाकी बचे हुए तीन हिस्सों के भी बनाएं। एक बर्तन में लगभग डेढ़-दो प्याला पानी गरम करें। जब पानी उबलने लगे तो इसमें गट्टों के बेलनाकार टुकड़े डालें और मध्यम आंच पर 8-10 मिनट तक उबालें। उबले हुए गट्टों को पानी से बाहर निकाल लें और पानी को झोल में डालने के लिए अलग रखें। गट्टों के इन टुकड़ों को ठंडा होने दें, फिर इन्हें छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। एक कड़ाही में एक बड़ा चम्मच तेल गरम करें। गट्टों को मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक भूनें।

झोल बनाने की विधि

एक कटोरे में बेसन को छान लें। अब इसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर डालें और थोड़ा थोड़ा पानी डालते हुए मिलाते जाएं। ध्यान रखें कि घोल में बेसन की गुठली ना पड़ने पाए। खट्टे दही को अच्छे से फेटें। दही को बेसन में मिलाएं। एक कड़ाही में मध्यम आंच पर तेल गरम करे। इसमें जीरा और राई डालें। जब मसाले अच्छे से तड़क जाएं तो हींग और खड़ी लाल मिर्च डालें। मिर्च भुन जाए तो बेसन का घोल और खट्टे दही का घोल डालें। एक उबाल आने तक चलाते रहें, ताकि गुठलियां न पड़ें। उबाल के बाद आंच को धीमा कर दें और कढ़ी को 4-5 मिनट के लिए पकने दें। अगर लगे कि कढ़ी बहुत गाढ़ी है तो थोड़ा और पानी मिलाएं, और फिर पकाएं। कढ़ी में गट्टों को डालें और अच्छी तरह मिलाएं। गट्टों को 3-4 मिनट तक कढ़ी में पकाएं। गरम मसाला डालें, मिलाएं और आंच बंद कर दें। रोटी या चावल के साथ गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**